डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

पाक्षिक समाचार पत्र | प्रकाशित, भोपाल 22.0[illegible].2024 से 28.0[illegible].2024 | वर्ष 41 | अंक 04 | मूल्य ₹ 10.00

भव्य और दिव्य मंदिर में विराजमान हुए रामलला

श्री राम जन्मभूमि पर मंदिर
निर्माण के लिए 492 वर्षों तक निरंतर और लगभग 37 वर्षों तक सुसूत्र अभियान चला।

अयोध्या में तैयार हुए भव्य मंदिर में रामलला विराजमान हो गए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा विश्व इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बना। सभी शास्त्रीय परंपराओं का पालन करते हुए, प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम अभिजीत मुहूर्त में संपन्न किया गया। प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व शुभ संस्कारों का प्रारंभ 16 जनवरी 2024 से शुरू होकर 21 जनवरी, 2024 तक चला। 22 जनवरी को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा शुभ मुहूर्त, पौष शुक्ल कूर्म द्वादशी, विक्रम संवत 2080 में संपन्न हुई।

- अयोध्या में श्रद्धालु वर्ष 1949 से रामलला की प्रतिमा वाले अस्थाई मंदिर में पूजा अर्चना करते रहे हैं।
- 9 नवंबर 1989 को शिलान्यास समारोह हुआ जिसमें प्रथम शिला श्री कामेश्वर चौपाल ने रखी।
- सुप्रीम कोर्ट ने 9 नवंबर 2019 को ऐतिहासिक फैसला सुनाया।
- 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर का भूमिपूजन किया।
- पारंपरिक नागर शैली में निर्मित हो रहा है राम मंदिर परिसर।
- मंदिर परिसर 380 फीट लंबा, 250 फीट चौड़ा और 161 फीट ऊंचा है। कुल 392 खंभे और 44 फाटक हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हातोद ग्राम के हितग्राहियों से की वर्चुअली चर्चा

योजनाओं का लाभ पाने के लिए लोग न भटकें, यही मोदी की गारंटी है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम जनमन अंतर्गत पीएमवाई (जी) के लाभार्थियों से वर्चुअली बात की

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 'पीएम जनमन अंतर्गत पीएमवाई (जी) के लाभार्थियों से बातचीत कार्यक्रम' में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, कलेक्ट्रेट उज्जैन से वर्चुअली शामिल हुए।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पीएम-जनमन के शिवपुरी जिले के ग्राम हातोद की हितग्राही श्रीमती ललिता आदिवासी और श्रीमती विद्या आदिवासी से वर्चुअली चर्चा की। प्रधानमंत्री को श्रीमती ललिता ने बताया कि उनकी बड़ी बेटी छठवीं में पढ़ती है, उसे छात्रवृत्ति, स्कूल यूनिफार्म मिली है और सुकन्या समृद्धि योजना में भी उसका खाता खुला है। लाड़ली लक्ष्मी योजना का भी बेटी को लाभ मिला है। दूसरा बेटा ध्रुव है, जो दूसरी क्लास में पढ़ रहा है, उसे भी स्कूल यूनिफार्म और मध्यान्ह भोजन मिलता है। तीसरा बेटा आंगनवाड़ी में जा रहा है। श्रीमती ललिता ने बताया कि वे स्वयं, शीतला माता स्व-सहायता समूह से जुड़ी हैं, जिससे गौशाला संचालित करने का काम मिला है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने श्रीमती ललिता द्वारा तत्परता से दी गई जानकारी की प्रशंसा की।

प्रधानमंत्री जी हम सब आभारी हैं

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि आपका पक्के घर का सपना पूरा होने जा रहा है, आपको पहली किस्त भी मिलने जा रही है। इस पर श्रीमती ललिता ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपने पिछड़े आदिवासी गांव के बारे में सोचा, जनमन योजना अंतर्गत सभी योजनाओं का लाभ हमारे समुदाय को दिलाया, हम सब आभारी हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली बच्चियों को भी बातचीत के लिए प्रोत्साहित किया।

संक्षिप्त खबर

स्टार्टअप रैंकिंग में मध्यप्रदेश सम्मानित

भोपाल, मध्यप्रदेश को वर्ष 2022 की राज्यों की स्टार्टअप रैंकिंग में लीडर के रूप में सम्मानित किया गया। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने भारत मंडपम् में आयोजित राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश को सम्मानित किया। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के संचालक श्री रोहित सिंह ने यह सम्मान ग्रहण किया। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश सरकार ने फरवरी 2022 में नई स्टार्टअप नीति जारी की थी। इसके परिणामस्वरूप राज्य में मान्यता प्राप्त स्टार्टअप की संख्या में दो वर्ष की अल्पावधि में 108 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राज्यों की स्टार्टअप रैंकिंग का उद्देश्य प्रतिस्पर्धी और सहकारी संघवाद की भावना को बढ़ावा देना है। इससे स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन मिल रहा है। स्टार्टअप रैंकिंग में प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों में स्टार्टअप उद्यम के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए एक कुशल तंत्र बनाने की पहल के लिए विशेष रूप से मान्यता दी गई है।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मध्यप्रदेश में इसरो का सेंटर खोलने का होगा प्रयास

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय एवं मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में कालिदास अकादमी के संकुल हॉल में वैज्ञानिक युवा संवाद कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि इसरो का एक सेंटर प्रदेश में भी खुले इस संबंध में प्रयास किए जायेंगे। विज्ञान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनेक संभावनाएं छिपी हुई हैं। पुण्यभूमि उज्जयिनी में एक अलग आनन्द मिलता है। ब्रह्माण्ड को कोई नहीं जान सकता। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर एक अलग आनन्द की अनुभूति हो रही है और यह पर्व वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी जुड़ा है। उन्होंने कहा कि हमारे पर्व और त्योहारों में कई रोचक बातें छिपी हुई हैं।

मोक्ष देने वाली नगरियों में उज्जयिनी नगरी का भी अपना एक अलग महत्व है।

देश तेजी से आगे बढ़ रहा है

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वैज्ञानिक दृष्टि से युवाओं में विज्ञान में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए सरकार कार्य कर रही है। विज्ञान के विद्यार्थी समय-समय पर हमारे वरिष्ठ वैज्ञानिकों से संवाद स्थापित करें, इसके लिए युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे, जिससे नई सोच के साथ हमारे युवा आगे बढ़ सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में शीघ्र ही मंगल तिथियों की वैदिक घड़ी का टावर बनेगा।

समाज को आगे बढ़ाने में विज्ञान का बड़ा योगदान

हैदराबाद इसरो के निदेशक डॉ. प्रकाश चौहान ने कहा कि हमारे समाज को आगे बढ़ाने में विज्ञान एवं तकनीकी का बड़ा योगदान है। उज्जैन में आकर छात्रों से सीधा संवाद हुआ और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को मिला स्कोच ऑर्डर ऑफ मेरिट अवॉर्ड

भोपाल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके औद्योगिक प्रदूषण की स्वचालित निगरानी के लिए म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को उत्कृष्ट पर्यावरण प्रबंधन के लिये प्रतिष्ठित स्कोच - ऑर्डर ऑफ मेरिट अवॉर्ड 2023 से सम्मानित किया गया। स्कोच पुरस्कार समाज और शासन में लोक हितकारी परिवर्तनों के लिए उत्कृष्ट योगदान और तकनीकी को अपनाने के लिए दिया जाता है। मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव श्री चंद्रमोहन ठाकुर को यह पुरस्कार 18 जनवरी, 2024 को एक अलंकरण समारोह में प्रदान किया गया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके औद्योगिक प्रदूषण की ऑटोमेटिक निगरानी' के लिए पर्यावरण निगरानी केंद्र, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा विकसित अभिनव एवं उपयोगी उपकरण के लिए दिया गया।

श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास की प्रथम बैठक

राम वन पथ गमन मार्ग के सभी स्थलों का होगा विकास

भोपाल, चित्रकूट के ग्रामोदय विश्वविद्यालय सभागार में श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास की प्रथम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चित्रकूट सहित राम वन पथ गमन मार्ग के सभी प्रमुख स्थलों का विकास किया जायेगा। इसके लिये पूरी कार्ययोजना बनाकर उसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जायेगा। इसमें अधोसंरचना विकास के कार्यों के साथ-साथ धार्मिक चेतना, आध्यात्मिक विकास और राम कथा से जुड़े आयामों को भी शामिल किया जायेगा। चित्रकूट का अयोध्या की तरह विकास करके इसे भगवान राम के जीवन से जुड़ा सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल बनाया जायेगा। विद्वानों के परामर्श से राम वन पथ गमन के प्रमुख स्थलों का विकास किया जायेगा। चित्रकूट के दीपावली मेले तथा अमावस्या मेले में रामकथा और राम के जीवन से जुड़ी प्रदर्शनी एवं राम वन पथ गमन से जुड़ी जानकारियां प्रदर्शित करायें।

बनेगा कामतानाथ परिक्रमा पथ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान कामतानाथ के परिक्रमा पथ का निर्माण कार्य शुरू करायें। जिला पर्यटन संवर्धन परिषद को सक्रिय कर चित्रकूट में पर्यटन गतिविधियां संचालित करायें। अमावस्या मेले को पर्यटन कैलेण्डर में शामिल किया जायेगा। राम वन पथ गमन से जुड़े निर्माण कार्यों में लोक चेतना को शामिल करें। राम वन पथ गमन के प्रमुख स्थलों में सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

13 जनवरी

आईएनएस चीता, गुलदार और कुंभीर 40 वर्षों की सेवा के बाद सेवामुक्त

● भारतीय नौसेना के युद्धपोत चीता, गुलदार और कुंभीर को राष्ट्र की चार दशकों

की गौरवशाली सेवा के बाद सेवामुक्त कर दिया गया। आईएनएस चीता, गुलदार और कुंभीर को पोलैंड के डिनिया शिपयार्ड में पोल्नोक्नी श्रेणी के ऐसे जहाजों के रूप में तैयार किया गया था, जो टैंकों, वाहनों, कार्गो तथा सैनिकों को सीधे कम ढलान वाले समुद्र तट पर बिना गोदी के पहुंचा सकते थे। इन युद्धपोतों को क्रमशः 1984, 1985 और 1986 में पोलैंड में भारत के तत्कालीन राजदूत श्री एस.के. अरोड़ा (चीता एवं गुलदार) तथा श्री ए.के. दास (कुंभीर) की उपस्थिति में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था।

● रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन, जनरल रिज़र्व इंजीनियरिंग फोर्स द्वारा विभिन्न जारी परियोजना कार्यों के लिए नियोजित आकस्मिक भुगतान वाले श्रमिकों (सीपीएल) के लिए एक समूह (टर्म) बीमा योजना शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत आकस्मिक भुगतान वाले श्रमिकों (सीपीएल) की किसी भी प्रकार की मृत्यु पर उनके परिवार अथवा निकट संबंधियों को बीमा के रूप में 10 लाख रुपये मूल्य की बीमा राशि प्रदान की जायेगी। यह योजना देश के अंदरूनी और दूर-दराज के इलाकों में काम करने वाले सीपीएल के लिए सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण से जुड़े एक उपाय के रूप में काम करेगी।

14 जनवरी

मेसर्स टीटागढ़ रेल सिस्टम्स में 25टी बोलार्ड पुल टग, भीष्म का शुभारंभ

● युद्धपोत उत्पादन अधीक्षक (कोलकाता) कमोडोर एस. श्रीकुमार ने 25टी बोलार्ड पुल

(बीपी) टग, भीष्म को मेसर्स टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड (मेसर्स टीआरएसएल), कोलकाता में लॉन्च किया। यह टग भारत सरकार की "मेक इन इंडिया" पहल का गौरवशाली ध्वजवाहक है। भारत सरकार की "आत्मनिर्भर भारत" पहल के अनुरूप छह 25टी बीपी टग्स के निर्माण और वितरण के लिए मेसर्स टीआरएसएल, कोलकाता के साथ अनुबंध संपन्न हुआ। इन टगों का निर्माण भारतीय शिपिंग रजिस्टर (आईआरएस) के वर्गीकरण नियमों के तहत किया जा रहा है। टग की उपलब्धता नौसेना के जहाजों और पनडुब्बियों को बर्थिंग और अन-बर्थिंग, मोड़ और सीमित पानी में पैंतरेबाज़ी के दौरान सहायता की सुविधा प्रदान करके आईएन की परिचालन प्रतिबद्धताओं को गति प्रदान करेगी।

● तेलंगाना में सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में छठा अंतर्राष्ट्रीय पतंग और मिष्ठान्न महोत्सव शुरू हुआ। तीन दिन के इस महोत्सव में भारत के 50 प्रतिभागियों के साथ-साथ सोलह देशों के 37 पतंगबाजों ने हिस्सा लिया। इनमें इंडोनेशिया, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, कनाडा, कंबोडिया, स्कॉटलैंड, थाईलैंड, ताइवान, कोरिया, फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, इटली, दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड के प्रतिभागी शामिल हैं। महोत्सव में तेलंगाना के पारंपरिक व्यंजन, हस्त कला और हस्तशिल्प के विभिन्न 800 स्टॉल लगाए गए।

● असम में फसल कटाई का त्योहार माघ बिहू मनाया गया। इसे भोगाली बिहू और माघोर दोमाही भी कहा जाता है। इस त्योहार को तमिलनाडु में पोंगल, पंजाब में लोहड़ी और देश के उत्तरी राज्यों में मकर संक्रांति के नाम से जाना जाता है। यह वर्ष का पहला पर्व है, जो सर्दियों में फसल कटाई का उत्सव मनाने और पूरे वर्ष में समृद्धि की प्रार्थना करने के लिए विभिन्न समुदायों को जोड़ता है।

15 जनवरी

29 जनवरी को विद्यार्थियों से चर्चा करेंगे प्रधानमंत्री

● 29 जनवरी को होने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सातवें परीक्षा पे चर्चा

कार्यक्रम के लिए 22.6 करोड़ से अधिक विद्यार्थी पंजीकरण करा चुके हैं, जो एक रिकॉर्ड है। शिक्षा मंत्रालय ने पिछले महीने 12 दिसम्बर से इस वर्ष 12 जनवरी तक छठी से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के साथ अध्यापकों और अभिभावकों से भी इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए माय गोव (My gov) पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए थे। मंत्रालय के अनुसार माय गोव (My gov) पोर्टल पर मिले प्रश्नों के आधार पर दो हजार पचास प्रतियोगी चुने जाएंगे। इन प्रतिभागियों को एक विशेष किट प्रदान की जाएगी। इस वर्ष प्रधानमंत्री के साथ चार हजार से अधिक विद्यार्थी चर्चा करेंगे। यह कार्यक्रम दिल्ली के भारत मंडपम में होगा।

● भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की स्थापना के 150वें वर्ष के अवसर पर आयोजित समारोह में उप-राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने कहा कि आईएमडी की नीतियां, योजना और कार्यक्रम भारत के मुख्यधारा कार्यक्रमों और प्रधानमंत्री तथा उनकी टीम के विजन और मिशन के साथ जुड़े हैं। उन्होंने कृषि मंत्रालय, राज्य और केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालयों तथा राज्य कृषि विभागों के साथ मिलकर आईएमडी द्वारा जारी किये जाने वाले दैनिक मौसम, जोखिम और फसल संबंधी मौसम परामर्श जैसे उपयुक्त पूर्वानुमानों के जरिये किसानों की आय बढ़ाने में निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका को लेकर भी आईएमडी की सराहना की। नई दिल्ली में आयोजित इस समारोह में देशभर से पहुंचे करीब 1,200 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

16 जनवरी

'एक वाहन एक फास्टैग' पहल का शुभारंभ

● भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह

प्रणाली की दक्षता बढ़ाने और टोल प्लाजा पर निर्बाध आवाजाही सुविधा प्रदान करने के लिए 'एक वाहन, एक फास्टैग' पहल का शुभारंभ किया है। एनएचएआई फास्टैग उपयोगकर्ताओं को भारतीय रिज़र्व बैंक दिशानिर्देशों के अनुसार केवाईसी अपडेट करके अपने नवीनतम फास्टैग की 'अपने ग्राहक को जानें' (केवाईसी) प्रक्रिया को पूरा करने के लिए भी प्रोत्साहित कर रहा है। बकाया धनराशि के साथ अपूर्ण केवाईसी वाले फास्टैग को 31 जनवरी 2024 के बाद बैंकों द्वारा निष्क्रिय/ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा।

● आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना के तहत 30 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। इस प्रमुख योजना को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) कार्यान्वित कर रहा है। इसका लक्ष्य 12 करोड़ लाभार्थी परिवारों को माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती होने पर प्रति परिवार 5 लाख रुपये प्रति वर्ष का स्वास्थ्य कवर प्रदान करना है। पिछले दो वित्तीय वर्षों के दौरान ही 16.7 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। वर्ष 2023-24 के दौरान अब तक 7.5 करोड़ से ज्यादा आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। इसका मतलब है कि हर मिनट लगभग 181 आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं।

17 जनवरी

आरईसी लिमिटेड ने जारी किया येन हरित बॉन्ड

● ऊर्जा मंत्रालय के अधीन महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम आरईसी लिमिटेड ने अपने 10 अरब अमेरिकी डॉलर के ग्लोबल मीडियम टर्म नोट्स कार्यक्रम के तहत 61.1 अरब जापानी येन के 5-वर्षीय, 5.25-वर्षीय और 10-वर्षीय शुरुआती हरित बॉन्ड जारी किए हैं। इस बॉन्ड से प्राप्त आय को कंपनी के ग्रीन फाइनेंस फ्रेमवर्क, आरबीआई के बाहरी वाणिज्यिक उधार दिशानिर्देशों और समय-समय पर दी गई इसकी मंजूरी के अनुसार योग्य हरित परियोजनाओं के वित्तपोषण में लगाया जाएगा। इस अवसर पर आरईसी लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री विवेक कुमार देवांगन ने कहा कि भारत की ऊर्जा परिवर्तन की दिशा में वित्त पोषण के लिए दूरदर्शी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जो स्वच्छ और हरित ऊर्जा परिदृश्य की दिशा में सतत विकास के लिए हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप हो।

● भारतीय रेलवे ने 'भारत गौरव' पर्यटक ट्रेनों की अवधारणा प्रस्तुत की है। इन थीम-आधारित पर्यटक सर्किट ट्रेनों का उद्देश्य

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शानदार ऐतिहासिक स्थलों का प्रदर्शन और उनकी यात्रा कराना है। वर्ष 2023 के दौरान 96 हजार 491 पर्यटकों को लेकर भारत गौरव ट्रेनों की कुल 172 यात्राएं संचालित की गईं, जो 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले देशभर के विभिन्न पर्यटन स्थलों को कवर करती हैं। 'भारत गौरव' ट्रेन श्रीराम-जानकी यात्रा, अयोध्या से जनकपुर, श्रीजगन्नाथ यात्रा, "गर्वी गुजरात" यात्रा, अम्बेडकर सर्किट; उत्तर-पूर्व भ्रमण जैसे प्रमुख पर्यटक सर्किटों की यात्रा को कवर करती हैं।

18 जनवरी

रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट में शामिल होंगी सरकारी इमारतें

● जम्मू कश्मीर के सरकारी विभाग अब सौर ऊर्जा से जगमगाएंगे। प्रदेश सरकार ने

2025 तक बीस हजार सरकारी इमारतों को रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट में शामिल कर 300 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य तय किया है। जम्मू और कश्मीर ऊर्जा विकास एजेंसी (जेएकेईडीए) के अनुसार अभी तक 1900 सरकारी इमारतों पर सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट स्थापित कर 27.61 मेगावाट बिजली उत्पन्न की जा रही है। सरकारी प्रतिष्ठानों में 15 प्रतिशत ऊर्जा की खपत होती है। जिसका अनुमान सालाना 3000 मिलियन यूनिट बिजली है। ऊर्जा जरूरतों का केवल 50 प्रतिशत रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट के जरिए पूरा हो जाता है, तो प्रदेश सरकार को इससे सालाना करीब 700 करोड़ रुपये की बचत होगी।

● ग्लोबल रेटिंग एजेंसी फिच ने कहा है कि भारत अगले कुछ वर्षों में भी सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा। एजेंसी ने भारत की रेटिंग बरकरार रखी है। फिच का अनुमान है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि साल 2024 में संतुलित रहेगी। वित्त वर्ष 2024 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.9 प्रतिशत रह सकती है, जबकि मई 2023 में फिच ने 6 प्रतिशत ग्रोथ का अनुमान लगाया था। फिच ने कहा कि देश में प्राइवेट इन्वेस्टमेंट की कोई कमी नहीं रहेगी। आर्थिक वृद्धि में निवेश एक अहम रोल निभाने जा रहा है। भारत में प्राइवेट इनवेस्टमेंट धीरे-धीरे बढ़ता जाएगा।

19 जनवरी

सरकार ने भारतीय स्टांप विधेयक 2023 के मसौदे पर सुझाव मांगे

● सरकार ने भारतीय स्टांप विधेयक, 2023 के मसौदे पर आम जनता से सुझाव आमंत्रित किए हैं। स्टांप शुल्क प्रावधानों को आधुनिक व्यवस्था के अनुरूप बनाने के लिए यह विधेयक लाया जा रहा है। संबंधित पक्ष एक तय प्रारूप में 30 दिनों के भीतर अपने सुझाव दे सकते हैं। वित्त मंत्रालय के अनुसार एक बार कानून का रूप लेने के बाद, यह विधेयक भारतीय स्टांप अधिनियम, 1899 की जगह लेगा। केंद्रीय वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग ने भारतीय स्टांप विधेयक, 2023 का मसौदा तैयार किया है।

● खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने 'सनातन खादी वस्त्र' की एक नई श्रेणी की शुरुआत की है। केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने नई दिल्ली के कनॉट प्लेस में स्थित प्रमुख खादी भवन में खादी कपड़ों से बने 'सनातन वस्त्र' का शुभारंभ किया। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी) स्थित खादी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में सनातन वस्त्र का डिजाइन तैयार किया गया है। इस मौके पर केवीआईसी के अध्यक्ष ने कहा कि खादी के निर्माण में किसी भी प्रकार की यांत्रिक या रासायनिक प्रक्रिया शामिल नहीं होती है। इसलिए भारतीय परंपरा के अनुसार तैयार सनातन वस्त्र अपने आप में अद्वितीय है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

ARIHANT COLLEGE
Approved by NCTE, MP Higher Education, Affiliated with DAVV
"NAAC Accredited"
Selection Under College Code 28
Invites applications for B.Ed., M.Ed., BCA, BSW, BBA (Plain), BBA (H.A.), B.Com & B.A. Programmes
Principal, HOD, Professor, Associate & Assistant Professors
Minimum qualification as per NCTE/ UGC regulations
Interested candidates can send their resume with relevant documents & experience certificates to the below address within 8 days.
453 Khandwa Road, Opp. Radha Soami Satsang, Indore (M.P.)
Email: arihantcollege@gmail.com, Ph.: 0731-2461303, 98273 69944
DAVP ADVERTISING R-49389/2024

APPOINTMENTS
Applications are invited from the eligible candidates for the post of Principal, Professor, Associate Professor and Assistant Professor in Engineering & Technology (CS, CE, ME, EC), Computer Sc. & Applications, Management, Pharmacy, Law, Physics, Chemistry, Mathematics, English, Commerce, Biotechnology, Economics, History, Political Science, Psychology and Sociology.
Interested candidates can send their resume on hr@acropolis.in within 15 days of advertisement or submit their details through the following link (https://bit.ly/Acropolis_Vacancy)
Qualifications, experience and salary as per AICTE/UGC/BCI/PCI norms. Faculty selection will be carried out under college code 28 and 30 of DAVV & RGPV respectively.
Acropolis Institute of Technology & Research
Acropolis Institute of Management Studies & Research
Acropolis Faculty of Management & Research
Acropolis Institute of Pharmaceutical Education & Research
Acropolis Institute of Law
ACROPOLIS Enlightening Wisdom
Indore Bypass Road, Manglia Square, Near Toll Plaza, Indore (M.P.)
Ph. 0731-4730000/01
PANKAJ
R-49372/2024

वर्ष 41, अंक 04 22.01.2024 से 28.01.2024
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - संदीप यादव
- सम्पादक - रंजना चितले
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अशोका हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

मध्यप्रदेश में राम वन पथ गमन मार्ग का कायाकल्प और संकल्प

अयोध्या में भगवान श्रीराम अपनी जन्मभूमि में विराजमान हुए। लगभग 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद यह दिन आया है। श्री रामलला के भव्य मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा अवसर पर मध्यप्रदेश में उत्साह का वातावरण है। मध्यप्रदेश में भी इसी तारतम्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में इस उत्सव को मनाने की योजना तैयार की गई। प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में श्रीराम कथा सप्ताह मनाया जा रहा है। इसमें गायन, कथा वाचन, राम रक्षास्रोत, रामचरित मानस पाठ भी हो रहे हैं। विभिन्न स्पर्धाएं हो रही हैं, इसमें पुरस्कृत प्रतिभागी गणतंत्र दिवस पर जिला मुख्यालयों में सम्मानित किए जाएंगे। संस्कृति विभाग की जनजातीय लोक कला और बोली विकास अकादमी ने प्रदेश के श्रीराम मंदिरों का सर्वेक्षण किया है।

अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ ही मध्यप्रदेश में राम वन पथ गमन के निर्माण का कार्य शुरू हो गया है। विगत दिनों चित्रकूट के ग्रामोदय विश्वविद्यालय सभागार में श्री रामचंद्र पथ गमन न्यास की प्रथम बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चित्रकूट सहित राम वन पथ गमन मार्ग के सभी प्रमुख स्थलों का विकास किया जायेगा। इसके लिये पूरी कार्य योजना बनाकर उसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जायेगा। इसमें अधोसंरचना विकास के कार्यों के साथ-साथ धार्मिक चेतना, आध्यात्मिक विकास और राम कथा से जुड़े आयामों को भी शामिल किया जायेगा। चित्रकूट का अयोध्या की तरह विकास करके इसे भगवान राम के जीवन से जुड़ा सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल बनाया जायेगा। विद्वानों के परामर्श से राम वन पथ गमन के प्रमुख स्थलों का विकास किया जायेगा। चित्रकूट के दीवाली मेले तथा अमावस्या मेले में रामकथा और राम के जीवन से जुड़ी प्रदर्शनी एवं राम वन पथ गमन से जुड़ी जानकारियां प्रदर्शित कराई जाएंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान कामतानाथ के परिक्रमा पथ का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करायें। जिला पर्यटन संवर्धन परिषद को सक्रिय कर चित्रकूट में पर्यटन गतिविधियां संचालित करायें। अमावस्या मेले को पर्यटन कैलेंडर में शामिल किया जायेगा। राम वन पथ गमन से जुड़े निर्माण कार्यों में लोक चेतना को शामिल करें। राम वन पथ गमन के प्रमुख स्थलों में सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। राम वन पथ गमन मार्ग में मोटर साइकिल रैली जैसे आयोजन करके इससे आम जनता को जोड़ें। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के मंदिरों की पुस्तक का विमोचन किया। इसमें 155 प्रमुख मंदिरों के छायाचित्र तथा 6800 राम मंदिरों की जानकारी संकलित है। प्रदेश में राम वन पथ गमन मार्ग में 1450 किलोमीटर की दूरी शामिल है। इसमें 23 प्रमुख धार्मिक स्थल हैं। जिनमें सतना, पन्ना, कटनी, अमरकंटक, शहडोल, उमरिया आदि शामिल हैं।

आईआईटी कानपुर के शोध से अल्जाइमर व पार्किंसन जैसी बीमारियों को रोकने में मिलेगी मदद

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर ने जी प्रोटीन-युग्मित रिसेप्टर्स (जीपीसीआर) और केमोकाइन रिसेप्टर डी 6 के अध्ययन से बायोमेडिकल अनुसंधान में एक सफलता हासिल की है। इस शोध से कैंसर, अल्जाइमर, पार्किंसन और सिजोफ्रेनिया रोग जैसे मस्तिष्क विकारों के उपचार में मदद मिलेगी। शोधकर्ताओं ने रिसेप्टर्स के परमाणु विवरण का पूर्वानुमान लगाया। इस अनुसंधान से मिली जानकारी बीमारी होने पर इन रिसेप्टर्स को नियंत्रित करने के लिए नई दवा बनाने की संभावना का रास्ता खोलती है। इस कार्य को प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय जर्नल साइंस में प्रकाशित होने के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है। आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रोफेसर एस. गणेश के अनुसार यह अनूठा शोध चिकित्सा में एक नए युग के द्वार खोलता है। जो दुनियाभर में लाखों लोगों के लिए कैंसर और न्यूरोलॉजिकल समस्याओं का समाधान कर सकता है। ये बीमारियां अत्यधिक पीड़ादायक होती हैं इनका इलाज महंगा होता है। इस शोध से इन बीमारियों के उपचार के लिए एक रिवोल्यूशन आ सकता है। शोधकर्ताओं द्वारा किया गया यह शोध जहां जटिल बीमारियों के उपचार के लिए समझ बढ़ाता है, वहीं नए जैव चिकित्सा अनुसंधान में भारत की अग्रणी स्थिति को मजबूत करता है। यह शोध गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए आईआईटी कानपुर की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। जी प्रोटीन-युग्मित रिसेप्टर्स (जीपीसीआर) मस्तिष्क कोशिकाओं की सतह पर छोटे एंटेना की तरह होते हैं जो उन्हें संचार करने में मदद करते हैं और मस्तिष्क के कई कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब ये रिसेप्टर्स ठीक से काम नहीं करते हैं, तो मस्तिष्क कोशिकाओं के बीच संचार में समस्याएं आती हैं, जिससे अल्जाइमर और पार्किंसन जैसी बीमारियां होती हैं। इससे इन बीमारियों में लक्षण और प्रगति देखी जाती है। इसी तरह, केमोकाइन रिसेप्टर डी 6 प्रतिरक्षा प्रणाली में कार्य करता है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

युवाओं के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक सामर्थ्य से ही भारत विश्व शक्ति बनेगा

युवा कल्याण योजनाओं से देश में नई ऊर्जा का संचार

विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गरीबोत्थान के बाद सर्वाधिक जोर युवा शक्ति के विकास पर दिया है। इसके लिये खेल-कूद से लेकर मानसिक, बौद्धिक ही नहीं कौशल विकास से प्रतिभा उन्नयन, स्पर्धाओं से अग्रणी होने का भाव और स्वरोजगार से युवा आत्मनिर्भरता का अभियान चलाया गया है।

भारत विश्व की महाशक्ति बनने की स्पर्धा में है। यह काम युवा चेतना और युवा शक्ति के उद्यमशीलता के बिना संभव नहीं है। संसार की हरेक क्रांति विकास की हो अथवा परिवर्तन की युवा शक्ति के सहारे ही सफल हुई है। इसीलिये लगभग सवा सौ साल पहले स्वामी विवेकानंद ने युवाओं से 'उठो और जागो' का आह्वान किया था। उठने का अर्थ सक्रिय होना है, चैतन्य होना है तो जागने का अर्थ देशकाल परिस्थिति के अनुरूप स्वयं को तैयार करना, अपना लक्ष्य निर्धारित करना और उसे प्राप्त करने के लिये अपनी प्रतिभा, क्षमता, दक्षता, मेधा और श्रम शक्ति से आगे बढ़ना। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भारत को विकसित राष्ट्रों में अग्रणी बनाने के लिये इसी दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने एक घोष वाक्य 'ज्ञान का सम्मान' दिया है इसमें गरीब के उत्थान के बाद युवा शक्ति को ही जाग्रत करना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने युवा शक्ति से न केवल आगे आकर राष्ट्र के विकास में कार्य करने का आह्वान किया है अपितु उन्होंने युवाओं के लिये क्रमबद्ध योजनाएं भी बनाई हैं। ताकि देश की युवा शक्ति अपनी सामर्थ्य का उन्नयन कर भारत राष्ट्र को वह ऊंचाई दे सके जहां कभी भारत रहा है। यह युवाओं की आंतरिक और बाह्य दोनों प्रकार की सामर्थ्य से ही संभव होगा। जागकर आगे बढ़ने के लिये युवाओं में शारीरिक और मानसिक सामर्थ्य का विकास एवं समन्वय होना आवश्यक है फिर लक्ष्य आपूर्ति के लिये आधारभूत आवश्यकता की आपूर्ति करना। भारत विश्व का एकमात्र ऐसा देश है जहाँ सर्वाधिक युवा आबादी है। भारत की जनसंख्या में 35 वर्ष से कम आयु के युवाओं का प्रतिशत 65 है। जबकि 27.5 प्रतिशत 15 से 29 वर्ष की आयु के युवा हैं जो ऊर्जा से भरपूर जीवंत जनसंख्या का प्रतीक हैं। इस जीवंत जनसंख्या को शक्तिशाली बनाकर समाज में प्रतिष्ठित करना ताकि भारत एक सशक्त राष्ट्र के रूप में गर्वोन्नत हो सके। इसके बहुआयामी प्रयास करने के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की युवा कल्याण योजनाओं में समग्रता है। यदि शारीरिक रूप से सक्षम और ऊर्जावान बनाने के लिये खेल योजनाएं हैं तो मानसिक क्षमता उन्नयन के लिये कौशल विकास योजना और तकनीकी प्रशिक्षण योजना है, वहीं आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिये स्वरोजगार की योजनाएं भी हैं।

राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज योजना

राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज योजना (एनएसटीएसएस) के अंतर्गत आठ से बारह वर्ष के बीच के बच्चों में उनकी खेल प्रतिभाओं की पहचान कर प्रोत्साहित करना है। सामान्यतः ये बच्चे कक्षा 4 से कक्षा 6 तक होते हैं। इन प्रतिभाओं का शरीर के नाप से संबंधित फिजिकल एवं फिजियोलॉजिकल क्षमताओं का आकलन किया जाता है। आकलन करके जिला स्तर के खेल विद्यालयों, केंद्रीय खेल विद्यालयों और राष्ट्रीय खेल अकादमियों आदि में प्रवेश को प्राथमिकता दी जाती है, ताकि वे अपनी प्रतिभा का विकास कर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। इस योजना का समन्वय भारत सरकार का युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय करता है। इसके लिये एक खेल प्रतिभा खोज पोर्टल भी तैयार किया गया है, ताकि इस पोर्टल के माध्यम से आवेदक अपना ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकें। इस पोर्टल पर बाल एवं युवा दोनों खिलाड़ी आवेदन कर सकते हैं।

एथलीट्स खेलों को प्रोत्साहन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने खेलों का आधारभूत ढांचा तैयार करने करने के लिये 2017-18 में खेलो इंडिया योजना प्रारंभ की। खेलों में भागीदारी और उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए सरकार ने खेल एवं युवा मंत्रालय को वर्ष 2023-24 के लिए 3397.32 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है।

खेलो इंडिया योजना के क्रियान्वयन के लिए 12 विभाग बनाए गए हैं। राज्य स्तरीय खेलो इंडिया केंद्र, वार्षिक खेल स्पर्धाएं, प्रतिभा खोज एवं विकास, खेलों का सृजन, उन्नयन व उपयोग, राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय एवं आंचलिक खेल अकादमियों को सहायता, विद्यालयीन बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण, महिला खेल प्रोत्साहन, दिव्यांगों में खेल प्रोत्साहन, सामाजिक शांति व विकास के लिए खेलों का उपयोग और देशी ग्रामीण व जनतातीय पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहन देना शामिल है। इसके लिये देश भर में 1000 से भी अधिक खेलो इंडिया केंद्र स्थापित किये गए हैं। इसके साथ ही 32 राज्य स्तरीय उत्कृष्टता केंद्र भी अधिसूचित किए गए हैं। मध्यप्रदेश के ग्वालियर व सीधी, उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद और दिल्ली कैंट के केंद्रीय विद्यालयों को भी राज्य स्तरीय खेलो इंडिया केंद्र का दर्जा दिया गया है।

इस योजना के अंतर्गत खेल विधाओं में प्रतिभाशाली एथलीटों को 8 वर्षों के लिए सालाना 5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

देश भर में 3,865 एथलीट्स हैं इनमें 2,465 लड़के एवं 1,400 लड़कियां हैं।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना

भारत में युवा जनसंख्या सर्वाधिक है। युवाओं में कौशल भी है पर कई बार युवाओं के कौशल एवं प्रतिभा को समुचित दिशा नहीं मिलती इस कारण युवाओं में भटकाव भी देखा गया है और वे देश की प्रगति में वह भूमिका नहीं निभा पाते जितनी उनमें प्रतिभा होती है। इसलिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं के लिए कौशल एवं उद्यमिता विकास की यह योजना आरंभ की है। इस योजना का समन्वय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय करता है। इसके अंतर्गत उद्यमिता शिक्षा, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, परामर्श और सहायता के माध्यम से युवाओं को आजीविका के विविध अवसर उपलब्ध कराना है। यह माध्यम नौकरी भी हो सकता है और अपने कौशल के आधार पर अपना कोई काम आरंभ करना भी हो सकता है। कुछ व्यावसायिक क्षेत्रों में केवल प्रशिक्षण से उद्यमशीलता संभव नहीं होती। इसके लिये अपने कौशल विकास के साथ उद्यमशीलता को भी समझकर दोनों दिशाओं में एक साथ काम करना होगा। इसीलिए भारत सरकार का यह विभाग दोनों दिशाओं में काम करता है। योजना सामाजिक उद्यमों को भी प्रोत्साहित करती है और उद्यमिता सहायता के लिये भी।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का उद्देश्य फुटपाथ व्यावसायियों को सहायता करना है। फुटपाथ व्यवसायी (स्ट्रीट वेंडर्स) को वर्किंग कैपिटल के लिये ऋण सुविधा देना है। इस योजना के अंतर्गत किसी भी फुटपाथ व्यवसायी को कार्यशील पूंजी के लिये बिना किसी गारंटी के दस हजार रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। इसकी समयावधि एक वर्ष है। समय पर ऋण भुगतान करने वाले हितग्राही को 20,000 रुपये लोन की दूसरी और 50,000 रुपये लोन की तीसरी किश्त के रूप में ऋण सुविधा दी जाती है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में हर साल 7 प्रतिशत की दर से ब्याज सब्सिडी के माध्यम से नियमित री-पेमेंट को प्रोत्साहित तथा प्रति वर्ष 1,200 रुपये तक कैशबैक के माध्यम से डिजिटल लेनदेन करने के लिये भी प्रोत्साहित किया जाता है।

यह योजना 1 जून, 2020 से आरंभ हुई है। यह योजना कोरोनाकाल में रोज़गार गंवाने वाले छोटे कामगारों को आर्थिक सहायता पहुंचाने के लिये आरंभ की गई थी। इसका लाभ लेने वाले हितग्राहियों की संख्या 50 लाख से अधिक हो गई है। इनमें 15.79 लाख महिलाएं और 230 ट्रांसजेंडर भी हैं। इस योजना के अंतर्गत 20 जुलाई 2023 तक 38.53 लाख हितग्राहियों को 6492 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं।

स्टैंडअप इंडिया योजना

'स्टैंडअप इंडिया' योजना युवाओं को उद्यमी और आत्मनिर्भर बनाने का एक अभियान है जो 2016 से प्रारंभ किया गया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि युवा नौकरी मांगने वाले नहीं अपितु नौकरी देने वाले बनें। यह तभी संभव होगा जब उनका झुकाव उद्यमिता की ओर होगा। यह योजना इसी उद्देश्य के लिये आरंभ की गई है। इसकी अवधि वर्ष 2025 तक बढ़ा दी गई है। पिछले सात वर्षों में इस योजना का लाभ लेने वालों में अनुसूचित जाति, जनजातीय और महिला उद्यमी वर्ग के हितग्राहियों की संख्या सवा लाख से अधिक है।

स्टैंडअप इंडिया अभियान के तहत युवा उद्यमियों के ग्रीनफील्ड स्टार्टअप्स को 10 लाख से एक करोड़ रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। लक्ष्य है कि अधिकृत बैंक की हर शाखा को कम से कम एक अनुसूचित जाति, एक अनुसूचित जनजाति एवं एक महिला उद्यमी के स्टार्टअप को स्थापित करने में सहायता करे। इस अभियान के लिए केंद्र सरकार ने पोर्टल और मोबाइल एप भी विकसित किये हैं। ताकि जरूरतमंद इच्छुक को तुरन्त सभी आवश्यक सूचनाएं मिल सकें। इस योजना द्वारा उद्यामियों को उनके स्टार्टअप से संबंधित कौशल प्रशिक्षण, मार्गदर्शन एवं संरक्षण भी दिया जाता है।

इस अभियान के अंतर्गत 31 मार्च, 2023 तक 180,636 से अधिक खातों को 40710 करोड़ रुपये का ऋण दिया गया है। इनमें अनुसूचित जनजाति के 26889 उद्यमियों को 5,625.5 करोड़, अनुसूचित जनजाति के 8,960 उद्यामियों को 1,932.5 करोड़ और 1,44,787 महिला उद्यमियों को 33,152.43 करोड़ रुपये की सहायता उपलब्ध कराई गई है।

रमेश शर्मा

(लेखक- वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार हैं।)

रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार

दिल्ली अधीनस्थ सेवाएं चयन बोर्ड

एफसी-18, इंस्टीट्यूशनल एरिया, कड़कड़डूमा, दिल्ली-110092

https://dsssbonline.nic.in

सं. एफ.1(234)/पीएंडपी-I/डीएसएसएसबी/2023/4120 दिनांक: 22/12/2023

रिक्ति सूचना/विज्ञापन सं. 08/2023

सहायक शिक्षक (नर्सरी) के पद हेतु संयुक्त परीक्षा, 2023

ऑनलाइन आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए प्रारंभिक तिथि और बंद होने की तिथि नीचे दिये अनुसार हैं:-

आवेदन-पत्र प्रारंभ होने तिथि:	**09/01/2024 (9 जनवरी, 2024)**
आवेदन-पत्र बंद होने की तिथि:	**07/02/2024 (7 फरवरी, 2024) (अपराह्न 11.59 बजे)**

दिल्ली अधीनस्थ सेवाएं चयन बोर्ड (डीएसएसएसबी) नीचे दिए गए विवरणानुसार रा.रा.क्षे. दिल्ली के नीचे वर्णित विभागों/स्वायत्त संस्थाओं के संबंध में रिक्तियों के तहत **सहायक शिक्षक (नर्सरी) (पद कोड-817/23)** के पद की भर्ती के लिए पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन-पत्र आमंत्रित करता है:-

सहायक शिक्षक (नर्सरी)

क्र.सं.	पद कोड	पद का नाम	विभाग का नाम	वेतन स्तर	रिक्तियां (बकाया रिक्तियों सहित)*						
					अना	अपिव	अजा	अजजा	ईडब्ल्यूएस	कुल	पीडब्ल्यूबीडी (सम्मिलित)
1.	817/23	सहायक शिक्षक (नर्सरी) (महिला)	दिल्ली नगर निगम	6	512	341	188	94	126	1261	56
2.		सहायक शिक्षक (नर्सरी)	शिक्षा निदेशालय	6	81	10	0	14	15	120	7
3.		सहायक शिक्षक (नर्सरी)	नई दिल्ली नगरपालिका परिषद्	6	21	26	10	7	10	74	4
		कुल जोड़			614	377	198	115	151	1455	67

*उपर्युक्त रिक्तियां अनंतिम हैं और मांग-पत्र प्रेषित करने वाले विभागों/संस्थाओं के इनपुट के आधार पर है.

अभ्यर्थियों को वेबसाइट **https://dsssbonline.nic.in** के जरिए ऑनलाइन आवेदन करना चाहिए. ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने के लिए बंद होने की **तिथि 07/02/2024 (अपराह्न 11:59 बजे तक)** है, जिसके बाद लिंक हटा दिया जायेगा.

डीएसएसएसबी ऊपर अधिसूचित रिक्तियों के तहत भर्ती करने के लिए परीक्षाएं आयोजित करेगा. परीक्षाओं की तिथि के संबंध में बाद में केवल बोर्ड की वेबसाइट के जरिए सूचित किया जायेगा. आवेदकों को सलाह दी जाती है कि विस्तृत विज्ञापन की जांच करने के लिए डीएसएसएसबी की वेबसाइट अर्थात **https://dsssbonline.nic.in** पर जाएं और मांग-पत्र भेजने वाले विभागों के भर्ती नियमों के आधार पर उपर्युक्त रिक्तियों के लिए अपनी पात्रता की पुष्टि कर लें.

महत्वपूर्ण टिप्पणी:- केवल ऑनलाइन आवेदन-पत्र स्वीकार किये जायेंगे. डाक से/हाथों-हाथ/मेल आदि के द्वारा प्राप्त आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे और सरसरी तौर पर ही अस्वीकार कर दिये जायेंगे. इस संबंध में किसी भी पत्राचार पर विचार नहीं किया जायेगा.

उप सचिव (पी एंड पी-I)
डीएसएसएसबी

विज्ञापन सं. 08/2023

पद के नाम, पद कोड, रिक्तियों की संख्या, शैक्षणिक अर्हताएं (अनिवार्य/वांछनीय), अपेक्षित अनुभव (अनिवार्य/ वांछनीय), आयु सीमा आदि के संबंध में उपयोगकर्ता/मांग-पत्र प्रस्तुत करने वाले विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गये भर्ती नियमों के अनुसार विवरण नीचे सारणीबद्ध किये गये हैं:-

क्र. सं. 1.

पद का नाम :- सहायक शिक्षक (नर्सरी)
पद कोड : 817/23

विभाग का नाम: दिल्ली नगर निगम

पद का नाम : सहायक शिक्षक (नर्सरी)-महिला

आर.सं. डी/डीडीई/टीआरसी/एजु./एचक्यू/एमसीडी/2023/2311 दिनांक 29/09/2023

रिक्तियों की संख्या

अना	अपिव	अजा	अजजा	ईडब्ल्यूएस	कुल	पीडब्ल्यूबीडी* (सहित) श्रेणी (क)	श्रेणी (ख)	श्रेणी (ग)	श्रेणी (घ) एवं (ङ)
512	341	188	94	126	1261	12+ 6**	12	14	12

****बकाया रिक्ति**

इस पद की उपयोगकर्ता विभाग के पत्र सं. 2417 दिनांक 17/11/2023 के अनुसार पीडब्ल्यूबीडी (क) बी, एलवी (ख) एचएच (ग) ओए, ओएल, बीएल, ओएएल, सीपी, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी (घ) एसएलडी, एमआई (ङ) एमडी उपर्युक्त (क) से (घ) तक सम्मिलित श्रेणियों के लिए उपयुक्त पहचान की गई है.

शैक्षणिक अर्हता	**अनिवार्य**	**i.** मान्यताप्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से कम से कम 45% अंकों के साथ वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल (बारहवीं श्रेणी) प्रमाण-पत्र अथवा इंटरमीडिएट अथवा इसके समकक्ष. **ii.** मान्यताप्राप्त संस्थान से कम से कम दो वर्ष की अवधि का नर्सरी शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र अथवा बी.एड (नर्सरी). **iii.** माध्यमिक स्तर पर हिंदी अवश्य उत्तीर्ण की होनी चाहिए.
	वांछनीय	शून्य
अनुभव	**अनिवार्य**	शून्य
	वांछनीय	शून्य
वेतनमान		रु.35,400-1,12,400 (वेतन स्तर-6), समूह 'ख', अराजपत्रित, गैर अनुसचिवीय
आयु सीमा		30 वर्ष से अधिक नहीं (केंद्रीय सरकार द्वारा जारी अनुदेशों अथवा आदेशों के अनुरूप सरकारी कर्मचारियों के लिए 5 वर्ष तक शिथिलनीय). आयु में छूट पैरा 7 पर सारणी के अनुसार प्रदान की जायेगी. **समान विभाग के संविदात्मक कर्मचारी:-** सेवाएं विभाग, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार द्वारा जारी का.ज्ञा. सं. एफ.19(11)/2015/एस.IV/1751-1756 दिनांक 11/06/2019 (अनुलग्नक-I) के अनुसार एक-बार के उपाय के तौर पर ऊपरी आयु सीमा में समान विभाग के संविदात्मक कर्मचारी के तौर पर व्यतीत किये गये वास्तविक समय तक की छूट, अधिकतम 5 वर्षों के विषयाधीन, प्रदान की जायेगी, बशर्ते कि उन्होंने उस वर्ष विशेष में कम से कम 120 कार्य दिवसों में कार्य किया हो.

2.

विभाग का नाम : शिक्षा निदेशालय

पद का नाम : सहायक शिक्षक (नर्सरी)

आर.सं. डीई-4(6)/(254)/ई-IV/2017/141 दिनांक: 18/04/2023

रिक्तियों की संख्या

अना	अपिव	अजा	अजजा	ईडब्ल्यूएस	कुल	पीडब्ल्यूबीडी* (सहित) श्रेणी (क)	श्रेणी (ख)	श्रेणी (ग)	श्रेणी (घ) एवं (ङ)
81	10	00	14	15	120	01+ 01**	01+ 01**	02	01

****बकाया रिक्ति**

इस पद की उपयोगकर्ता विभाग के पत्र सं. 297-304 दिनांक 08/03/2022 के अनुसार पीडब्ल्यूबीडी (क) बी, एलवी (ख) एचएच (ग) ओए, बीए, ओएल, बीएल, सीपी, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी (घ) एमआई (ङ) एमडी उपर्युक्त (क) से (घ) तक सम्मिलित श्रेणियों के लिए उपयुक्त पहचान की गई है.

शैक्षणिक अर्हता	**अनिवार्य**	**i.** मान्यताप्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से कम से कम 45% अंकों के साथ वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल (बारहवीं श्रेणी) प्रमाण-पत्र अथवा इंटरमीडिएट अथवा इसके समकक्ष. **ii.** मान्यताप्राप्त संस्थान से कम से कम दो वर्ष की अवधि का नर्सरी शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र अथवा बी.एड (नर्सरी). **iii.** माध्यमिक स्तर पर हिंदी अवश्य उत्तीर्ण की होनी चाहिए. **टिप्पण :-** **iv. जिन अभ्यर्थियों के पास संबंधित पद के भर्ती नियमों में वर्णित आवश्यक योग्यता नहीं है, उन्हें आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है.** **v. सेवाएं का. ज्ञा. सं. एफ.19(11)/2015/एस-IV/1751-1756 दिनांक 11.06.2019 के अनुसरण में, शिक्षा निदेशालय के संविदा/अतिथि शिक्षकों के मामले में ऊपरी आयु में एक बार की आयु छूट लागू है, जिन्होंने छूट का लाभ नहीं लिया है.**
	वांछनीय	शून्य*
अनुभव	**अनिवार्य**	शून्य
	वांछनीय	शून्य
वेतनमान		रु.35,400-1,12,400 (वेतन स्तर-6), समूह 'ख', अराजपत्रित, गैर अनुसचिवीय
आयु सीमा		30 वर्ष से अधिक नहीं (केंद्रीय सरकार द्वारा जारी अनुदेशों अथवा आदेशों के अनुरूप सरकारी कर्मचारियों के लिए 5 वर्ष तक शिथिलनीय). आयु में छूट पैरा 7 पर सारणी के अनुसार प्रदान की जायेगी. **समान विभाग के संविदात्मक कर्मचारी:-** सेवाएं विभाग, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार द्वारा जारी का.ज्ञा. सं. एफ.19(11)/2015/एस-IV/1751-1756 दिनांक 11/06/2019 **(अनुलग्नक-I)** के अनुसार एक-बार के उपाय के तौर पर ऊपरी आयु सीमा में समान विभाग के संविदात्मक कर्मचारी के तौर पर व्यतीत किये गये वास्तविक समय तक की छूट, अधिकतम 5 वर्षों के विषयाधीन, प्रदान की जायेगी, बशर्ते कि उन्होंने उस वर्ष विशेष में कम से कम 120 कार्य दिवसों में कार्य किया हो.

3.

विभाग का नाम : नई दिल्ली नगरपालिका परिषद

पद का नाम : सहायक शिक्षक (नर्सरी)

आर.सं. डी-267/एस.ओ.(शिक्षा-स्था.)/2023 दिनांक :- 15/06/2023

रिक्तियों की संख्या

अना	अपिव	अजा	अजजा	ईडब्ल्यूएस	कुल	पीडब्ल्यूबीडी* (सहित) श्रेणी (क)	श्रेणी (ख)	श्रेणी (ग)	श्रेणी (घ) एवं (ङ)
21	26	10	07	10	74	01	01	01	01

	इस पद की उपयोगकर्ता विभाग के पत्र सं. डी-629 दिनांक 20/10/2023 के अनुसार पीडब्ल्यूबीडी (क) बी, एलवी (ख) एचएच (ग) ओए, ओएल, बीएल, ओएएल, सीपी, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी (घ) एसएलडी, एमआई (ङ) एमडी उपर्युक्त (क) से (घ) तक सम्मिलित श्रेणियों के लिए उपयुक्त पहचान की गई है.	
शैक्षणिक अर्हता	अनिवार्य	i. मान्यताप्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से कम से कम 45% अंकों के साथ वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल (बारहवीं श्रेणी) प्रमाण-पत्र अथवा इंटरमीडिएट अथवा इसके समकक्ष. ii. मान्यताप्राप्त संस्थान से कम से कम दो वर्ष की अवधि का नर्सरी शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र अथवा बी.एड (नर्सरी). iii. माध्यमिक स्तर पर हिंदी अवश्य उत्तीर्ण की होनी चाहिए.
	वांछनीय	शून्य
अनुभव	अनिवार्य	शून्य
	वांछनीय	शून्य
वेतनमान		रु.35,400-1,12,400 (वेतन स्तर-6), समूह 'ख', अराजपत्रित, गैर अनुसचिवीय
आयु सीमा		30 वर्ष से अधिक नहीं (केंद्रीय सरकार द्वारा जारी अनुदेशों अथवा आदेशों के अनुरूप सरकारी कर्मचारियों के लिए 5 वर्ष तक शिथिलनीय). आयु में छूट पैरा 7 पर सारणी के अनुसार प्रदान की जायेगी. **समान विभाग के संविदात्मक कर्मचारी:-** सेवाएं विभाग, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार द्वारा जारी का.ज्ञा. सं. एफ.19(11)/2015/एस-IV/1751-1756 दिनांक 11/06/2019 **(अनुलग्नक-I)** के अनुसार एक-बार के उपाय के तौर पर ऊपरी आयु सीमा में समान विभाग के संविदात्मक कर्मचारी के तौर पर व्यतीत किये गये वास्तविक समय तक की छूट, अधिकतम 5 वर्षों के विषयाधीन, प्रदान की जायेगी, बशर्ते कि उन्होंने उस वर्ष विशेष में कम से कम 120 कार्य दिवसों में कार्य किया हो.

*बेंचमार्क निःशक्तता ग्रस्त व्यक्तियों (पीडब्ल्यूबीडी) के लिए **श्रेणियों के विवरण निम्नानुसार हैं:-**
श्रेणी (क):-दृष्टि बाधिता (बी) और अल्प दृष्टि (एलवी)
श्रेणी (ख):- बहरा (डी) और सुनने में कठिनाई (एचएच)
श्रेणी (ग):- गतिविषयक निःशक्तता - प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात (सीपी) सहित, निवारित कुष्ठ (एलसी), बौनापन (डीडब्ल्यू), एसिड हमला पीड़ित (एएवी) और मस्कुलर डिस्ट्राफी (एमडीवाई)
श्रेणी (घ):- ऑटिज्म, बौद्धिक निःशक्तता (आईडी), विनिर्दिष्ट शिक्षण निःशक्तता (एसएलडी) और मानसिक बीमारी (एमआई)
श्रेणी (ङ):- खंड (क) से (घ) तक, बहरे-दृष्टि बाधित सहित,व्यक्तियों से बहु निःशक्तताएं (एमडी)
निःशक्तता श्रेणी के संक्षिप्ताक्षर: बी=दृष्टि बाधित, एलवी=अल्प दृष्टि, डी=बहरा, एचएच= सुनने में कठिनाई, ओए =एक बाजू, ओएल= एक टांग, बीए= दोनों बाजू, बीएल= दोनों टांग, ओएएल= एक बाजू और एक टांग, बीएलओए= दोनों टांग और एक बाजू, बीएलए= दोनों टांगें बाजू, सीपी= प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात, एलसी= निवारित कुष्ठ, डीडब्ल्यू= बौनापन, एएवी= एसिड हमला पीडित, एमडीवाई= मस्कुलर डिस्ट्राफी, एएसडी= ऑटिज्म स्पैक्ट्रम डिसआर्डर (एम= हल्का, एमओडी= मध्यम), आईडी= बौद्धिक निःशक्तता, एसएलडी= विनिर्दिष्ट शिक्षण नि:शक्तता, एमआई= मानसिक बीमारी, एमडी=बहु निःशक्तताएं

1. **पात्रता मानदंड:**

(i) उम्मीदवार भारत का नागरिक अवश्य होना चाहिए.

(ii) उम्मीदवार उस पद के लिए उपयोगकर्ता विभाग द्वारा अधिसूचित भर्ती नियमों के अनुरूप आयु, शैक्षणिक अर्हताएं, अनुभव आदि की शर्तों के अनुरूप पात्र होना चाहिए, जिसके लिए वह आवेदन करने का इच्छुक है.

(iii) शैक्षणिक अर्हता, आयु, अनुभव आदि, जैसा कि विज्ञापन में निर्धारण किया गया है, की गणना **07/02/2024** को की गई जाएगी.

2. **आवेदन कैसे करें :**

1. ऑनलाइन आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने से पहले, उम्मीदवार को यह अवश्य सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि वह डीएसएसएसबी के पोर्टल अर्थात **https://dsssbonline.nic.in** पर पंजीकृत है. पंजीकरण हेतु अनुदेश बोर्ड की वेबसाइट **(अनुलग्नक-II)** पर उपलब्ध हैं. डीएसएसएसबी के साथ पंजीकरण एक बार की प्रक्रिया है. पंजीकरण के बाद सृजित यूजर आईडी और पासवर्ड का अभ्यर्थी को लॉग-इन के लिए प्रयोग करना चाहिए, जब कभी भी वह डीएसएसएसबी द्वारा अधिसूचित पदों की परीक्षाओं के लिए आवेदन कर रहा है. डीएसएसएसबी द्वारा आयोजित प्रत्येक परीक्षा के लिए अलग से पंजीकरण करना अपेक्षित नहीं है. यदि कोई आवेदक अनेक पंजीकरण प्रस्तुत करता है और एक से अधिक बार परीक्षा में उपस्थित होता है (किसी भी चरण में), उसकी उम्मीदवारी निरस्त कर दी जाएगी और बोर्ड की परीक्षाओं से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा.
2. **पात्र उम्मीदवार वेबसाइट https://dsssbonline.nic.in के जरिए 09/01/2024 से 07/02/2024 (अपराह्न 11.59 बजे तक) ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जिसके बाद लिंक हटा दिया जाएगा.**
3. उम्मीदवारों को संबंधित पद के लिए ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरते समय ऑनलाइन आवेदन करने हेतु अनुदेशों को अच्छी तरह पढ़ लेना चाहिए.
4. उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र केवल ऑनलाइन पद्धति से प्रस्तुत करने चाहिए. आवेदन की कोई अन्य पद्धति स्वीकार्य नहीं होगी. किसी अन्य पद्धति अर्थात डाक/हाथों-हाथ/मेल आदि से प्राप्त आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे और सरसरी तौर पर ही नामंजूर कर दिए जाएंगे. इस संबंध में किसी पत्राचार पर विचार नहीं किया जाएगा.
5. **ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुति खुलने की तिथि 09/01/2024 है. ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुति बंद होने की तिथि 07/02/2024 (11.59 अपराह्न) है.**
6. अंतिम समय की भागदौड़ से बचने के लिए, उम्मीदवारों को उनके अपने हित में सलाह दी जाती है कि वे बंद होने की तिथि से पर्याप्त पहले ऑनलाइन आवेदन-पत्र प्रस्तुत करें और अंतिम तिथि तक इंतजार न करें. डीएसएसएसबी उसके नियंत्रण से बाहर के कारणों के लिए उम्मीदवारों के अपने आवेदन प्रस्तुत करने में सक्षम न होने के लिए जिम्मेदार नहीं होगा.
7. ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने से पहले, उम्मीदवारों को यह अवश्य जांच कर लेनी चाहिए और सुनिश्चित कर लें कि उन्होंने ऑनलाइन आवेदन प्रपत्र के प्रत्येक स्थान में सही विवरण भरे हैं. **ऑनलाइन आवेदन एक बार प्रस्तुत कर दिए जाने पर किसी भी स्थिति में परिवर्तन/सुधार/संशोधन के लिए (श्रेणी के बदलने सहित) किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा अथवा अनुमति नहीं दी जाएगी.** इस संबंध में किसी भी स्वरूप में जैसे कि डाक, फैक्स, ई-मेल, हाथों-हाथ आदि प्राप्त अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा और इस संबंध में कोई पत्राचार नहीं किया जाएगा. आवेदन प्रपत्र में विवरण और उनके द्वारा फीस के भुगतान करने में कोई त्रुटि के लिए अभ्यर्थी जिम्मेदार होंगे.

3. **आवेदन शुल्क और भुगतान की पद्धति:**
रु. 100/- (केवल एक सौ)

(a) महिला अभ्यर्थियों और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पीडब्ल्यूडी (दिव्यांगजन) और भूतपूर्व सैनिक श्रेणी से संबंधित अभ्यर्थी को आवेदन शुल्क के भुगतान से छूट है.

(b) भूतपूर्व सैनिक, जो कि पहले ही उन्हें भूतपूर्व सैनिक को उनके पुनः रोज़गार के लिए दिए गए लाभ लेने के बाद, केंद्रीय सरकार/रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार अथवा इसकी स्वायत्त/स्थानीय संस्थाओं के अधीन सिविल पद में नियमित आधार पर रोज़गार प्राप्त कर चुके हैं, वे फीस में छूट के लिए पात्र नहीं हैं.

(c) अपना आवेदन ऑनलाइन प्रस्तुत करने वाले उम्मीदवारों को केवल एसबीआई ई-पे के जरिए अपेक्षित फीस का भुगतान करना चाहिए. भुगतान के अन्य तरीके पर विचार नहीं किया जाएगा और ऐसे उम्मीदवारों के आवेदनों को सीधे नामंजूर कर दिया जाएगा तथा किए गए भुगतान को जब्त कर लिया जाएगा.

(d) आवेदन शुल्क का एक बार भुगतान कर दिए जाने पर किसी भी स्थिति में इसे लौटाया नहीं जाएगा.

4. **परीक्षा योजना:**
डीएसएसएसबी **सहायक शिक्षक (नर्सरी)-(महिला)/सहायक शिक्षक (नर्सरी)** के पद के लिए एक टियर परीक्षा अर्थात टियर-1 का आयोजन करेगा. टियर-I (I टियर-शिक्षण/तकनीकी पद) के लिए परीक्षा योजना नीचे दी गई है:-

टियर-I (I टियर - शिक्षण/तकनीकी पद)

परीक्षा कोड	टियर/परीक्षा अवधि	कुल प्रश्न (एमसीक्यू)	कुल अंक (एमसीक्यू)	कुल अंक (विवरण)	कुल योग	पाठ्यक्रम
IT-टी एक टियर (शिक्षण/ तकनीकी) पद कोड 817/23	2 घंटे	200	200	ला. न.	200	**खंड-क:-** **वर्तमान परीक्षा योजना के अनुरूप प्रत्येक एक अंक के एमसीक्यूज 1.** सामान्य जागरूकता, **2.** सामान्य बुद्धिमत्ता और रीजनिंग योग्यता, **3.** अंकगणितीय और संख्यात्मक योग्यता, **4.** हिंदी भाषा और कॉम्प्रिहेन्शन की परीक्षा, **5.** अंग्रेजी भाषा और कॉम्प्रिहेन्शन की परीक्षा **कुल : 100 अंक (20 अंक प्रत्येक)** **खंड-ख:-** संबंधित विषय (शिक्षण पद्धति/बीएलएड/डीएड/एनटीटी/जेबीटी आदि) से प्रत्येक एक अंक के एमसीक्यूज. **(100 अंक)**

(i) भाषा पेपर्स को छोड़कर, जो कि केवल संबंधित भाषा में होगा, परीक्षा में प्रश्न द्विभाषी (हिंदी और अंग्रेजी) में होंगे.

(ii) डीएसएसएसबी के पास परीक्षा से पहले किसी भी समय परीक्षा योजना में कोई भी परिवर्तन/संशोधन, यदि ऐसा अपेक्षित हुआ, करने का अधिकार सुरक्षित है.

(iii) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ) के लिए न्यूनतम अर्हता अंक नीचे पैरा 6 के उप पैरा IV में दिये गये हैं.

(iv) **शिक्षण/तकनीकी पद कोड 817/23 के आवेदकों के लिए टियर-1 परीक्षाओं में अनिवार्य न्यूनतम अर्हक अंक केवल खण्ड-ख के संबंध में लागू होंगे, जो कि डोमेन विषय विनिर्दिष्ट है. खण्ड-क में कोई न्यूनतम अर्हक अंक नहीं होंगे. यद्यपि, अंतिम मैरिट सूची तैयार करने के लिए खण्ड-क और खण्ड-ख दोनों के संयुक्त कुल अंकों की गणना की जायेगी.**

(v) टियर-क परीक्षा का मूल्यांकन खंड क और ख के संचयी अंकों के आधार पर संचालित किया जायेगा.

(vi) डीएसएसबी द्वारा आयोजित परीक्षाओं के संबंध में उत्तरपर्णी/उत्तर स्क्रिप्टस के पुनः मूल्यांकन/पुनः जांच करने का कोई प्रावधान नहीं है. इस संबंध में किसी भी पत्राचार पर विचार नहीं किया जायेगा.

(vii) डीएसएसएसबी के पास प्रश्न पत्र से कोई भी प्रश्न/प्रश्नों को निरस्त/वापस/हटाने का अधिकार सुरक्षित है और अर्जित अंकों को समानुपातिक आधार पर अधिक अंकों से निकाल दिया जायेगा.

(viii) नकारात्मक अंक लागू होंगे और प्रत्येक गलत बहु विकल्प प्रश्न (एमसीक्यू) के लिए 0.25 अंकों की कटौती की जायेगी.

(ix) पद की अपेक्षा के अनुसार कौशल परीक्षा/सहनशीलता परीक्षा संचालित की जायेगी.

5. **पद वरीयताएं:**
परीक्षाएं रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार/स्वायत्त संस्थाओं दिल्ली नगर निगम, शिक्षा निदेशालय और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के सहायक शिक्षक (नर्सरी)-महिला/सहायक शिक्षक (नर्सरी) के पद के लिए आयोजित की जायेंगी. ई-डोजियर के ऑनलाइन आमंत्रण के समय रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों के संबंध में पद हेतु अभ्यर्थियों से विस्तृत प्राथमिकता प्राप्त की जायेगी. यदि उम्मीदवार अपनी वरीयता नहीं देता है तो, यदि उसका चयन हो जाता है, बोर्ड द्वारा अपने विवेक पर विभाग का आवंटन किया जायेगा, जिसके लिए भर्ती नियमों के अनुसार उम्मीदवार पात्र पाया जाता है और ऐसा निर्णय अंतिम माना जायेगा. वरीयताएं ई-डोजिअर के ऑनलाइन आमंत्रण के समय एक बार पुष्टि हो जाने पर उसे अंतिम माना जायेगा और बाद में किसी भी परिस्थिति में इसमें परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जायेगी. **अतः उम्मीदवार वरीयता का ध्यानपूर्वक उल्लेख करें.**

6. **चयन की पद्धति:**

i. अभ्यर्थियों द्वारा कम्प्यूटर आधारित परीक्षा में अर्जित अंकों को डीएसएसएसबी द्वारा नोटिस सं. 10(271)/सेक-सैल/डीएसएसएसबी/18/989 दिनांक 11.07.2018 **(अनुलग्नक-III)** के तहत प्रकाशित फॉर्मूले का प्रयोग करते हुए सामान्यीकृत किए जाएंगे और ऐसे सामान्यीकृत स्कोर्स अंतिम मैरिट और चयन के लिये प्रयोग किये जायेंगे.

ii. यदि परीक्षा में शामिल कोई प्रश्न अवैध पाया जाता है, ऐसे प्रश्नों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा और उम्मीदवार द्वारा अर्जित अंकों की गणना समानुपातिक आधार पर (अधिकतम अंकों में से) की जाएगी.

iii. कम्प्यूटर आधारित परीक्षा की मसौदा उत्तर कुंजियां परीक्षा के उपरांत डीएसएसएसबी की वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएंगी. अभ्यर्थी मसौदा उत्तर कुंजियों को देख सकते हैं और आपत्तियां, यदि कोई हैं, बोर्ड द्वारा दी गई निर्धारित समय सीमा के भीतर ऑनलाइन प्रस्तुत की जा सकती हैं. मसौदा उत्तर कुंजी के संबंध में ऑनलाइन पद्धति में बोर्ड द्वारा दी गई समय सीमा के भीतर प्राप्त आपत्तियों पर उत्तर कुंजियों को अंतिम रूप दिये जाने से पहले विचार और जांच की जायेगी. यद्यपि इस संबंध में बोर्ड का निर्णय अंतिम होगा. किसी अन्य पद्धति जैसे कि पत्र, आवेदन, ई-मेल आदि के जरिए प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा.

iv. बोर्ड ने गुणात्मक चयन हासिल करने के वास्ते और उपलब्ध उत्कृष्ट प्रतिभा की भर्ती के लिए विभिन्न श्रेणियों (अना/अजा/अजजा/अपिव/ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूबीडी/भूपूसै) के लिए निम्नलिखित न्यूनतम अर्हक अंक (जहां कहीं लागू हैं) निर्धारित किए हैं:-

सामान्य/ईडब्ल्यूएस	: 40%
अपिव (दिल्ली)	: 35%

अजा/अजजा/शावि (पीडब्ल्यूडी) : 30%
भूतपूर्व सैनिक को, यदि भूतपूर्व सैनिक के लिए पद आरक्षित है, न्यूनतम 30 प्रतिशत के विषयाधीन उनकी संबंधित श्रेणियों में 5 प्रतिशत की छूट दी जाएगी.

v. डीएसएसएसबी के पास उम्मीदवारों की उपलब्धता के अनुरूप किसी भी पद के लिए न्यूनतम कट ऑफ अंक निर्धारित करने का अधिकार सुरक्षित है.

टिप्पणी:- विभिन्न श्रेणियों में चयन के लिए कट ऑफ अंक अधिक हो सकते हैं, जो कि उम्मीदवारों द्वारा प्राप्तांकों और संबंधित श्रेणियों में रिक्तियों की संख्या पर निर्भर करता है.

vi. यदि टियर-1 परीक्षा में समान श्रेणी में दो या अधिक अभ्यर्थी एक समान अंक अर्जित कर लेते हैं:

(a) विषय विनिर्दिष्ट खंड अर्थात खंड-ख में अधिक अंक अर्जित करने वाले उम्मीदवार को मैरिट में उच्चतर स्थान में रखा जाएगा.

(b) ऐसे मामले में जब उपर्युक्त (क) पर वर्णित अंक भी एक समान होते हैं, आयु में वरिष्ठ उम्मीदवारों को मैरिट में उच्चतर स्थान में रखा जाएगा.

(c) ऐसे मामले में, जब जन्म की तिथियां भी एक समान हैं, वर्ण क्रम (अंग्रेजी में) जिस उम्मीदवार का पहला नाम पहले आता है, उसे मैरिट में उच्चतर स्थान पर रखा जाएगा.

vii. अर्हक उम्मीदवारों का अंतिम चयन और विभागों का आवंटन टियर-1 परीक्षा में उनके कार्य-निष्पादन, ई-डोजिअर ऑनलाइन आमंत्रण के समय उम्मीदवारों द्वारा दी गई पदों/विभागों की प्राथमिकता, और भर्ती नियमों (आरआर) के अनुसार पद के लिए उनकी पात्रता के आधार पर किया जायेगा.

viii. उम्मीदवार को मैरिट के अनुसार एक बार पहली उपलब्ध प्राथमिकता के आवंटन हो जाने पर बाद की प्राथमिकताओं के लिए विचार नहीं किया जायेगा. उम्मीदवारों द्वारा पदों/विभागों के परिवर्तन के लिए बाद में अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जायेगा. **अतः उम्मीदवारों को ध्यानपूर्वक पदों/विभागों की प्राथमिकता दर्ज करने की सलाह दी जाती है.** विकल्प/वरीयतता एक बार प्रदान कर दिये जाने और उम्मीदवारों द्वारा पुष्टि कर दिये जाने को अंतिम और अपरिवर्तनीय माना जायेगा.

ix. विभागों का अंतिम आवंटन उम्मीदवारों की मैरिट-सह- विभागों की प्राथमिकताओं के आधार पर किया जायेगा. **एक बार विभाग का आवंटन हो जाने पर विभाग में परिवर्तन पर बोर्ड द्वारा विचार नहीं किया जायेगा अथवा अनुमति नहीं दी जायेगी.**

x. अभ्यर्थियों के अल्पसूचीकरण होने तक उपयोगकर्ता विभाग द्वारा दर्ज कराई की रिक्तियों पर भर्ती किए जाने हेतु विचार किया जायेगा.

xi. अजा, अजजा, अपिव, ईडब्ल्यूएस, भूपूसै और पीडब्ल्यूडी अभ्यर्थी, जो कि बगैर रियायती मानदंडों के अपनी स्वयं की मैरिट पर चयनित होते हैं, आरक्षित रिक्तियों के तहत समायोजित नहीं किए जायेंगे. ऐसे अभ्यर्थियों को ओवरऑल मैरिट में उनके स्थान के अनुसार पद हेतु सामान्य/अनारक्षित रिक्तियों के तहत समायोजित किया जायेगा. आरक्षित रिक्तियों को अलग से पात्र अजा, अजजा, अपिव, ईडब्ल्यूएस, भूतपूर्व सैनिक और पीडब्ल्यूबीडी अभ्यर्थियों से भरा जायेगा और इन अजा, अजजा, अपिव, ईडब्ल्यूएस, भूपूसै तथा पीडब्ल्यूबीडी अभ्यर्थियों के विभागों की प्राथमिकता केवल ऐसी श्रेणियों के लिए आरक्षित पदों के तहत आवंटित की जायेंगी.

xii. निःशक्तता ग्रस्त व्यक्ति, जिसे उसकी अपनी मैरिट पर चयनित किया जाता है, उसे अनारक्षित रिक्ति के तहत नियुक्त किया जा सकता है. बशर्ते कि पद की संगत श्रेणी के निःशक्त व्यक्तियों के लिए उपयुक्त पहचान की गई है.

xiii. परीक्षा में अनंतिम चयन से तब तक नियुक्ति का कोई अधिकार नहीं हो जाता है, जब तक कि नियुक्ति प्राधिकारी ऐसी जांच करने के उपरांत, जो भी उसके विचार में आवश्यक हो, संतुष्ट नहीं हो जाता है कि अभ्यर्थी सेवा/पद में नियुक्ति के लिए हर तरह से सुयोग्य है.

xiv. उक्त रिक्तियों के लिए आवेदन कर रहे आवेदक को सुनिश्चित करना चाहिए कि उस विभाग के संबंध में इस संयुक्त परीक्षा के लिए सभी पात्रता शर्तें पूरी करता है, जिसके लिए वह चयनित होने का इच्छुक है.

xv. परीक्षा के सभी चरणों में प्रवेश पूर्णतः अनंतिम, उसके संबंधित विभाग के लिए निर्धारित पात्रता शर्तें पूरी करने के विषयाधीन है. यदि सत्यापन करने पर परीक्षा से पहले या बाद में किसी समय यह पाया जाता है कि अभ्यर्थी कोई पात्रता शर्तें पूरी नहीं करता है, परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी सरसरी तौर पर ही निरस्त कर दी जायेगी.

7. आरक्षण का लाभ:

(i) अजा/अजजा/अपिव/ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूबीडी/भूतपूर्व सैनिक और अन्य विशेष श्रेणी उम्मीदवारों को आरक्षण का लाभ समय-समय पर रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार/कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार से जारी लागू अनुदेशों/आदेशों/परिपत्रों के अनुरूप उपलब्ध होगा. अजा/अजजा/अपिव/ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूबीडी/भूतपूर्व सैनिक और अन्य विशेष श्रेणी उम्मीदवारों को आरक्षण का लाभ समय-समय पर रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार/कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार से जारी लागू अनुदेशों/आदेशों/परिपत्रों के अनुरूप उपलब्ध होगा. **अभ्यर्थी को पद के लिए ऑनलाइन आवेदन करते समय श्रेणी विशेष का चयन करना होगा. बाद के किसी चरण में श्रेणी बदलने के लिए किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा.**

(ii) **बोर्ड विभिन्न पदों के लिए संबंधित उपयोगकर्ता विभागों द्वारा दर्ज की गई रिक्तियों के अनुसरण में उम्मीदवारों का चयन करता है. किसी भी उपयोगकर्ता विभाग की रिक्तियों की संख्या के बारे में निर्णय करने में बोर्ड की कोई भूमिका नहीं होती है. आरक्षण नीति का कार्यान्वयन, आरक्षण रोस्टर का रखरखाव और विभिन्न श्रेणियों के लिए रिक्तियों को चिन्हित करने का कार्य उपयोगकर्ता विभागों के विषयक्षेत्र में आता है.**

(iii) कोई भी लाभ के विस्तार के लिए अभ्यर्थियों की पात्रता का पता लगाने के लिए कट ऑफ तिथि आवेदन प्राप्ति की बंद होने की तिथि अर्थात **07/02/2024** होगी. यद्यपि, उपयोगकर्ता विभाग द्वारा अंतिम नियुक्ति हेतु समय-समय पर कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी दिशानिर्देशों को विचार में लिया जा सकता है.

(iv) अपिव श्रेणी के अधीन केवल रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार द्वारा पत्र/आदेश सं. एफ. 19(10)/2001/एस-III/पार्ट फाइल /2278-2285 दिनांक 27/07/2007 **(अनुलग्नक-IV)** और नं. एफ.19(01)/2012/एस.IV/1241-1258 दिनांक 28/07/2016 **(अनुलग्नक-V)** के तहत अधिसूचित अपिव (दिल्ली) उम्मीदवारों को ही अपिव श्रेणी के अधीन आरक्षण/आयु में छूट का लाभ प्रदान किया जाएगा. इसे आगे सेवा विभाग, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार ने अपने कार्यालय ज्ञापन सं. एफ 19(02)/2011/एस.IV/वॉल्यू.I/856 दिनांक 31/05/2021 **(अनुलग्नक-VI)** के तहत स्पष्ट किया है. **अपिव (बाहरी) उम्मीदवारों को अनारक्षित उम्मीदवार के तौर पर माना जाएगा और उन्हें अना श्रेणी के तहत ही आवेदन करना चाहिए.** अपिव अभ्यर्थियों के पास अपने जाति प्रमाणपत्र के साथ गैर संपन्न वर्ग प्रमाण-पत्र अवश्य होना चाहिए.

(v) **अपिव को आरक्षण का लाभ प्रदान करने के लिये केवल निम्नलिखित दो प्रकार के प्रमाण-पत्रों को वैध प्रमाण-पत्र के तौर पर स्वीकार किया जायेगा:-**

(क) **रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार से व्यक्तिशः परिवार के किसी सदस्य को जारी पुराने प्रमाण-पत्र के आधार पर रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग से जारी अपिव प्रमाणपत्र (दिल्ली).**

(ख) **रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार द्वारा अपिव के तौर पर विधिवत अधिसूचित किसी समुदाय से संबंधित किसी व्यक्ति को दिल्ली से बाहर किसी सक्षम प्राधिकारी से जारी अपिव प्रमाणपत्र. यह प्रमाणपत्र अनिवार्यतः संबंधित व्यक्ति के परिवार के सदस्य को रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार से जारी अपिव प्रमाणपत्र के आधार पर जारी किया गया होना चाहिये, जो कि दिल्ली में 08.09.1993 से पहले निवास कर रहा था.**

(vi) अजा/अजजा/अपिव से संबंधित उम्मीदवार, जिसे सामान्य श्रेणी उम्मीदवारों के लिये यथा लागू समान मानदंड पर चयनित कर लिया जाता है और जो सामान्य मैरिट सूची में आ जाता है, उसे स्वयं की मैरिट का उम्मीदवार समझा जाता है. ऐसे उम्मीदवार को आरक्षण रोस्टर के अनारक्षित बिंदु के तहत समायोजित किया जाता है. केवल ऐसे अजा/अजजा/अपिव उम्मीदवारों को, जिनका चयन सामान्य उम्मीदवारों के लिये लागू समान मानदंड पर हो जाता है, उन्हें आरक्षित रिक्तियों के तहत समायोजित नहीं किया जायेगा. अन्य शब्दों में, जब किसी अजा/अजजा/अपिव उम्मीदवार के नामांकन/चयन में शिथिल मानदंड अपनाया जाता है, उदाहरण के लिये आयु सीमा, अनुभव, अर्हता, लिखित परीक्षा में अनुमतेय अवसरों की संख्या, सामान्य श्रेणी उम्मीदवारों के लिये उपलब्धता अधिक विचारणीय विस्तारित जोन आदि, अजा/अजजा/अपिव उम्मीदवारों की गणना आरक्षित रिक्तियों के तहत की जाती है, ऐसे उम्मीदवारों को अनारक्षित रिक्तियों के तहत विचार के लिये अनुपलब्ध माना जायेगा.

8. आयु में छूट:

विभिन्न श्रेणियों के लिए ऊपरी आयु सीमा में अनुमतेय छूट निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	श्रेणियां	आयु में छूट की सीमा
1.	अजा/अजजा	05 वर्ष
2.	अपिव	03 वर्ष
3.	पीडब्ल्यूबीडी + अना/ईडब्ल्यूएस	10 वर्ष
4.	पीडब्ल्यूबीडी + अजा/अजजा	15 वर्ष
5.	पीडब्ल्यूबीडी + अपिव	13 वर्ष
6.	कम से कम तीन वर्ष की नियमित सेवा के साथ विभागीय उम्मीदवार अर्थात नियमित सरकारी कर्मचारी (ये अनुदेश केवल केंद्रीय सरकार के सिविलियन कर्मचारियों और रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के सभी विभागों/स्वायत्त/स्थानीय निकायों के कर्मचारियों के लिए लागू हैं).	**समूह 'ख' पदों** के लिये 05 वर्ष तक (जो कि समान पंक्ति अथवा संबद्ध संवर्ग में हैं और जहां इस संबंध को कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के नियमों के अनुरूप यह स्थापित किया जा सके कि पद विशेष में पहले की गई सेवा पद की ड्यूटियों के दक्षतापूर्ण निर्वहन के लिये उपयोगी होगी).
7.	भूतपूर्व सैनिक समूह ख (अराजपत्रित)	सैन्य सेवा की अवधि जमा 3 वर्ष (अधिकतम 55 वर्ष की आयु तक).

(टिप्पणी:- उपर्युक्त आयु में छूट कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के दिशानिर्देशों के अनुरूप विनियमित की जाएंगी.)

(i) रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार दिल्ली नगर निगम, शिक्षा निदेशालय और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद और स्वायत्त संस्थाओं के पदों के लिए भर्ती नियमों में उन पद विशेष के लिए उपलब्ध आयु में कोई विनिर्दिष्ट छूट लागू होगी.

(ii) दिल्ली नगर निगम, शिक्षा निदेशालय और दिल्ली सरकार एनडीएमसी/स्वायत्त संस्थाओं के पदों के लिए भर्ती नियमों में, जहां कहीं यह उल्लेख कि आयु में छूट भारत सरकार के अनुदेशों के अनुरूप प्रदान की जायेगी, यहां ऊपर दी गई आयु में छूट लागू होगी.

(iii) एक भूतपूर्व सैनिक, जिसने पहले ही केंद्र सरकार/दिल्ली सरकार अथवा इसके स्वायत्त/स्थानीय निकायों में समूह ग के तहत रोजगार प्राप्त कर लिया है, उच्च ग्रेड या कैडर में एक और रोजगार हासिल करने के लिए पूर्व सैनिकों के लिए निर्धारित आयु में छूट का लाभ उठाने की अनुमति दी जाएगी. हालांकि, ऐसे उम्मीदवार आरक्षण के लाभ के लिए पात्र नहीं होंगे.

(iv) शारीरिक दिव्यांगों/निःशक्त व्यक्तियों के मामले में, आयु सीमा में छूट इस तथ्य के बावजूद लागू होगी कि भले ही पद आरक्षित है या नहीं, बशर्ते कि पद की निःशक्त व्यक्तियों के लिये उपयुक्त तौर पर पहचान की गई है.

(v) यदि निःशक्त व्यक्ति विभागीय कर्मचारी होने के नाते आयु में छूट का हकदार है, उसे दी जाने वाली रियायत या तो निःशक्त व्यक्ति के तौर पर अथवा 'विभागीय कर्मचारी' के तौर पर, जो कि उसके लिये फायदेमंद हो, देय होगी.

9. अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण अनुदेश:

क.	बोर्ड परीक्षाओं के समय पात्रता और अन्य पहलुओं के लिए आवेदन-पत्रों की कोई जांच नहीं करता है और, इस तरह, उम्मीदवारी केवल अनंतिम आधार पर स्वीकार की जाएगी. ऊपर वर्णित पद कोडों के तहत आवेदन करने मात्र से उम्मीदवार पात्र नहीं हो जाता है. उम्मीदवारों को अनिवार्य शैक्षणिक अर्हता, आयु, अनुभव आदि की अपेक्षाओं को अवश्य पढ़ लेना चाहिए और इस बात से स्वयं को संतुष्ट कर लेना चाहिए कि वे पद के लिए पात्र हैं. समर्थित दस्तावेजों की प्रतियां केवल ई-डोजिअर के ऑनलाइन बुलावे के समय मांगी जाएंगी.
ख.	पद के लिए शैक्षणिक अर्हता, आयु, अनुभव और अन्य पात्रता शर्तों का निर्धारण कट ऑफ तिथि को किया जाएगा.
ग.	अभ्यर्थियों को कोई लाभ, जो भी लागू है, के विस्तार के लिए पात्रता का पता लगाने के लिए कट ऑफ तिथि आवेदन प्राप्ति की बंद होने की तिथि अर्थात **07/02/2024** होगी. यद्यपि उपयोगकर्ता विभाग द्वारा अंतिम नियुक्ति के लिए समय-समय पर कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी नवीनतम दिशानिर्देशों को विचार में लिया जा सकता है.
घ.	केवल बेंचमार्क शारीरिक निःशक्तता वाले उम्मीदवारों पर निःशक्त व्यक्तियों (पीडब्ल्यूबीडी) के तौर पर विचार किया जाएगा और केवल ऐसे उम्मीदवार आयु में छूट/निःशक्त व्यक्तियों के लिए आरक्षण के हकदार होंगे.
ङ	यदि कोई उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र सफलतापूर्वक प्रस्तुत करता है, इसे केवल ''अनंतिम'' आधार पर स्वीकार किया जाएगा. उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन पत्र का अपने स्वयं के रिकॉर्ड के लिए प्रिंटआउट ले लेना चाहिए.
च.	उम्मीदवारों के लिए केवल एक ऑनलाइन पंजीकरण प्रस्तुत करने की अनुमति है. अतः उम्मीदवारों को अपने ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म भरते समय पूरी सावधानी बरतनी चाहिए. यदि उम्मीदवार का एक से अधिक पंजीकरण का पता चलता है, ऐसे सभी पंजीकरण नामंजूर कर दिए जाएंगे और परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी निरस्त कर दी जाएगी. यदि कोई उम्मीदवार अनेक पंजीकरण प्रस्तुत करता है और एक से अधिक परीक्षा में (किसी भी चरण में) उपस्थित होता है तो उसकी उम्मीदवारी निरस्त कर दी जाएगी और उसे बोर्ड की परीक्षाओं से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा.
छ.	परीक्षा के लिए उम्मीदवार को केवल एक ऑनलाइन आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अनुमति है. अतः उम्मीदवारों को अपने ऑनलाइन आवेदन पत्र को भरते समय पूरी सावधानी बरतनी चाहिए. यदि उम्मीदवार का एक से अधिक आवेदन पत्र का पता चलता है, ऐसे सभी आवेदन पत्र नामंजूर कर दिए जाएंगे और परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी निरस्त कर दी जाएगी. यदि कोई उम्मीदवार अनेक पंजीकरण प्रस्तुत करता है और एक से अधिक परीक्षा में (किसी भी चरण में) उपस्थित होता है तो उसकी उम्मीदवारी निरस्त कर दी जाएगी और उसे बोर्ड की परीक्षाओं से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा.
ज.	उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे हाल का और स्पष्ट फोटोग्राफ अपलोड करें. धुंधली/अस्पष्ट फोटोग्राफ/हस्ताक्षर वाले आवेदन पत्रों को नामंजूर कर दिया जायेगा.
झ.	आवेदन प्रपत्र के किसी भी विवरण में एक बार प्रस्तुत किए जाने के बाद श्रेणी में परिवर्तन सहित किसी बदलाव/सुधार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जायेगा. डाक/फैक्स के जरिए/हाथों-हाथ आदि से प्राप्त ऐसे अनुरोधों पर न तो विचार किया जायेगा और न ही कोई पत्राचार किया जायेगा.

ट.	उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन-पत्र में अपने सही और सक्रिय ई-मेल पते तथा मोबाइल नंबर भरने चाहिए ताकि बोर्ड की ओर से कोई भी सूचना उम्मीदवार को सही प्रकार से प्राप्त हो सके. इसके अलावा, उम्मीदवार को अद्यतन सूचना प्राप्त करने के लिए नियमित आधार पर बोर्ड की वेबसाइट को देखते रहने की सलाह दी जाती है क्योंकि ई-मेल और एसएमएस के जरिए भेजी गई सूचनाएं अतिरिक्त सुविधाएं हैं. इस संबंध में उम्मीदवार की ओर से की गई किसी त्रुटि के लिए बोर्ड जिम्मेदार नहीं होगा.
ठ.	जाली/बनावटी आवेदन-पत्र/किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति के नाम/फोटो का दुरूपयोग करते हुए पंजीकरण किए जाने के मामले में, ऐसे उम्मीदवार/साइबर कैफे को जिम्मेदार माना जाएगा और साइबर/आईटी एक्ट के अधीन उचित कानूनी कार्रवाई की जा सकती है.

10. **उम्मीदवारों के लिये सामान्य अनुदेश:**

(i) बोर्ड विभिन्न पदों के लिए उपयोगकर्ता विभाग द्वारा सूचित रिक्तियों के अनुसार उम्मीदवारों का चयन करता है. किसी भी उपयोगकर्ता विभाग की रिक्तियों की संख्या तय करने में बोर्ड की कोई भूमिका नहीं है. विज्ञापित रिक्तियां भिन्न (वृद्धि या कमी) हो सकती हैं. यदि उपयोगकर्ता विभाग द्वारा रिक्ति की स्थिति को किसी भी संख्या में या शून्य तक कम कर दिया जाता है, तो बोर्ड किसी भी परिणामी क्षति/नुकसान के लिए आवेदक को मुआवजा देने के लिए उत्तरदायी नहीं है.

(ii) आरक्षण नीति का कार्यान्वयन, आरक्षण रोस्टर बनाए रखना, विभिन्न श्रेणियों के लिए रिक्तियों की पहचान करना और विभिन्न बेंचमार्क दिव्यांगताओं के लिए पदों की उपयुक्तता की पहचान करना उपयोगकर्ता विभागों के अधिकार क्षेत्र में है. बोर्ड दिव्यांगजन अधिकारिता विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना संख्या 38-16/2020-डीडी-III दिनांक 04.01.2021 के अनुसार दिव्यांगजन अधिकार (आरपीडब्ल्यूडी) अधिनियम, 2016 अथवा उपयोगकर्ता विभागों द्वारा चिन्हित और सूचित विनिर्दिष्ट पदों के तहत विभिन्न बेंचमार्क निःशक्तताओं की पदों के लिए उपयुक्तता पर विचार करेगा.

(iii) डीएसएसएसबी के पास किसी भी चरण में विज्ञापन अथवा इसके अंश को निरस्त अथवा संशोधित करने का अधिकार सुरक्षित है.

(iv) परीक्षा के आयोजन के लिए केंद्र केवल दिल्ली/रा.रा.क्षे. में होंगे.

(v) बोर्ड के पास परीक्षा प्रक्रिया के एक भाग या संपूर्ण प्रक्रिया को, प्रशासनिक कारणों और अनुचित तरीके, धोखेबाजी या अन्य अनियमितताएं/कदाचार बोर्ड की सूचना में आने पर, रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है. बोर्ड के पास, यदि अपेक्षित हुआ, किसी परीक्षा केंद्र को रद्द करने या नया परीक्षा केंद्र स्थापित करने और उम्मीदवारों को भिन्न परीक्षा केंद्र पर भेजने का भी अधिकार सुरक्षित है. बोर्ड के पास किसी भी परीक्षा केंद्र को रद्द करने और उस केंद्र के उम्मीदवारों को किसी अन्य केंद्र पर उपस्थित होने के लिए कहने का अधिकार सुरक्षित है. बोर्ड के पास किसी भी केंद्र के उम्मीदवारों को किसी अन्य केंद्र पर परीक्षा हेतु भेजने का भी अधिकार सुरक्षित है. किसी भी स्थिति में परीक्षा की तिथि, समय और केंद्र में परिवर्तन करने के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा.

(vi) विज्ञापन के प्रकाशन में कोई चूकवश त्रुटि के मामले में, अंतिम परिणाम बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध संबंधित पद के भर्ती नियमों, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के दिशानिर्देशों, परीक्षा योजनाओं तथा रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार तथा भारत सरकार के कोई भी अन्य लागू दिशानिर्देशों के आधार पर तैयार किया जायेगा.

(vii) बोर्ड के पास यदि अपेक्षित हुआ परीक्षा से पहले किसी भी समय परीक्षा में कोई भी परिवर्तन करने अथवा संशोधन करने का अधिकार सुरक्षित है.

(viii) परीक्षा के लिये अभ्यर्थी की उम्मीदवारी पूरी तरह अनंतिम और किसी भी कानूनी अदालत के निर्देश/ निर्णय/ आदेश/घोषणा के परिणाम के विषयाधीन है और प्रवेश-पत्र जारी करने या परीक्षा में उपस्थित होने मात्र से उसे पद के लिये कोई दावा करने का अधिकार नहीं हो जाता है.

(ix) प्रयुक्त संक्षिप्ताक्षरों का विवरण नीचे दिया गया है:
ईडब्ल्यूएस-आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, **भूपूसै**-भूतपूर्व सैनिक, **अना**-अनारक्षित (सामान्य), **अजा**-अनुसूचित जाति, **अजजा**-अनुसूचित जनजाति, **अपिव**-अन्य पिछड़ा वर्ग

(x) कैलकुलेटर, लैपटॉप, पामटोप, अन्य डिजिटल उपकरण/मोबाइल/सैल फोन, पेजर/इलेक्ट्रॉनिक घड़ियों और कोई धातु मदें आदि के इस्तेमाल की अनुमति नहीं है. उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा केंद्र में उपर्युक्त उपकरणों में से कोई भी लेकर न आएं, क्योंकि केंद्रों पर इन मदों के रखरखाव अथवा सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं होगी.

(xi) यदि किसी भी उम्मीदवार के पास कोई उपकरण/वस्तु पाई जाती है/पकड़ी जाती है, उसे परीक्षा से प्रतिबंधित कर दिया जायेगा और उम्मीदवारों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जायेगी.

(xii) अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि वे डीएसएसएसबी परीक्षा के लिए उपस्थित होते समय निम्नलिखित ड्रैस कोड का पालन करें:-

(क) हाफ स्लीव्स के साथ हल्के वस्त्र जिसमें बड़े बटन, ब्रोच/बैज, फूल आदि न हों, साथ में सलवार/ट्राउजर.

(ख) कम हील्स वाले स्लीपर्स, सैंडल्स. जूतों की अनुमति नहीं होगी.

(xiii) विज्ञापन/सूचना के अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू और पंजाबी रूपांतर में कोई त्रुटि होने पर अंग्रेजी रूपांतर को अंतिम माना जायेगा.

11. **कदाचार का दोषी पाये गये अभ्यर्थियों के विरुद्ध कार्रवाई:**

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उन्हें ऐसा कोई विवरण प्रेषित नहीं करना चाहिये, जो कि झूठा हो अथवा ऑनलाइन आवेदन प्रपत्र भरते समय कोई तथ्यात्मक जानकारी नहीं छिपानी चाहिये.

निम्नलिखित किसी भी कृत्य में शामिल पाये जाने वाले उम्मीदवारों पर आपराधिक कार्रवाई/डीएसएसएसबी की परीक्षा से प्रतिबंध, जहां कहीं आवश्यक है, पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, भर्ती के किसी भी चरण में उम्मीदवारी को निरस्त कर दिया जायेगा:-

(i) परीक्षा केंद्रों के परिसरों के भीतर मोबाइल फोन और उपकरण तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण रखना, भले ही उपयोग में है अथवा स्विच ऑफ मोड में है.

(ii) कदाचार में संलिप्तता.

क. परीक्षा हॉल में अनुचित तरीकों का इस्तेमाल करना.

ख. किसी भी तरीके से अपनी उम्मीदवारी के लिये समर्थन प्राप्त करना.

ग. छद्मरूपण करना/किसी व्यक्ति से छद्मरूपण प्राप्त करना.

घ. बनावटी दस्तावेज अथवा कांट-छांट किये हुए दस्तावेज प्रस्तुत करना.

ङ. झूठी या गलत विवरण देना अथवा तथ्यात्मक सूचना छिपाना.

च. परीक्षा के लिये अपनी उम्मीदवारी के संबंध में कोई अनियमित या अनुचित तरीकों का सहारा लेना.

छ. परीक्षा हॉल में पर्यवेक्षक/केंद्र अधीक्षक, परीक्षक अथवा बोर्ड के प्रतिनिधियों के साथ किसी भी तरह से दुर्व्यवहार करना.

ज. परीक्षा हॉल से (ऑफलाइन/ऑनलाइन/वर्णनात्मक/कौशल परीक्षा पेपर्स के मामले में) अपने साथ उत्तरपर्णी ले जाना, अथवा इसे परीक्षा के दौरान किसी अनधिकृत व्यक्ति को सौंपना.

झ. परीक्षा के आयोजन के लिये बोर्ड द्वारा तैनात स्टाफ को डराना अथवा कोई शारीरिक हानि पहुंचाना.

ट. नोटिस में वर्णित पात्रता की शर्तें पूरी नहीं करना.

ट. उम्मीदवारी किसी अन्य कारण से भी, जिसे बोर्ड उम्मीदवारी के निरस्तीकरण के लिये पर्याप्त कारण मानता है, भर्ती के किसी भी चरण में निरस्त की जा सकती है.

ठ. यदि कोई उम्मीदवार अपमानजनक/गाली-गलौच/अभद्र भाषा/अश्लील चित्र का उपयोग करता है तो वह अधिनियम के संगत कानून के अधीन आवश्यक दंडात्मक कार्रवाई के लिये उत्तरदायी होगा.

ऐसे मामलों में, यदि अपेक्षित हुआ, बोर्ड मामले को पुलिस/अन्वेषण एजेंसियों को, जो भी उचित समझे, रिपोर्ट कर सकता है और बोर्ड मामले की संबंधित प्राधिकारियों/फॉरेंसिक विशेषज्ञों आदि से जांच कराने के लिए भी उचित कार्रवाई कर सकता है.

12. **बोर्ड का निर्णय अंतिम:**

पात्रता, आवेदनों को स्वीकार या अस्वीकार करने, झूठी सूचना के लिए पेनल्टी, चयन की पद्धति, परीक्षा के आयोजन, परीक्षा केंद्रों के आवंटन और मैरिट सूची तैयार करने और इसके बाद आवंटन, गलत व्यवहारों में संलिप्त होने के लिए प्रतिबंध आदि से संबंधित सभी मामलों में बोर्ड का निर्णय अंतिम और उम्मीदवारों के लिए बाध्यकारी होगा तथा इस संबंध में किसी पूछताछ/पत्राचार पर विचार नहीं किया जाएगा.

अस्वीकरण:- रिक्ति सूचना मांगपत्र भेजने वाले विभागों से प्राप्त मांगपत्रों पर आधारित है. अनिवार्य अर्हताएं पदों के भर्ती नियमों में यथा निर्धारित उल्लिखित की गई हैं. टंकण संबंधी कोई भी त्रुटि के मामले में, भर्ती पूर्णतः केवल भर्ती नियमों के अनुसार की जाएगी.

उप सचिव (पीएंडपी-I)
दिल्ली अधीनस्थ सेवाएं चयन बोर्ड

अनुलग्नक-I

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
सेवा विभाग-(ब्रांच-IV)
7वां तल, बी-विंग, दिल्ली सचिवालय
आई. पी. एस्टेट, नई दिल्ली-110002

संख्या एफ.19(11)/2015/एस-IV/1751-1756 **दिनांक: 11/06/2019**

कार्यालय ज्ञापन

विषय : रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के अंतर्गत कार्यरत अनुबंधात्मक कर्मचारियों को सीधी भर्ती आधार पर नियमित नियुक्ति के समय ऊपरी आयु सीमा में छूट.

अनुबंधात्मक कर्मचारियों को सीधी भर्ती के समय, एकबारगी उपाय के रूप में, ऊपरी आयु सीमा में उपयुक्त छूट देने के मुद्दे पर विभिन्न न्यायिक निर्णयों, डीओपीटी निर्देशों, अपर महान्यायवादी की राय और रा.रा.क्षे.दि.स. के वित्त विभाग और विधि विभाग की सलाह के परिप्रेक्ष्य में विचार किया गया.

2. सक्षम प्राधिकारी का सभी विभागाध्यक्षों को आदेश है कि वे भर्ती नियमों के अनुसार रिक्त पदों पर भर्ती करें और उन पदों के लिए अनुबंधित किए गए अनुबंधात्मक कर्मचारियों को, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के अंतर्गत अनुबंधात्मक कर्मचारियों के संदर्भ में एक समान आधार पर अपनाए जाने वाले निम्नांकित नियमों के अनुसार ऊपरी आयु सीमा में छूट प्रदान करें.

1) शिक्षण पदों पर कार्यरत अनुबंधात्मक कर्मचारियों को ऊपरी आयु सीमा में एकबारगी 5 वर्ष की छूट का पात्र समझा जाएगा. आयु में छूट की अवधि विभाग में व्यतीत किए गए सेवा के वर्षों के अधीन होगी, बशर्ते उम्मीदवार ने किसी शैक्षणिक वर्ष में कम से कम 120 दिन तक काम किया हो.

2) अन्य प्रशासनिक पदों पर कार्यरत अनुबंधात्मक कर्मचारियों को ऊपरी आयु सीमा में एकबारगी 5 वर्ष की छूट का पात्र समझा जाएगा. आयु में छूट की अवधि विभाग में व्यतीत किए गए सेवा के वर्षों के अधीन होगी, बशर्ते उम्मीदवार ने किसी शैक्षणिक वर्ष में कम से कम 180 दिन तक काम किया हो.

3) अनुबंध के आधार पर कार्यरत केवल उन कर्मचारियों को ऊपरी आयु सीमा में छूट का पात्र समझा जाएगा, जो सीधी भर्ती के लिए आवेदन करने के समय सेवारत होंगे.

4) अनुबंध के आधार पर कार्यरत कर्मचारियों को ऊपरी आयु सीमा में छूट का पात्र केवल उस विभाग में समझा जाएगा, जिसमें कार्यरत हैं.

5) अनुबंध के आधार पर कार्यरत ऐसे कर्मचारी, जो सम्बद्ध विभाग द्वारा ऊपरी आयु सीमा में दी गई एकबारगी छूट का लाभ ले चुके हैं, वे इस योजना के अंतर्गत पात्र नहीं होंगे.

6) ऐसे अनुबंधात्मक कर्मचारियों को, जिनकी सेवाएं अनुबंधात्मक रोज़गार के दौरान कार्य असंतोषजनक पाए जाने के कारण समाप्त की गई हों, ऊपरी आयु सीमा में रियायत लाभ योजना के अंतर्गत पात्र नहीं समझा जाएगा.

7) अनुबंधात्मक कर्मचारियों को उस विभाग से ''आयु छूट प्रमाणपत्र'' प्रस्तुत करना होगा, जहां वे अनुबंध के आधार पर सेवारत हैं. सम्बद्ध विभाग को उनके आवेदन पर विचार करने के बाद, ऊपर वर्णित विधि के अनुसार आयु में छूट की अवधि, जिसके लिए अनुबंधात्मक कर्मचारी छूट का पात्र हो, का उल्लेख करते हुए, स्पष्ट प्रमाणपत्र जारी करना होगा. यह प्रमाणपत्र संबद्ध विभागाध्यक्ष के हस्ताक्षर और मुहर के साथ जारी किया जाना चाहिए.

3. यह ज्ञापन सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के साथ जारी किया गया है.

(एस एन मिश्रा)
विशेष सचिव (सेवाएं)

संख्या एफ.19(11)/2015/एस-IV/1751-1756 **दिनांक: 11/06/2019**

प्रति प्रेषित :

1. सभी प्रमुख सचिव/सचिव/विभागाध्यक्ष, निगम, बोर्ड, पीएसयू और रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के स्वायत्त निकाय.
2. दिल्ली के माननीय उपराज्यपाल के मुख्य सचिव, राज निवास, दिल्ली.
3. मुख्य सचिव के स्टाफ अधिकारी, 5वां तल, ए-विंग, दिल्ली, सचिवालय, नई दिल्ली.
4. चेयर पर्सन, डीएसएसएसबी, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार.
5. अनुभाग अधिकारी (सेवाएं-समन्वय) को इस अनुरोध के साथ कि इस परिपत्र को सेवाएं विभाग की वेबसाइट पर अपलोड करें.
6. गार्ड फाइल.

(एस एन मिश्रा)
विशेष सचिव (सेवाएं)

अनुलग्नक-II

ओएआरएस पोर्टल पर नए पंजीकरण के बारे में उम्मीदवारों के लिए निर्देश
(केवल उन अभ्यर्थियों के लिए जिन्होंने पहले ओएआरएस पर पंजीकरण नहीं कराया है)

1. उम्मीदवारों के लिए यह आवश्यक है कि वे वेबसाइट **https://dsssbonline.nic.in** पर जाएं और 'नए पंजीकरण के लिए क्लिक करें' का उपयोग करके ऑनलाइन पंजीकरण करें.
2. उम्मीदवारों को डीएसएसएसबी ओएआरएस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म पूरा करना आवश्यक है. पूर्ण ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म भरने का सत्र समय 30 मिनट है.
3. ऑनलाइन पंजीकरण भरना शुरू करने से पहले उम्मीदवार को अपना फोटो पहचान प्रमाण (पैन कार्ड/मतदाता पहचान पत्र/ड्राइविंग लाइसेंस/पासपोर्ट) जेपीजी/जेपीईजी प्रारूप में इस तरह से स्कैन करना होगा कि प्रत्येक फाइल अलग न हो. फाइल 15 केबी से कम और 60 केबी से अधिक नहीं होनी चाहिए. अभ्यर्थियों को धुंधला फोटो पहचान प्रमाण अपलोड नहीं करना चाहिए. यदि आधार नंबर पहचान प्रमाण के रूप में प्रदान किया गया है तो स्कैन किए गए आईडी प्रमाण को अपलोड करने की आवश्यकता नहीं है.
4. ऑनलाइन पंजीकरण डीएसएसएसबी वेबसाइट के माध्यम से 24x7 किसी भी समय किया जा सकता है.
5. आवेदकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि अपने ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म भरते समय, उन्हें अपनी वैध और सक्रिय ईमेल आईडी प्रदान करनी होगी क्योंकि डीएसएसएसबी परीक्षा प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में उम्मीदवारों

से संपर्क करते समय संचार के इलेक्ट्रॉनिक मोड का उपयोग कर सकता है. ओएआरएस पोर्टल पर पहले से पंजीकृत ईमेल आईडी स्वीकार नहीं की जाएगी.

6. उम्मीदवार को एक वैध और सक्रिय मोबाइल नंबर भी प्रदान करना चाहिए जिस पर वे बोर्ड से एसएमएस के माध्यम से परीक्षा संबंधी कोई भी जानकारी प्राप्त कर सकें. ओएआरएस पोर्टल पर पहले से पंजीकृत मोबाइल नंबर स्वीकार नहीं किया जाएगा.
7. यह अनुशंसा की जाती है कि आवेदकों को अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी पर प्राप्त ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) के माध्यम से अपने मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी दोनों को सत्यापित करना होगा.
8. यदि आवेदक को मोबाइल नंबर या ईमेल आईडी पर ओटीपी प्राप्त नहीं होता है तो आवेदक मोबाइल या ईमेल पर प्राप्त केवल एक ओटीपी के साथ पंजीकरण कर सकता है.
9. आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे नियमित अंतराल पर अपने ईमेल जांचते रहें.
10. यदि दसवीं कक्षा का रोल नंबर अल्फान्यूमेरिक में है तो रोल नंबर के केवल संख्यात्मक वर्णों का उपयोग करें. उदाहरण के लिए, यदि आपका रोल नंबर 12CSC0204 है, तो 120204 का उपयोग करें.
11. कृपया दसवीं कक्षा के रोल नंबर में शून्य दर्ज न करें/उपसर्ग शून्य न लगाएं क्योंकि सिस्टम स्वचालित रूप से बाईं ओर से सभी अग्रणी शून्य को काट देगा, उदाहरण के लिए, यदि रोल नंबर 00123456012 है तो सिस्टम सभी अग्रणी शून्यों को काट देगा और वास्तविक रोल नम्बर 12345012 ही होगा क्योंकि दसवीं कक्षा का रोल नंबर ओएआरएस सिस्टम में सहेजा जाएगा.
12. आवेदक द्वारा दर्ज किए गए आईडी प्रमाण को शॉर्टलिस्ट किए जाने पर परीक्षा और ई-डोजियर जमा करने के समय दोबारा जांचा जाएगा. साथ ही, आवेदक द्वारा दिया गया आईडी प्रूफ एडमिट कार्ड का हिस्सा होगा.
13. **फोटो पहचान प्रमाण को ऑनलाइन स्कैन करने और अपलोड करने के लिए दिशानिर्देश:** उम्मीदवार को नीचे दिए गए विनिर्देशों के अनुसार अपने फोटो पहचान प्रमाण की स्कैन की हुई (डिजिटल) छवि रखनी होगी.

   क. फोटो पहचान पत्र छवि: एक वैध फोटो पहचान पत्र होना चाहिए जिसमें उम्मीदवार के सभी विवरण और फोटो स्पष्ट रूप से दिखाई दें.

   ख. अनुमत आकार: फाइल का आकार 15 केबी - 60 केबी और न्यूनतम रिज़ॉल्यूशन (चौड़ाई ऊंचाई) के बीच होना चाहिए: पैन/डीएल के लिए 300*200 पिक्सल, वोटर कार्ड के लिए 200*300 पिक्सल और पासपोर्ट के लिए 450 350 पिक्सल.
14. आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे पंजीकरण फॉर्म का पूर्वावलोकन देख लें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनके द्वारा भरे गए सभी विवरण सही हैं. पूर्वावलोकन से संतुष्ट होने पर उम्मीदवार अंततः पंजीकरण फॉर्म जमा कर सकता है क्योंकि एक बार अंतिम रूप से जमा किए गए पंजीकरण विवरण बाद के चरणों में नहीं बदलेंगे.
15. **आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे ओएआरएस में अपने पंजीकरण नंबर के लिए आवश्यक सही विवरण दर्ज करें. जैसे नाम, लिंग, पिता का नाम जैसे विवरण, एक बार दर्ज करने के बाद किसी भी परिस्थिति में संपादित नहीं किये जा सकते.**
16. **आवेदक को ओएआरएस में केवल एक विशिष्टि पंजीकरण संख्या बनानी चाहिए.**
17. **पंजीकरण के बाद ही आवेदक विभिन्न पदों के लिए आवेदन कर सकता है. पंजीकरण के बाद, आवेदकों को भविष्य में ओएआरएस तक पहुंचने के लिए लॉगिन आईडी और पासवर्ड के रूप में अपना पंजीकरण नंबर उद्धृत करना आवश्यक है.**

अनुलग्नक-III

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड
एफ सी-18, इंस्टीट्यूशनल एरिया, कड़कड़डूमा दिल्ली-110092

एफ.नं.10(271)/सेक.सेल/डीएसएसएसबी/18/989 **दिनांकित : 11/07/18**

सूचना

जैसा कि ऑनलाइन परीक्षा को आंशिक रूप से स्थानांतरित करने के संबंध में सार्वजनिक सूचना संख्या एफ.10(271)/सेक सेल/डीएसएसएसबी/18/718 दिनांक 31/05/2018 में उल्लेखित है, एक परीक्षा कई पालियों में आयोजित होने की स्थिति में, कठिनाई स्तर में भिन्नता को ध्यान में रखते हुए उम्मीदवार द्वारा प्राप्त अंकों का सामान्यीकरण किया जाएगा. सामान्यीकरण 'विचलन विधि के आधार पर स्कोर सामान्यीकरण' सूत्र का उपयोग करके किया जाएगा जो निम्नानुसार है;

Xn=(S2/S1)*(X-Xav)+Yav

Xn	प्रत्येक उम्मीदवार के लिए सामान्यीकृत स्कोर
S2	उच्चतम औसत स्कोर वाली शिफ्ट का एसडी सामान्यीकरण के आधार के रूप में लिया गया है
S1	संबंधित बदलाव के लिए मानक विचलन (S2 तक स्केल किया जाना है)
X	उम्मीदवार का प्राकृतिक स्कोर
Xav	पारी का सरल औसत
Yav	उच्चतम औसत के साथ बदलाव के अनुरूप औसत (सामान्यीकरण के लिए आधार के रूप में लिया गया)

उप सचिव
डीएसएसएसबी
अनुलग्नक-IV

संख्या एफ19(10)/2001/एस-III/ पार्ट फाइल/2278-2285
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
सेवा विभाग-(ब्रांच-IV)
7वां तल, बी-विंग, दिल्ली सचिवालय
आई. पी. एस्टेट, नई दिल्ली-110002

दिनांक-27/7/07

सेवा में

अध्यक्ष
दिल्ली अधीनस्थ सेवाएं चयन बोर्ड,
रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार
यूटीसीएस बिल्डिंग, शहादरा, दिल्ली

2. सभी विभागाध्यक्ष/स्थानीय/स्वायत्त निकाय/पीएसयूज, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार

विषय : रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के अंतर्गत नौकरियों में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण.

महोदय/महोदया,

मुझे आपको यह सूचित करने का निर्देश है कि माननीय उप राज्यपाल ने अन्य पिछड़ा वर्ग को रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के अंतर्गत नौकरियों में आरक्षण का लाभ मंजूर करने के मुद्दे पर विचार किया है और घोषणा की है कि दिल्ली अपिव कोटा से संबंधित केन्द्रीय सूची और ओबीसी कमीशन द्वारा अपिव के रूप में परिभाषित तथा सरकार द्वारा अनुमोदित जातियों को दिल्ली में आरक्षण का लाभ दिया जाएगा.

उपरोक्त के संदर्भ में रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के अंतर्गत सिविल पदों में अपिव को आरक्षण का लाभ मंजूर करने के लिए समुचित कार्यवाही की जाए.

भवदीय
(एस.पी. सिंह)
संयुक्त सचिव (सेवाएं)

संख्या एफ.19(10)/2001/एस-III/ पार्ट फाइल/2278-2285 **दिनांक- 27/7/07**

प्रति प्रेषित :

1. उपराज्यपाल, दिल्ली के सचिव, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार.
2. मुख्यमंत्री के सचिव, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार.
3. सचिव (विधानसभा) रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार.
4. स्टाफ अधिकारी, मुख्य सचिव का कार्यालय, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार.
5. अध्यक्ष, दिल्ली विधानसभा के सचिव, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार.
6. रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के सभी मंत्रालयों के सचिव.
7. अधीक्षक (सेवाएं-I/II/III/IV/समन्वय अनुभाग).
8. गार्ड फाइल.

(एस.पी. सिंह)
संयुक्त सचिव (सेवाएं)
अनुलग्नक-V

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
सेवा विभाग-(ब्रांच-IV)
7वां तल, बी-विंग, दिल्ली सचिवालय
आई. पी. एस्टेट, नई दिल्ली-110002

संख्या एफ.19(01)/2012/एस-IV/1241-1258 **दिनांक- 28/7/2016**

सेवा में

सभी विभागाध्यक्ष
रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार
दिल्ली/नई दिल्ली

विषय: रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के अंतर्गत नौकरियों में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण.

महोदय/महोदया,

उपरोक्त विषय में इस विभाग के दिनांक-27/07/2007 के परिपत्र (प्रति संलग्न) के क्रम में मुझे यह सूचित करने के निर्देश है कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सरकार ने निम्नांकित दो प्रकार के प्रमाणपत्रों को रा.रा.क्षे. दिल्लीर सरकार, के अंतर्गत सिविल पदों में अन्य पिछड़े वर्गों को आरक्षण का लाभ देने के लिए वैध प्रमाणपत्र के रूप में स्वीकार करने का निर्णय किया है :-

1) रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार, के राजस्व विभाग द्वारा अपिव प्रमाणपत्र, जो रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार द्वारा उम्मीदवार के परिवार के किसी सदस्य को पहले से जारी प्रमाणपत्र के आधार पर जारी किया गया हो.
2) दिल्ली से बाहर सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी अपिव प्रमाणपत्र जो रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार, द्वारा अपिव के रूप में अधिसूचित समुदाय के सदस्य को जारी किया गया हो. यह प्रमाणपत्र अनिवार्य रूप से संबद्ध व्यक्ति के परिवार के ऐसे सदस्य को रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार द्वारा जारी अपिव प्रमाणपत्र के आधार पर जारी किया गया हो, जो 08.09.1993 से पहले दिल्ली में रह रहा हो.

यह पत्र सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया गया है

भवदीय
(अनुपमा चक्रवर्ती)
उप सचिव (सेवाएं)

संलग्नक: जैसा उपरोक्त

संख्या एफ. 19(01)/2012/एस-IV/1241-1258 **दिनांक-28/7/2016**

प्रति प्रेषित :

1. उपराज्यपाल, दिल्ली के सचिव, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार.
2. मुख्यमंत्री के सचिव, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार.
3. स्टाफ अधिकारी, मुख्य सचिव का कार्यालय, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार.
4. सभी मंत्रालयों के सचिव, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार.
5. अधीक्षक (सेवाएं-I/II/III, एसीपी सेल और समन्वय शाखा, दिल्ली सचिवालय, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार).
6. अधीक्षक (समन्वय) को इस अनुरोध के साथ कि इस परिपत्र को सेवाएं विभाग की वेबसाइट पर अपलोड करें.
7. गार्ड फाइल.

(अनुपमा चक्रवर्ती)
उप सचिव (सेवाएं)
अनुलग्नक-VI

संख्या एफ.19(02)/2011/एस IV/वोल-I/856
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
सेवा विभाग-(ब्रांच-IV)
7वां तल, बी-विंग, दिल्ली सचिवालय
आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली-110002

दिनांक-31/05/2021

कार्यालय ज्ञापन

विषय: रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के अंतर्गत नौकरियों में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण.

इस विभाग के पत्र संख्या एफ.19(10)/2001/एस-3-III/पार्ट फाइल/2278-2285, दिनांक 27 जुलाई, 2007 और पत्र संख्या एफ.19(01)/2012/एस-4-IV/1241-1258, दिनांक 28 जुलाई 2016 (प्रति संलग्न) के संदर्भ में अधोहस्ताक्षरी को यह स्पष्ट करने का निर्देश है कि: .

1) ऐसा व्यक्ति जिसने दिल्ली के राजस्व अधिकारी, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सरकार द्वारा जारी इस आशय का अपिव (दिल्ली) प्रमाणपत्र प्राप्त किया हो कि वह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा अपिव के रूप में अधिसूचित जाति से संबंधित है, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों में सिविल पदों पर अपिव आरक्षण के लाभ का हकदार होगा, इस तथ्य के बावजूद कि उक्त अपिव (दिल्ली) प्रमाणपत्र में संबद्ध व्यक्ति के पिता, भाई-बहन और सगे चाचा (केवल पैतृक पक्ष की ओर से) को पहले जारी किए गए प्रमाणपत्र का उल्लेख है या नहीं है.

2) ऐसा व्यक्ति भी जिसने दिल्ली से बाहर सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी इस आशय का अपिव प्रमाणपत्र प्राप्त किया हो कि वह रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार, द्वारा अपिव के रूप में अधिसूचित समुदाय से संबंधित है, दिल्ली में रा.रा.क्षे. दिल्ली

(शेष अगले पृष्ठ पर)

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
Block-IInd, 5th Floor, Paryavas Bhavan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)-462011

DPR CONSULTANCY OF BRIDGES (Short Time E-Procurement Notice)

No. 657/22/D-12/Brg.DPR/2023-24 **Bhopal, Dated : 15.01.2024**

Online Bids are invited from the reputed Consultants for preparation of DPR of Bridge under PMGSY-III as per details given below;

- **No. of Packages - 03**
- **Nodal PIU - Balaghat-1, Mandsaur, Harda**
- **No. of Bridges - 13**

Total Estimated Construction Cost (in Rs.) – Rs. 386496000.00

- **Cost of Bid Document, Bid Security (EMD) and service charges as appearing on e-procurement portal are to be paid simultaneously through Debit Card/Credit Card/ Internet Banking or system generated challan. For detailed procedure of online payment of EMD and submission of affidavit please refer condition number 2 of detailed NIT.**

1. RFP document may be seen, downloaded and purchased from our e-procurement website **https://mptenders.gov.in** from 17:30 hrs. on **16.01.2024** .
2. Last date of Submission of bid is date **29.01.2024 upto 15.00 hrs.**

Other details & Conditions may be seen in the detailed NIT and Tender Document for preparation of DPR of Bridges under PMGSY January-2020 amended up to date on our Website **http://mptenders.gov.in.**

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/113288/2024 **(TENDER)**

R-49375/2024

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, पुलिस लाइन, रीवा (म.प्र.)
फोन नं. : 9425601556/9340714903

प्रेस-विज्ञप्ति

संभाग रीवा अंतर्गत जिला सतना में डी.एम.एफ. मद के अंतर्गत निर्माण कार्य 2+8 सीटर बैरेक महिला कण्ट्रोल रूम के पीछे पुलिस लाइन सतना, निर्माण कार्य 2+8 सीटर बैरेक थाना जैतवारा जिला सतना एवं निर्माण कार्य 4+10 सीटर महिला बैरेक पुलिस लाइन सतना के कार्य हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 10/2023-24 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHCL/TENDER No. 2024_MPPHC_326869_1, 326879 & 326887 आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा प्रपत्र दिनांक 27.01.2024 समय 17:00 बजे तक ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : http://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/113323/2024 **परियोजना यंत्री**

R-49378/2024

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय

कोलार रोड, भोपाल - 462016 (म.प्र.)

प्रवेश सूचना

बी.एड. (मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा) द्विवर्षीय कार्यक्रम सत्र 2023-25
यूजीसी एवं NCTE से मान्यता प्राप्त

अर्हता- 1. स्नातक/स्नातकोत्तर उपाधि परीक्षा 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो। (इन्जीनियरिंग या समतुल्य अर्हता वाले पाठ्यक्रम के लिए 55% अंकों की अनिवार्यता है।) 2. NCTE से मान्यता प्राप्त शिक्षा विषय का कोई कार्यक्रम नियमित रीति से पूर्ण किया हो।

कार्यक्रम शुल्क- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम शुल्क रु. 30000/-, पंजीयन शुल्क रु. 800/-, पोर्टल फीस रु. 50/-

प्रवेश परीक्षा- आवंटित ऑनलाइन केन्द्रों पर आयोजित होगी जिसकी सूचना पृथक से mponline के माध्यम से दी जायेगी।

डी.एल.एड. (मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा) द्विवर्षीय कार्यक्रम सत्र 2023-25
(NCTE से मान्यता प्राप्त)

अर्हता - 1. हायर सेकेण्डरी/10 + 2 परीक्षा 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने के पश्चात् किसी सरकारी अथवा सरकारी मान्यता प्राप्त प्राथमिक/प्रारंभिक विद्यालय में दो वर्ष का अध्ययन अनुभव तथा वर्तमान में नियमित शिक्षक के रूप में कार्यरत होना अनिवार्य है।

कार्यक्रम शुल्क- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम शुल्क रु. 19200/-, पंजीयन शुल्क रु. 800/-, पोर्टल फीस रु. 50/-

प्रवेश परीक्षा - आवंटित ऑनलाइन केन्द्रों पर आयोजित होगी जिसकी सूचना पृथक से mponline के माध्यम से दी जायेगी।

सभी कार्यक्रम हेतु प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन :- प्रवेश परीक्षा CBT With SD100 (Without Isolation) में सम्मिलित होने के लिए आवेदन mponline portal के माध्यम से **दिनांक 18 जनवरी, 2024 से 18 फरवरी, 2024 तक** एवं विलम्ब शुल्क रु. 300 / - के साथ **29 फरवरी 2024 तक** स्वीकार किये जायेंगे।

नोट :- 1. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्गों के लिए स्थान आरक्षण सक्षम अधिकारी द्वारा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर म.प्र. शासन के नियमानुसार होगा। ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा हेतु प्रवेश पूर्व कियोस्क से डाउनलोड किये जा सकेंगे। प्रवेश संबंधी विस्तृत विज्ञापन एवं जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट **http://mpbou.edu.in/** पर उपलब्ध है। 2. यूजीसी मान्यता प्रावधिक है। 3. किसी शहर में अभ्यार्थियों की संख्या 50 से कम होने पर वहां के अभ्यार्थियों को निकटतम शहर में स्थित परीक्षा केन्द्र पर स्थानांतरित किया जायेगा।

म.प्र. माध्यम/113322/2024 **कुलसचिव**

R-49377/2024

ASPIRE INSTITUTE

"AWARDS" 453/2 Khandwa Road, Indore (M.P.)
Approved by NCTE, MP Higher Education, Affiliated to DAVV

Selection Under College Code 28 — Invites Applicants for B.Ed., B.A. Programmes
Principal, HOD, Professor, Associate & Assistant Professors

B.Ed. (Three Year Regular)
Perspective Education, Pedagogy Subject
Health & Physical Education, Fine Arts,
Performing Arts & Librarian

B.A. (Three Year Regular)
Economics, History, Sociology
& Political Science

Minimum Qualification As Per NCTE/UGC Regulation
Interested candidates can send their resumes with relevant documents & experience certificate to the below address within 8 days.

E-mail: aspiresociety@gmail.com, Ph.: 0731-2468502, 97703 85579

R-49390/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
Block-II, 5th Floor, Paryavas Bhawan, Bhopal M.P. 462011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER EL-78

No./660/22/D-12/MPRRDA/2024 **Bhopal, Dated : 15.01.2024**

Online Percentage rate Tenders are invited for "Shifting/Raising of High Voltage (HV)/Medium Voltage (MV)/Low Voltage (LV) lines and poles from alignment of PMGSY/CMGSY Road from contractors having 'A' class valid license issued by Madhya Pradesh Licensing Board (Electrical) and registered with MPPWD in appropriate class of contractors on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in.**

Contractors are to quote rate in percentage below/above or at par of the estimated rates given in BOQ including all Taxes except GST.

S.No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Balaghat	1	467914.00
2	Dewas	1	812491.00
3	Satna	1	242245.00
4	Ujjain	2	5020980.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **16.01.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed NIT and tender document on the above mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/113292/2024 **(TENDER)**

"मेरी सड़क" एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-49376/2024

हाजरा मेमोरियल कॉलेज

Affilated to D.A.V.V. Indore

आवश्यकता

क्र.	पद	संख्या	योग्यता	अनुभव
1.	प्राचार्य	1	M.A./M.Com./M.Sc. डिग्री न्यूनतम 55% के साथ B.ed/M.ed उत्तीर्ण।	5 वर्ष
2.	सहायक प्राध्यापक	6	M.A./M.Com./M.Sc. डिग्री न्यूनतम 55% के साथ B.ed/M.ed उत्तीर्ण।	0-5 वर्ष
3.	फाइन आर्ट शिक्षक	1	M.A. (Drawing & Painting) न्यूनतम 55% के साथ उत्तीर्ण।	0-5 वर्ष
4.	खेल शिक्षक	1	B.P.Ed, M.P.Ed डिग्री न्यूनतम 55% के साथ उत्तीर्ण।	0-5 वर्ष

पता ग्राम-मल्हारगढ़, तह. खालवा, जिला-खण्डवा म.प्र.-450117 पर या व्हाट्सअप नं. 8821022311, ई-मेल : **hajramc@yahoo.com** पर समस्त दस्तावेज **दिनांक 31.01.2024** से पूर्व भेजें। वेतन-NCTE के नियमानुसार।

R-49374/2024

एमपी इण्डस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कार्पो. लि.

क्षेत्रीय कार्यालय, टी.व्ही. टावर के पास, उद्योग भवन कटंगा जबलपुर (म.प्र.)

निविदा सूचना

क्र. एमपीआईडीसी/क्षे.का.ज./तक./2024/5869 जबलपुर, दि. 16.01.24

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पोर्टल **mptender.gov.in-MPIDC RO Jabalpur** के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

कार्य का विवरण	ब्याना राशि रु.	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य हेतु कांट्रेक्ट की राशि
औद्योगिक क्षेत्र उमरिया-डुंगरिया जिला जबलपुर में एलईडी स्ट्रीट लाइट का वार्षिक संचालन व संधारण का कार्य।	रु. 0.13 लाख	रु. 2360.00 जी एस टी सहित	रु. 12.50 लाख + जीएसटी

किसी भी निविदा या समस्त निविदायें बिना कारण बताये निरस्त/स्वीकृत करने निविदा की तिथि बढ़ाने का अधिकार निगम के कार्यकारी संचालक के पास सुरक्षित है। टेंडर डाक्यूमेंट उपरोक्त ई प्रोक्योरमेंट पोर्टल **mptender.gov.in** के माध्यम से निर्धारित तिथि तक डाउनलोड किये जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/113362/2024 **कार्यकारी संचालक**

R-49385/2024

(पिछले पृष्ठ का शेष)

सरकार के अंतर्गत सिविल पदों पर अपिव आरक्षण का लाभ पाने का हकदार होगा. इस प्रमाणपत्र में अनिवार्य रूप से यह उल्लेख होना चाहिए कि उसे जारी अपिव प्रमाणपत्र में संबद्ध व्यक्ति के पिता, भाई-बहन और सगे चाचा (केवल पैतृक पक्ष की ओर से) को पहले जारी किए गए प्रमाणपत्र का उल्लेख है, जो 08 सितम्बर, 1993 से पहले दिल्ली में रह रहा हो.

यह पत्र सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया गया है.

अनुलग्नक : जैसा उपरोक्त

(हरलीन कौर)
सचिव (सेवाएं)

संख्या एफ.19(02)/2011/एस IV/वोल-I/

प्रति सूचनार्थ/उपयुक्त कार्रवाई हेतुः-

1. सचिव, यूपीएससी, धौलपुर हाऊस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली- 110069
2. चेयर पर्सन, डीएसएसएसबी, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार.
3. प्रमुख सचिव (राजस्व), विभाग, 5 शामनाथ मार्ग, दिल्ली -110054
4. सभी विभागाध्यक्ष/ स्वायत्त संगठन/ पीएसयूज, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार, दिल्ली /नई दिल्ली.

प्रति सूचनार्थः-

1. दिल्ली के माननीय उपराज्यपाल के मुख्य सचिव, राज निवास, दिल्ली.
2. माननीय मुख्य मंत्री, दिल्ली के सचिव, तीसरा तल, दिल्ली सचिवालय, नई दिल्ली.
3. रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के सभी मंत्रालयों के सचिव, दिल्ली, सचिवालय, नई दिल्ली.
4. मुख्य सचिव के स्टाफ अधिकारी, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार, दिल्ली सचिवालय, नई दिल्ली.
5. सचिव (सेवाएं) के निजी सहायक, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार, दिल्ली सचिवालय, नई दिल्ली.
6. विशेष सचिव (सेवाएं) के निजी सहायक, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार, दिल्ली सचिवालय, नई दिल्ली.
7. उप सचिव (सेवाएं)-I/III, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार, दिल्ली सचिवालय, नई दिल्ली.
8. सेवाएं अनुभाग की सभी शाखाओं के अनुभाग अधिकारी, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार.
9. अनुभाग अधिकारी (समन्वय), सेवाएं विभाग, दिल्ली सचिवालय, नई दिल्ली को इस अनुरोध के साथ कि इस परिपत्र को सेवाएं विभाग की वेबसाइट पर अपलोड करें.

(हरलीन कौर)
सचिव (सेवाएं)

चित्रकूट को विश्वस्तरीय पहचान दिलाने के लिये बनायें योजना

भोपाल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने मंत्रालय पहुंचकर पूजा-अर्चना कर कार्यभार ग्रहण किया। इस मौके पर नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी भी मौजूद थीं।

चित्रकूट को मिले विश्वस्तरीय पहचान

नगरीय विकास मंत्री श्री विजयवर्गीय ने विभागीय अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सतना जिले में स्थित चित्रकूट को विश्वस्तरीय पहचान दिलाई जायेगी। इसके लिये उन्होंने अधिकारियों को योजना बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि धार्मिक ग्रंथों में चित्रकूट का महत्वपूर्ण स्थान है। वहां नागरिकों की सुविधा के लिये घाट सौंदर्यीकरण के साथ सफाई की ओर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने मंदाकिनी नदी की सफाई के लिये विशेष अभियान चलाये जाने के भी निर्देश दिये। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि नगरीय निकायों के अंतर्गत आने वाले धार्मिक स्थानों का चयन कर वहां पर्यटन सुविधा बढ़ाने के लिये ठोस प्रयास करने होंगे। इसके लिये राज्य सरकार से पर्याप्त बजट राशि प्राप्त की जायेगी।

SDPS COLLEGE OF COMMERCE AND MANAGEMENT

REQUIRES

Principal • Professors
Associate/Assistant Professors
for U.G. Classes under College code 28
• Management-4 • Computer-2
• Commerce-4 • Hindi-1 • English-1

Qualification and Experience: As per UGC Norms
Salary: As per Norms

Apply within 7 days at hr@sdps.edu.in

sdps Khandwa Road, Indore 98935 34699

R-49373/2024

शिक्षा प्रसारक समिति सेंधवा द्वारा संचालित

स्वामी विवेकानंद शिक्षा महाविद्यालय

जोगवाड़ा रोड़, सेंधवा जिला बड़वानी (म.प्र.) पिन कोड 451666
राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद नई दिल्ली व देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर से संबद्धता प्राप्त

आवश्यकता

प्राचार्य एवं सहायक प्राध्यापक (बी.एड.)

योग्यता एवं अनुभव - NCTE एवं UGC के अनुसार आवेदन पत्र समस्त दस्तावेजों के साथ 7 दिनों में भेजे या ई-मेल करें।

Email : svsms2006@gmail.com

बी.एल. जैन अध्यक्ष - मो. 9425087295

R-49388/2024

भारतीय वायु सेना / Indian Air Force

अग्निपथ योजना के अन्तर्गत अग्निवीरवायु अंतर्ग्रहण 01/2025 के लिए चयन परीक्षा हेतु अविवाहित भारतीय पुरुष एवं महिला उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदनपत्र आमंत्रित किये जाते हैं.
ऑनलाइन पंजीकरण की तिथियां : 17 जनवरी, 2024 से 06 फरवरी, 2024 तक
ऑनलाइन परीक्षा की तिथियां : 17 मार्च, 2024 से आगे

अग्निवीरवायु अंतर्ग्रहण 01/2025

चेतावनी

भारतीय वायु सेना में चयन 'निष्पक्ष एवं पारदर्शी' तथा केवल मेरिट पर होता है. भारतीय वायु सेना में चयन अथवा भर्ती के लिए किसी को भी किसी भी चरण में कोई रिश्वत देने की आवश्यकता नहीं होती है. उम्मीदवारों को भर्ती/चयन एजेंटों के रूप में स्वांग करने वाले अनैतिक व्यक्तियों का शिकार नहीं बनना चाहिए.

1. **'अग्निपथ योजना'** के अन्तर्गत अग्निवीरवायु के नवप्रवेश के लिए नवीन मानव संसाधन कार्य प्रणाली के अनुसरण में, जिसका लक्ष्य राष्ट्र के युवाओं को चार वर्षों की अवधि के लिए सैन्य जीवन शैली का अनुभव करने हेतु एक अवसर प्रदान करना है, **भारतीय वायु सेना अग्निवीरवायु के रूप में भारतीय वायु सेना से जुड़ने के लिए 17 मार्च 2024 से चयन परीक्षा हेतु अविवाहित भारतीय पुरुष एवं महिला उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदनपत्र आमंत्रित है. महिला उम्मीदवारों की संख्या तथा नियोज्यता का सुनिश्चय सेवा अपेक्षा के अनुसार किया जायेगा.**
(चयन परीक्षा कमीशंड अधिकारियों/पायलटों/मार्ग-निर्देशकों/वायु सैनिकों के रूप में चयन हेतु नहीं है)
2. उम्मीदवारों को आवेदनपत्र केवल ऑनलाइन भरना है और उसको भरने के लिए विस्तृत अनुदेश **https://agnipathvayu.cdac.in** पर उपलब्ध हैं.
3. **यह परीक्षा अग्निवीरवायु अंतर्ग्रहण 01/2025 हेतु वैध है.**
4. **ऑनलाइन पंजीकरण 17 जनवरी 2024 को 11:00 बजे प्रारम्भ होगा और 06 फरवरी 2024 को 23:00 बजे बंद होगा.** केवल ऑनलाइन पंजीकृत आवेदनपत्र स्वीकृत होगा. पंजीकरण के लिए **https://agnipathvayu.cdac.in** पर लॉगऑन करें.
टिप्पणी : उम्मीदवारों को सलाह है कि वे अतिशीघ्र पंजीकरण कर लें, क्योंकि पंजीकरण तिथियों में कोई विस्तार नहीं किया जायेगा.

पात्रता मानदंड

5. **आयु**
(क) जन्म खंड की तिथि : 02 जनवरी, 2004 तथा 02 जुलाई, 2007 के बीच जन्मे उम्मीदवार आवेदन करने हेतु पात्र हैं.
(ख) यदि कोई उम्मीदवार चयन प्रक्रिया के सभी चरणों में सफल होता है तब **ऊपरी आयु सीमा नामांकन की तिथि के अनुसार 21 वर्ष होनी चाहिए.**
6. **वैवाहिक स्थिति तथा गर्भ :** केवल अविवाहित उम्मीदवार (महिला एवं पुरुष) अग्निवीरवायु के रूप में नामांकन हेतु पात्र होंगे और वे परिभाषित चार वर्षों की नियुक्ति अवधि के दौरान विवाह नहीं करेंगे. अग्निवीरवायु के नियुक्ति की सीमित अवधि प्रशिक्षण, कौशल विकास गतिविधियों, व्यावहारिक के साथ-साथ रचनात्मक निर्धारण तथा नियुक्ति अवधि के दौरान अग्निवीरवायु की सतत सेवा की संगठनात्मक अपेक्षा सहित को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति अवधि के दौरान अग्निवीरवायु की दीर्घ अनुपस्थिति से भारतीय वायु सेना की प्रचालनात्मक कार्यकुशलता विपरीत रूप से प्रभावित होगी. उक्त अवधि के दौरान विवाह करने वाले अग्निवीरवायु को सेवा से मुक्त कर दिया जायेगा. इसके अतिरिक्त केवल अविवाहित अग्निवीरवायु वायु सैनिक के रूप में नियमित काडर में चयन हेतु पात्र होंगे. महिला उम्मीदवारों को अतिरिक्त रूप से चार वर्षों की नियुक्ति अवधि के दौरान गर्भधारण नहीं करने हेतु वचनबंध करना होगा. इस प्रकार की महिला अग्निवीरवायु गर्भावस्था के कारण न्यून चिकित्सा संवर्ग (एलएमसी) होने पर सेवामुक्त किये जाने की भागी होगी. गर्भावस्था महिला अग्निवीरवायु को नियमित काडर में चयन हेतु बाधित करेगी. **'नामांकन के समय पर उम्मीदवारों को स्वैच्छिक रूप से उपरोक्त शर्तों को स्वीकार करते हुए एक वचनबद्ध हस्ताक्षरित करना होगा'.**
7. **शैक्षिक योग्यता**
(क) विज्ञान विषय
उम्मीदवारों को केंद्र, राज्य तथा सं.क्षे. द्वारा मान्यताप्राप्त शिक्षा बोर्डों से **गणित, भौतिक विज्ञान तथा अंग्रेजी के साथ माध्यमिक (10+2)/समकक्ष परीक्षा,** कुल न्यूनतम **50% अंकों** तथा अंग्रेजी में **50% अंकों** के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए.

अथवा

केंद, राज्य तथा सं.क्षे. मान्यताप्राप्त पोलीटेक्निक संस्थान से अभियांत्रिकी (यांत्रिक/वैद्युत/ इलेक्ट्रानिकी/ ऑटोमोबाइल/कंप्यूटर विज्ञान/यन्त्रण प्रौद्योगिकी/सूचना प्रौद्योगिकी) में **तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम** उत्तीर्ण कर चुके हों, डिप्लोमा पाठ्यक्रम में **कुल न्यूनतम 50% अंकों** तथा **अंग्रेजी में 50% अंकों के साथ** (अथवा माध्यमिक/मैट्रिक में, यदि अंग्रेजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में एक विषय नहीं है).

अथवा

केंद्र राज्य तथा सं.क्षे. द्वारा मान्यताप्राप्त शिक्षा बोर्डों से **गैर-व्यावसायिक विषय यथा भौतिक विज्ञान और गणित के साथ दो वर्षीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम** उत्तीर्ण कर चुके हों. व्यावसायिक पाठ्यक्रम में कुल 50% अंकों तथा अंग्रेजी में 50% अंकों के साथ (अथवा माध्यमिक/मैट्रिक में, **यदि अंग्रेजी व्यावसायिक पाठ्यक्रम में एक विषय नहीं है).**
(ख) विज्ञान विषयों की बजाय अन्य
केंद्र, राज्य तथा सं.क्षे. द्वारा मान्यताप्राप्त शिक्षा बोर्डों से किसी धारा/विषयों में माध्यमिक/10+2/ समकक्ष परीक्षा कुल न्यूनतम **50%** अंकों तथा अंग्रेजी में 50% **अंकों** के साथ उत्तीर्ण कर चुके हों.

अथवा

केंद्र, राज्य तथा सं.क्षे. द्वारा मान्यताप्राप्त शिक्षा बोर्डों से दो वर्षीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम उत्तीर्ण कर चुके हों. व्यावसायिक पाठ्यक्रम में कुल **50% अंको** तथा अंग्रेजी में **50% अंकों** के साथ (अथवा माध्यमिक/मैट्रिक में **यदि व्यावसायिक पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय नहीं है).**
टिप्पणी-1 : विज्ञान विषय परीक्षा हेतु पात्र उम्मीदवार (अभियांत्रिकी में माध्यमिक/10+2/तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम अथवा गैर-व्यावसायिक विषयों भौतिक विज्ञान तथा गणित के साथ दो वर्षीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम सहित) भी विज्ञान की बजाय अन्य विषयों हेतु पात्र है और उन्हें ऑनलाइन पंजीकरण प्रपत्र भरते समय एक बैठक में विज्ञान विषयों तथा विज्ञान की बजाय अन्य विषयों दोनों की परीक्षा में सम्मिलित होने का एक विकल्प दिया जायेगा.
टिप्पणी-2 : केवल पंजीकरण की तिथि के अनुसार केंद्र, राज्य तथा सं.क्षे. द्वारा मान्यताप्राप्त शिक्षा बोर्डों पर विचार किया जायेगा.
टिप्पणी-3: केवल 10+2/माध्यमिक/समकक्ष परीक्षा/तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम/दो वर्षीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम के अंकपत्रों में लिखितानुसार अथवा संबंधित शिक्षा बोर्ड/पोलीटेक्निक संस्थान के नियमानुसार गणनाकृत दशमलव से पहले के कुल सटीक अंक प्रतिशत पर विचार किया जायेगा. (उदाहरणार्थ 49-99% को 49% के रूप में लिया जायेगा और उसको 50% में पूर्णांकित नहीं किया जायेगा).
8. **अनिवार्य चिकित्सा मानक :** अग्निवीरवायु पुरुष एवं महिला उम्मीदवारों हेतु सामान्य चिकित्सा मानक निम्नानुसार है :-
(क) कद :
(i) पुरुष उम्मीदवारों हेतु : स्वीकार्य कद **152.5 से.मी.** है.
(ii) महिला उम्मीदवारों हेतु : न्यूनतम स्वीकार्य कद **152 से.मी.** है. पूर्वोत्तर अथवा उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों से संबंधित उम्मीदवारों के लिए **147 से.मी.** का एक निचला न्यूनतम कद स्वीकृत होगा. लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद **150 से.मी.** होगा.
टिप्पणी : पूर्वोत्तर/उत्तराखंड/लक्षद्वीप के पर्वतीय क्षेत्र का अधिवासी होने के लिए कद में रियायत का लाभ प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को चरण-II परीक्षा के समय पर अधिवास स्थिति के समर्थन के साथ अधिवास प्रमाणपत्र जमा करना होगा. **इसके अतिरिक्त, उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों के उम्मीदवारों को उनके अधिवास प्रमाणपत्र में पर्वतीय क्षेत्र का विशिष्ट समर्थन धारक होना चाहिए.**
(ख) वजन : कद और आयु के अनुपात में.
(ग) सीना :
(i) पुरुष उम्मीदवारों हेतु : सीना सही अनुपात में तथा अच्छी तरह विकसित होना चाहिए. सीने का न्यूनतम घेरा **77 से.मी.** तथा सीना विस्तार न्यूनतम **05 से.मी.** होना चाहिए.
(ii) महिला उम्मीदवारों हेतु : सीना सही अनुपात में तथा अच्छी तरह विकसित होने के साथ न्यूनतम **05 से.मी.** के विस्तार युक्त होना चाहिए.
(घ) श्रवण : उम्मीदवार को सामान्य श्रवण धारक अर्थात प्रत्येक कान द्वारा अलग-अलग 6 मीटर की दूरी से तेज फुसफुसाहट को सुनने में समर्थ होना चाहिए.
(ङ) दंत्य : स्वास्थ मसूड़े, अच्छे दांत तथा न्यूनतम 14 दंत्य बिंदु युक्त होना चाहिए.
(च) दृष्टि मानक

दृष्टि तीक्ष्णता	अपवर्तक त्रुटि की अधिकतम सीमायें	वर्णांधता
6/12 प्रत्येक आंख, 6/6 प्रत्येक आंख तक शोधनीय	हाइपरमेट्रोपियाः +2.0 डी मायोपिया : 1डी +0.50 डी एस्टिग्मेटिज्म सहित	सीपी-II

(छ) कोर्निया सर्जरी (पीआरके/लेसिक) स्वीकार्य नहीं है.
टिप्पणी : उम्मीदवारों को नुस्खा तथा शोधित दृष्टि हेतु ऐनक साथ लाना चाहिए, यदि प्रयोग करते हैं. नवीनतम नुस्खा में डिओप्टर मापन, नेत्र विज्ञानी की पंजीकरण संख्या, मुहर, हस्ताक्षर तथा नुस्खा की तिथि समाविष्ट होनी चाहिए, जो चिकित्सा परीक्षा में शामिल होने के पहले एक माह के अन्दर का होना चाहिए.
(ज) सामान्य स्वास्थ्य : उम्मीदवार को बगैर किसी उपांगों की क्षति के सामान्य विश्लेषण का होना चाहिए. उसको किसी सक्रिय अथवा गुप्त, तीक्ष्ण अथवा जीर्णचिकित्सीय अथवा शल्य निः शक्तता, अथवा संचारी रोग, संक्रमण तथा त्वचा रोगों से मुक्त होना चाहिए. उम्मीदवार को विश्व के किसी भी भाग में किसी भी जलवायु तथा क्षेत्र में ड्यूटी निष्पादित करने हेतु शारीरिक एवं मानसिक रूप से उपयुक्त होना चाहिए.
(झ) स्त्रीरोग संबंधित परीक्षण (महिला उम्मीदवारों के लिए) : इस परीक्षण में बाह्य जेनिटलिया, हर्निया ओरिफिसेज तथा पेरिनियम, स्ट्रेस यूरिनरी इन्कॉटिनेंस का कोई साक्ष्य अथवा इन्ट्रॉयट्स जेनिटल प्रोलैप्स आवृत होता है.
(ञ) लिंग (महिला उम्मीदवारों हेतु) : किसी उम्मीदवार को यदि बाह्य शारीरिक परीक्षण पर साक्ष्य के रूप में वितरीत लिंग का प्रमुख लक्षण धारक पाया जाता है, तो उसको अनुपयुक्त के रूप में अस्वीकृत कर दिया जायेगा. लिंग रीअसाइन्मेंट सर्जरी करा चुके किसी भी उम्मीदवार को अनुपयुक्त घोषित कर दिया जायेगा.
(ट) गर्भावस्था (महिला उम्मीदवारों के लिए): यदि किसी उम्मीदवार को गर्भवती पाया जाता है तो वह अयोग्य हो जायेगी और उम्मीदवारी अस्वीकृत कर दी जायेगी.
(ठ) चिकित्सा मानदंडों के विवरण सीएएसबी वेब पोर्टल : **https://agnipathvayu.cdac.in** पर उपलब्ध हैं.
9. **स्वापक द्रव्य तथा मनोरोग संबंधित पदार्थ का सेवन (एनडीपीएस) :** स्वापक द्रव्यों तथा मनोरोग संबंधित पदार्थों के सेवन पर एनडीपीएस अधिनियम 1985 के अन्तर्गत प्रतिबंध है और भारतीय वायु सेवा में चयन के लिए एक अस्वीकार्य मानदंड होगा. यदि अग्निवीरवायु को नामांकन के पश्चात ऐसे द्रव्यों एवं पदार्थों को अपने पास रखते हुए अथवा भंडारण अथवा वितरण अथवा सेवन करते हुए पाया जाता है तो वह भारतीय वायु सेना से सेवामुक्ति के साथ अनुशासनिक कार्रवाई का भागी होगा. भारतीय वायु सेना में मदिरापान तथा प्रतिबंधित पदार्थ की लत हेतु शून्य सहनशीलता नीति का अनुसरण किया जाता है.
10. **शारीरिक गोदना :** स्थायी शारीरिक गोदना (टैटू) की अनुमति नहीं है, यद्यपि केवल बांहों के अन्तरामुख पर (कोहनी से कलाई के अन्दर की तरफ), हाथ के पिछले (डोर्सल) भाग/हथेली के उल्टे तरफ तथा गोदना युक्त जनजातियों, जो उनकी जनजातियों की प्रथा एवं परम्पराओं के अनुरूप हैं, के ऊपर विचार किया जा सकता है. आक्रामक, अश्लील, अशिष्ट, कामुक अथवा नस्लवादी गोदनों पर, शरीर पर स्थान का ध्यान रखें बगैर, प्रतिबंध है. यद्यपि गोदना को स्वीकार्य अथवा अस्वीकार्य मानने का अधिकार चयन केंद्र के पास होगा. **स्थायी शारीरिक गोदना युक्त उम्मीदवारों को चयन के द्वितीय चरण के दौरान गोदना के आकार तथा प्रकार के विवरणों के साथ दो पोस्टकार्ड आकार की फोटो (निकट तथा दूर के) जमा करना होगा.**

सावधान, प्रतिरूपक अभियोजित किये जायेंगे.

11. **केवल सिख उम्मीदवारों** को केश बढ़ाने तथा अथवा दाढ़ी और मूंछ रखने की अनुमति होगी, जिनके धर्म में केश कटवाने अथवा दाढ़ी बनवाने पर प्रतिबंध है. तदनुसार, उन सिख उम्मीदवारों को, जो निर्धारित विनिर्देशों के अनुसार केश तथा दाढ़ी-मूंछ रखने हेतु इच्छुक हैं, दाढ़ी और मूंछ के साथ अपनी फोटो खिंचवानी होगी.

निबंधन एवं शर्तें :

12. अग्निवीरवायु को **चार वर्षों** की अवधि के लिए भारतीय वायु सेना अधिनियम 1950 के अन्तर्गत भारतीय वायु सेना में नामांकित किया जायेगा. **अग्निवीरवायु भारतीय वायु सेना में एक भिन्न रैंक में होंगे, किसी अन्य विद्यमान रैंक से अलग. भारतीय वायु सेना चार वर्षों की नियुक्ति अवधि से आगे अग्निवीरवायु को रखने के लिए बाध्य नहीं है.**
13. चार वर्षों की सेवा के समापन पर, अग्निवीरवायु को, भारतीय वायु सेना द्वारा लागू नीतियों तथा संगठन की अपेक्षाओं के आधार पर, वायुसैनिक के रूप में भारतीय वायु सेना के नियमित काडर में नामांकन के लिए आवेदन करने हेतु एक अवसर दिया जायेगा. इन आवेदनपत्रों पर, उनकी चार वर्षों की नियुक्ति अवधि के दौरान उनके निष्पादन सहित, उद्देश्य मानदंड के आधार पर केंद्रीयकृत विधि के अन्तर्गत विचार किया जायेगा और अग्निवीरवायु के प्रत्येक विशिष्ट बैच के 25% तक को भारतीय वायु सेना में नियमित काडर में नामांकित किया जायेगा. **अग्निवीरवायु के पास भारतीय वायु सेना में आगे नामांकन के लिए चयनित किये जाने हेतु कोई अधिकार नहीं होगा. आगे के नामांकन हेतु, यदि कोई, अग्निवीरवायु का चयन भारत सरकार के विवेकानुसार होगा.**
14. **नियोज्यता**. इस प्रविष्टि के अधीन नामांकित अग्निवीरवायु भारतीय वायु सेना के विवेकानुसार संगठनात्मक हित में कोई भी ड्यूटी सौंपे जाने के भागी होंगे.
15. **प्रशिक्षण**. नामांकित होने पर, अग्निवीरवायु को भारतीय वायु सेना की अपेक्षाओं के आधार पर सैन्य प्रशिक्षण दिया जायेगा.
16. **अवकाश**. अवकाश की स्वीकृति भारतीय वायु सेना की तात्कालिक आवश्यकताओं के अधीन होगी. अग्निवीरवायु हेतु उनकी नियुक्ति अवधि के दौरान निम्नांकित अवकाश लागू होगा :-

(क) **वार्षिक अवकाश**– 30 दिन प्रतिवर्ष.

(ख) **अस्वस्थता अवकाश**. सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा चिकित्सीय सलाह के आधार पर.

17. **चिकित्सा तथा सीएसडी सुविधायें**. भारतीय वायु सेना में अपनी नियुक्ति अवधि के दौरान, अग्निवीरवायु सेवा अस्पतालों में चिकित्सा सुविधा के साथ-साथ सीएसडी प्रावधानों हेतु हकदार होंगे.
18. **वेतन, भत्ते तथा संबद्ध हितलाभ**. इस योजना के अधीन नामांकित अग्निवीरवायु को एक अग्निवीर पैकेज रु. 30,000/- प्रतिमाह, स्थिर वार्षिक वेतनवृद्धि के साथ, भुगतान किया जायेगा. इसके अतिरिक्त, जोखिम तथा कठिनाई भत्ता (भा.वा.से. में लागू अनुसार), वर्दी एवं यात्रा भत्ता भुगतान किया जायेगा. अनुलब्धियां जैसे राशन, वस्त्र, आवास तथा अवकाश यात्रा रियायत (एलटीसी) भी लागू नियमानुसार उपलब्ध की जायेंगी.
19. **सेवांत हितलाभ-सेवा निधि पैकेज**. अग्निवीरवायु को एक बारगी '**सेवानिधि**' पैकेज दिया जायेगा, जिसमें उनका मासिक अंशदान, उनकी नियुक्ति के समापन पर सरकार द्वारा अनुरूप अंशदान सहित नीचे निदर्शितानुसार शामिल होगा :-

वर्ष	प्रचलित पैकेज (मासिक)	हाथ में (70%)	अग्निवीर कोर निधि में अंशदान (30%)	भारत सरकार द्वारा कोर निधि में अंशदान
सभी आंकड़े रु. में (मासिक अंशदान) (अनुमानतः)				
प्रथम वर्ष	30,000/-	21,000/-	9,000/-	9,000/-
द्वितीय वर्ष	33,000/-	23,100/-	9,900/-	9,900/-
तृतीय वर्ष	36,500/-	25,500/-	10,950/-	10,950/-
चतुर्थ वर्ष	40,000/-	28,000/-	12,000/-	12,000/-
सभी आंकड़े रु. में (मासिक अंशदान) (अनुमानतः)				
चार वर्षों के पश्चात अग्निवीर कोर निधि में कुल अंशदान			रु. 5.02 लाख	रु. 5.02 लाख
4 वर्षों के पश्चात निकास	अनुमानतः रु. 10.04 लाख सेवा निधि पैकेज के रूप में (संपूर्ण राशि ब्याज को छोड़कर)			

टिप्पणी 1 : अग्निवीरवायु को भारतीय वायु सेना में किसी भविष्य निधि में अंशदान करना अपेक्षित नहीं होगा.
टिप्पणी 2: उपदान तथा किसी प्रकार के पेंशन हितलाभों हेतु कोई हकदारी नहीं होगी.

20. **बीमा, मृत्यु तथा निःशक्तता प्रतिपूर्ति** : अग्निवीरवायु को भारतीय वायु सेना में अग्निवीरवायु के रूप में उनकी नियुक्ति अवधि की मियाद हेतु रु. 48 लाख का गैर-अंशदायी जीवन बीमा आवरण प्रदान किया जायेगा. अग्निवीरवायु भारतीय वायु सेना हेतु पेंशन विनियमों/नियमों में समाविष्ट प्रावधानों द्वारा शासित नहीं होंगे. मृत्यु/निःशक्तता प्रतिपूर्ति के विवरणों हेतु **https://agnipathvayu.cdac.in** पर लॉगऑन करें.
21. **'अग्निवीर कौशल प्रमाणपत्र'**: नियुक्ति अवधि की समाप्ति पर, अग्निवीरवायु को उनकी नियुक्ति अवधि के दौरान कार्मिक द्वारा अर्जित सक्षमता के स्तर और कौशल को रेखांकित करते हुए एक विस्तृत कौशल-सेट प्रमाणपत्र प्रदान किया जायेगा.
22. **भू.पू.सै. श्रेणी हेतु हकदार नहीं** : इस योजना के अन्तर्गत नामांकित अग्निवीरवायु चार वर्षों की नियुक्ति अवधि के समापन पर अपनी सेवा-मुक्ति के पश्चात भूतपूर्व सैनिक श्रेणी हेतु पात्र नहीं होंगे.
23. अग्निवीरवायु को चार वर्षों की नियुक्ति अवधि के दौरान सेना/नौसेना/भा.वा.से. में कमीशनिंग के लिए किसी परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति नहीं दी जायेगी, जब तक कि उन्होंने नामांकित होने से पूर्व उक्त परीक्षा हेतु आवेदन नहीं कर दिया है.
24. अग्निवीरवायु के लिए नियुक्ति अवधि के समापन से पूर्व अपने निजी अनुरोध पर निर्मुक्ति की अनुमति नहीं दी जायेगी. यद्यपि, अपवाद-स्वरूप मामलों में अग्निवीरवायु के रूप में नामांकित कार्मिक को सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के साथ निर्मुक्त किया जा सकता है.

परीक्षा का अनुक्रम

चरण-I तथा चरण-II के दौरान परीक्षा क्षेत्र में मोबाइल फोन/स्मार्ट घड़ियों/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर प्रतिबंध है. मोबाइल फोन/इलेक्ट्रॉनिक उपकरण रखे हुए पाये गये उम्मीदवारों को स्थायी रूप से विवर्जित कर दिया जायेगा.

चरण-I

25. **ऑनलाइन परीक्षा** : पात्र उम्मीदवारों को परीक्षा के पहले 48-72 घंटे के बीच उनके पंजीकृत ई-मेल आईडी पर परीक्षा के चरण-I हेतु प्रवेश पत्र प्रेषित किये जायेंगे. उम्मीदवारों को प्रवेश पत्र डाउनलोड करना होगा, एक रंगीन प्रिंट आउट लेना होगा और उसको परीक्षा केंद्र में साथ लाना होगा. उम्मीदवारों को एक अग्रिम तिथि पर जगह परीक्षा तिथि के बारे में सूचित किया जायेगा ताकि वे अपनी यात्रा की योजना बनाने में समर्थ हो सकें. इस अनंतिम प्रवेश पत्र को उम्मीदवार भी सीएएसबी वेब पोर्टल **https://agnipathvayu.cdac.in** पर उम्मीदवार लॉग-इन के अधीन डाउनलोड किया जा सकता है. अनंतिम प्रवेश पत्र धारक सभी उम्मीदवार अपने प्रवेशपत्र के अनुसार आवंटित/नामोदिष्ट केंद्रों पर ऑनलाइन परीक्षा देंगे, ऑनलाइन परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार की होगी और प्रश्न द्विभाषिक (अंग्रेजी तथा हिंदी) होंगे, अंग्रेजी प्रश्नपत्र को छोड़कर. उम्मीदवारों को चरण-I परीक्षा के लिए एक नीली/काली पेन तथा मूल **आधार कार्ड** अपने साथ लाना होगा. परीक्षा के विवरण निम्नानुसार हैं :-

(क) **विज्ञान विषय** : ऑनलाइन परीक्षा की कुल अवधि 60 **मिनट** होगी और उसमें 10+2 सीबीएसई पाठ्य-विवरण के अनुसार **भौतिक विज्ञान, गणित तथा अंग्रेजी शामिल** होगी.

(ख) **विज्ञान विषयों की बजाय अन्य** – ऑनलाइन परीक्षा की कुल अवधि 45 मिनट होगी और उसमें 10+2 सीबीएसई पाठ्य-विवरण के अनुसार अंग्रेजी तथा तर्कण एवं सामान्य जागरूकता (आरएजीए) शामिल होगी.

(ग) ऑनलाइन परीक्षा हेतु अंकन प्रतिमान :-

(i) प्रत्येक सही उत्तर के लिए एक अंक.

(ii) अनुत्तरित प्रश्न हेतु शून्य (0) अंक.

(iii) प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 0.25 अंक काटे जायेंगे.

सावधान, प्रतिरूपक अभियोजित किये जायेंगे.

टिप्पणी : उपरोक्त परीक्षा प्रणाली को उम्मीदवारों की योग्यता के आधार पर चयन प्रक्रिया को सरल बनाने हेतु अभिकल्पित किया गया है. इस प्रविष्टि के अन्तर्गत नामांकित अग्निवीरवायु परीक्षा प्रणाली पर ध्यान दिये बगैर भारतीय वायु सेना के विवेकानुसार संगठनात्मक हित में कोई भी ड्यूटी सौंपे जाने हेतु भागी होंगे.

26. स्टार चरण-I परीक्षा में उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त अंकों को विभिन्न सत्रों के दौरान प्रश्न पत्रों के कठिनाई स्तरों में भिन्नता को ध्यान में लेने हेतु वेबसासट **https://agnipathvayu.cdac.in** पर प्रकाशितानुसार सूत्र का प्रयोग करते हुए 'सामान्यीकृत' किया जायेगा. उम्मीदवारों को ध्यान रखना होगा कि स्टार चरण-II परीक्षा के उम्मीदवारों के लघुसूचीयन विच्छेदक का अनुप्रयोग तथा चयन वास्ते अन्तिम मेरिट सूची तैयार करना 'सामान्यीकृत अंकों' पर आधारित होगा और न कि स्टार चरण-II परीक्षा में उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त 'वास्तविक अंकों' के आधार पर. इसके अतिरिक्त, सामान्यीकरण के पश्चात उम्मीदवार द्वारा एक विषय में प्राप्त अंक वास्तविक अंकों की अपेक्षा कम/अधिक हो सकते हैं तथा अपवाद-स्वरूप मामलों में उस विषय के प्रारंभिक अंकों से अधिक हो सकते हैं.
27. उम्मीदवारों को विज्ञान विषयों तथा विज्ञान की बजाय अन्य विषयों में सामान्यीकृत अंकों के साथ प्रत्येक प्रश्नपत्र में पृथक रूप से उत्तीर्ण होना होगा. चरण-I का परिणाम तथा चरण-I ऑनलाइन परीक्षा में उनके निष्पादन के आधार पर चरण-II हेतु लघु सूचीयन को उम्मीदवार की व्यक्तिगत लॉग-इन आईडी **https://agnipathvayu.cdac.in** में अपलोड किया जायेगा.

चरण-II

28. चरण-I (ऑनलाइन) परीक्षा के परिणाम की घोषणा के पश्चात चरण-I में उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त सामान्यीकृत अंकों पर एक विच्छेद का अनुप्रयोग किया जायेगा और लघुसूचीकृत उम्मीदवारों को नामोद्दिष्ट एएससी पर चरण-II परीक्षा के लिए उनके पंजीकृत ई-मेल आईडी पर एक नवीन प्रवेश पत्र भेजा जायेगा. चरण-II परीक्षा हेतु इस प्रवेश पत्र को सीएएसबी वेब पोर्टल **https://agnipathvayu.cdac.in** पर उम्मीदवारों की लॉग-इन के अधीन ऑनलाइन डाउनलोड भी किया जा सकता है. उम्मीदवारों को निम्नांकित के साथ नामोद्दिष्ट एएससी पर चरण-II हेतु निर्धारित तिथि एवं समय पर प्रतिवेदन करना होगा :

(क) चरण-II प्रवेश पत्र का प्रिंट आउट.

(ख) ऑनलाइन पंजीकरण के समापन पर विधिवत भरे गये आवेदन प्रपत्र का डाउनलोड किया गया रंगीन प्रिंट आउट.

(ग) एचबी पेंसिल, रबर, शार्पनर, ग्लूस्टिक, स्टैपलर तथा लेखन हेतु काली/नीली बॉल प्वाइंट पेन.

(घ) गैर-सत्यापित पासपोर्ट आकार की रंगीन फोटो की आठ प्रतियां (जिसका प्रयोग ऑनलाइन आवेदन पत्र के पंजीकरण के लिए किया गया है).

(ङ) मैट्रिक उत्तीर्ण होने के प्रमाणपत्र की मूल तथा चार स्वयं-सत्यापित फोटो प्रतियां (उम्मीदवार का नाम, पिता का नाम तथा उनकी जन्म तिथि के सत्यापन हेतु अपेक्षित हैं).

(च) मैट्रिक अंक पत्र की मूल तथा चार स्वयं-सत्यापित फोटो प्रतियां (केवल तीन वर्षीय डिप्लोमा/दो वर्षीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम धारकों हेतु लागू, जहां डिप्लोमा/व्यावसायिक पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय नहीं है).

(छ) माध्यमिक/10+2/समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होने के प्रमाणपत्र और अंकपत्र की मूल तथा चार स्वयं-सत्यापित फोटो प्रतियां.

अथवा

तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम उत्तीर्ण होने के प्रमाणपत्र तथा सभी सत्रकों के अंकपत्रों की मूल तथा चार स्वयं-सत्यापित फोटो प्रतियां.

अथवा

दो वर्षीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम उत्तीर्ण होने के प्रमाणपत्र तथा सभी अंकपत्रों, अंग्रेजी, भौतिक विज्ञान तथा गणित विषयों के साथ गैर-व्यावसायिक पाठ्यक्रमों सहित, की मूल तथा चार स्वयं-सत्यापित फोटो प्रतियां.

(ज) सीओएएफपी (वायु सेना कार्मिक के बच्चों), हेतु प्रमाणपत्र सेवारत/सेवानिवृत्त/मृतक वायु सेना सिविलियन कर्मचारियों-जिन्हें रक्षा आकलन भुगतान किया जा चुका है, के बच्चों हेतु प्रमाणपत्र सहित, जिसको मामले के अनुसार सीएएसबी वेब पोर्टल के डाउनलोड खंड से डाउनलोड करना होगा और चरण-II परीक्षा हेतु प्रतिवेदन करते समय साथ लाना होगा.

(झ) चरण-I के दौरान प्रयुक्त मूल चरण-I प्रवेश पत्र, जिसके ऊपर वायु सेना की मुहर तथा अन्वीक्षक का हस्ताक्षर अंकित है.

(ञ) एनसीसी 'ए', 'बी' अथवा 'सी' प्रमाणपत्र की मूल तथा चार स्वयं-सत्यापित फोटो प्रतियां, (यदि लागू).

टिप्पणी: मूल एनसीसी प्रमाणपत्र में क्रम सं., जारीकर्ता प्राधिकारी की गोल मुहर तथा हस्ताक्षर करने वाले प्राधिकारी की मुहर अवश्य होनी चाहिए. प्रमाणपत्र पर चिपकायी गयी फोटो जारीकर्ता प्राधिकारी द्वारा मुहर के साथ सत्यापित अवश्य होनी चाहिए.

टिप्पणी : किसी भी कारण से भारतीय वायु सेवा से सेवामुक्त किये गये उम्मीदवार चयन परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए पात्र नहीं है.

29. **अतिरिक्त कौशल/योग्यतायें/उपलब्धियां** : क्षेत्र में किसी अतिरिक्त कौशल/योग्यतायें/ उपलब्धियों युक्त उम्मीदवारों को, सूचना प्रौद्योगिकी, मोटर वाहन चालन/अनुरक्षण, आतिथ्य, संभारतंत्र, लेखाकरण, खानपान प्रबंध, वेल्डिंग, टंकण कौशल खेल इत्यादि सहित किन्तु सीमित नहीं, चरण-II बुलावा पत्र के साथ उपलब्ध किये गये लिंक द्वारा अनुसमर्थन प्रमाणपत्र/प्रलेख अपलोड करने होंगे और उन्हें चरण-II परीक्षा के समय पर प्रस्तुत भी करना होगा.
30. **पात्रता का सत्यापन** : उम्मीदवारों को चयन परीक्षा के लिए सम्मिलित होते समय उपरोक्त पैरा 28 तथा 29 में उल्लेखित प्रलेख अपने पास रखना चाहिए, जिसको प्रथम दृष्ट या पात्रता के निर्धारण हेतु चरण-II के प्रारंभ होने से पूर्व संवीक्षित/सत्यापित किया जायेगा. उपरोक्त पैरा 28 तथा 29 में सूचीबद्ध सभी प्रलेखों का विस्तृत सत्यापन ऐसे उम्मीदवारों के संबंध में निष्पादित किया जायेगा, जो शारीरिक उपयुक्तता परीक्षा में उत्तीर्ण होंगे. जो उम्मीदवार निर्धारित शैक्षिक मानदंड पूरा नहीं करते हैं, उनकी उम्मीदवारी मूल प्रमाणपत्रों एवं अंकपत्रों के प्रारंभिक सत्यापन के दौरान तथा एएससी में विस्तृत सत्यापन के दौरान भी निरस्त कर दी जायेगी.

टिप्पणी–1 : सीओएएफपी के मामले में, सेवामुक्ति पुस्तिका/सेवा पुस्तिका/सेवा विवरण प्रमाणपत्र/ कैजुअलिटी प्रमाणपत्र (यथा लागू) में उल्लेखितानुसार उम्मीदवार का नाम, माता-पिता का नाम तथा उम्मीदवार की जन्म तिथि अनिवार्य रूप से वही होनी चाहिए, जैसा कि उम्मीदवार के मैट्रिक उत्तीर्ण प्रमाणपत्र में दर्शाया गया है.

सावधान, प्रतिरूपक अभियोजित किये जायेंगे.

टिप्पणी.2: उम्मीदवारों को किसी भी परिस्थितियों के अन्तर्गत उपरोक्त पैराग्राफ28 में दर्शाये गये मूल शैक्षिक अंकपत्रों/उत्तीर्णता प्रमाणपत्रों एवं प्रलेखों के बगैर चयन परीक्षा के चरण-II में सम्मिलित होने की अनुमति नहीं दी जायेगी. यद्यपि, शैक्षिक अंक पत्रों/उत्तीर्णता प्रमाणपत्रों की फोटो प्रतियों के साथ उम्मीदवारों को अपने कालेज/विद्यालय के प्रधानाचार्य से प्राप्त एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर ही चयन परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी जा सकती है, जिसमें यह प्रमाणित किया गया है कि शैक्षिक प्रमाणपत्र/अंकपत्र कॉलेज/विद्यालय के पास जमा किये गये हैं. अपवाद-स्वरूप मामलों में डिजिलॉकर सत्यापित प्रमाणपत्र स्वीकार किये जायेंगे और उम्मीदवारों को सीएसवी (प्रमाणपत्र सत्यापन के अधीन) स्थिति के साथ जारी किया जायेगा. उम्मीदवारों को तत्पश्चात सीएसवी स्थिति स्पष्ट करने हेतु सीएसबी जारी होने की तिथि से एक माह के अन्दर निकटतम एएससी के पास मूल प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने होंगे.

टिप्पणी.3 : मूल उत्तीर्णता प्रमाणपत्रों/अंकपत्रों को चयन केंद्र द्वारा अपने पास नहीं रखा जायेगा. उन्हें विस्तृत सत्यापन के समापन पर उम्मीदवारों को वापस कर दिया जायेगा.

टिप्पणी-4 : अंकपत्र की इंटरनेट प्रति स्वीकार्य नहीं है.

टिप्पणी-5 : उम्मीदवारों को चरण-I तथा चरण-II के लिए जारीकृत प्रवेश पत्र पर किसी कच्चा (रफ) कार्य करने अथवा कहीं भी कुछ भी लिखने से कड़ाई के साथ प्रतिबंधित किया गया है. ऐसे उम्मीदवारों को स्थायी रूप से बाधित कर दिया जायेगा.

31. **शारीरिक उपयुक्तता परीक्षा (पीएफटी) :** लघुसूचीकृत उम्मीदवारों के नाम, जो ऑनलाइन परीक्षा में सफल होंगे, सीएएसबी वेब पोर्टल **https://agnipathvayu.cdac.in** पर प्रदर्शित होंगे और उन्हें निर्धारित तिथि को शारीरिक उपयुक्तता परीक्षा (पीएफटी) तथा अनुकूलनीयता परीक्षा-II हेतु नामोद्दिष्ट एएससी पर बुलाया जायेगा. पीएफटी में दो भाग पीएफटी-I तथा पीएफटी-II शामिल होंगे.

पीएफटी-I : उम्मीदवारों को पीएफटी-II हेतु सफल होने के लिए निम्नांकित समयक्रम के अनुसार 1.6 कि.मी. की दौड़ पूरी करनी होगी :-

परीक्षा	अधिकतम अनुमत्य समय	
	पुरुष उम्मीदवार	महिला उम्मीदवार
1.6 कि.मी. दौड़	07 मिनट के अन्दर	08 मिनट के अन्दर

पीएफटी-II पीएफटी-I में सफल होने वाले उम्मीदवारों को 10 मिनट के स्वास्थ्य-लाभ समय के पश्चात पीएफटी-II से गुजरना होगा. पुरुष तथा महिला उम्मीदवारों के लिए कसरत का क्रम तथा अधिकतम समयावधि निम्नानुसार है :

पुरुष उम्मीदवार

परीक्षा	अधिकतम समय अवधि	टिप्पणी
10 पुश अप	01 मिनट	परीक्षा दौड़ समाप्त होने पर 10 मिनट के अन्तराल के पश्चात संचालित होगी.
10 दंड-बैठक	01 मिनट	परीक्षा 10 पुश-अप के समाप्त होने पर 02 मिनट के अन्तराल के पश्चात संचालित होगी.
20 स्क्वैट्स	01 मिनट	परीक्षा 10 दंड बैठक के समाप्त होने पर 02 मिनट के अन्तराल के पश्चात संचालित होगी.

महिला उम्मीदवार

परीक्षा	अधिकतम समय अवधि	टिप्पणी
10 दंड-बैठक	01 मिनट और 30 सेकेंड	परीक्षा दौड़ समाप्त होने पर 10 मिनट के अन्तराल के पश्चात संचालित होगी.
15 स्क्वैट्स	01 मिनट	परीक्षा 10 दंड बैठक के समाप्त होने पर 02 मिनट के अन्तराल के पश्चात संचालित होगी.

टिप्पणी : उम्मीदवारों को सलाह है, कि वे अपने स्पोर्ट्स शूज तथा शॉर्ट्स/ट्रैक पैंट साथ लायें. पुश-अप, दंड-बैठक तथा स्क्वैट्स हेतु प्रत्याशित तकनीक पर विस्तृत प्रक्रिया सीएएसबी वेब पोर्टल https://agnipathvayu.cdac.in पर उपलब्ध है.

32. उम्मीदवारों को भा.वा.से. में चयन के लिए शारीरिक उपयुक्तता परीक्षा/चिकित्सा परीक्षा में सम्मिलित होने से पूर्व एक सहमति प्रपत्र पर हस्ताक्षर करना होगा. वे अपने निजी जोखिम पर इन परीक्षाओं में शामिल होंगे/होंगी, और उन्हें ऐसी परीक्षाओं के दौरान लगने वाली चोट/हताहत, यदि कोई, हेतु भा.वा.से. द्वारा किसी प्रतिपूर्ति का भुगतान नहीं किया जायेगा. 18 वर्ष से कम आयु के उम्मीदवारों के माता-पिता/अभिभावक को सहमति प्रपत्र पर हस्ताक्षर करना होगा. सहमति प्रपत्र चरण-II प्रवेश पत्र के साथ संलग्न होगा.

33. **अनुकूलनीयता परीक्षा-II :** शारीरिक उपयुक्तता परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले सभी उम्मीदवारों को प्रचलित नीति के अनुसार अनुकूलनीयता परीक्षा-II में शामिल होना होगा. अनुकूलनीयता परीक्षा-II उम्मीदवारों के चयन के लिए है, जो भारतीय वायुसेना के वातावरण को अंगीकृत कर सकते हैं तथा सैन्य जीवन शैली में समायोजित होने में समर्थ हैं.

चरण-III

34. **चिकित्सा परीक्षा :** अनुकूलनीयता परीक्षा-II में सफल होने वाले उम्मीदवारों को संबंधित एएससी पर चिकित्सा नियतन पत्र जारी किया जायेगा. चिकित्सा परीक्षा वायु सेना चिकित्सा दल द्वारा विषयगत मुद्दे पर प्रचलित नीति तथा भा.वा.से. चिकित्सा मानदंडों के अनुसार संचालित की जायेगी. चिकित्सा परीक्षा में निम्नांकित आधार-पंक्ति जांच भी शामिल होंगी :-

(क) रक्त हेमोग्राम-एचबी, टीएलसी, डीएलसी
(ख) मूत्र आर्ई/एमई
(ग) जैव रसायनविज्ञान
(i) रक्त शर्करा फास्टिंग एवं पीपी
(ii) सीरम कोलस्ट्रॉल
(iii) यूरिया, यूरिक एसिड, क्रिएटिनिन
(iv) एलएफटी-सीरम बिलरुबिन, एसजीओटी, एसजीपीटी
(घ) एक्सरे सीना (पीए व्यू)
(ङ) निचले एब्डोमेन तथा पेल्विस की अल्ट्रासोनोग्राफी (केवल महिला उम्मीदवारों के लिए)
(च) ईसीजी (आर)
(छ) चिकित्सा अधिकारी की राय में आवश्यक कोई अन्य परीक्षण.

चिकित्सीय रूप से अनुपयुक्त घोषित उम्मीदवार अपनी अनुपयुक्तता के विरुद्ध 'अपील चिकित्सा बोर्ड' (एएमबी) हेतु विकल्प का प्रयोग, इलेक्ट्रॉनिक, मिलिटरी रिसीवेबल ऑर्डर (ई-एमआरओ)/ मिलिटरी रिसीवेबल ऑर्डर (एमआरओ) द्वारा एक सरकारी ट्रेजरी/आरबीआई/एसबीआई में रु. 40/- जमा करके, कर सकते हैं. एएमबी हेतु आवेदनपत्र ई-एमआरओ/एमआरओ की मूल प्रति, अनुपयुक्तता प्रमाणपत्र की फोटो प्रति के साथ चिकित्सा परीक्षा के तीन कार्य दिवसों के अन्दर एएससी के प्रतिनिधि के पास जमा करना होगा.

35. भर्ती चिकित्सा अधिकारी तथा सशस्त्र बलों के विशेषज्ञ चिकित्सक नामांकन से पूर्व प्रारंभिक चिकित्सा परीक्षा, अपील चिकित्सा बोर्ड तथा चिकित्सा परीक्षण के दौरान उम्मीदवार को उपयुक्त अथवा अनुपयुक्त घोषित करने हेतु अन्तिम प्राधिकारी है. उम्मीदवार सशस्त्र बल मानदंडों द्वारा शासित होंगे जो सिविल मानदंडों से भिन्न हो सकते हैं. अपील चिकित्सा बोर्ड के पश्चात अभिवेदन अथवा समीक्षा हेतु कोई प्रावधान नहीं है.

टिप्पणी-1: उम्मीदवारों को सलाह है कि वे चिकित्सा परीक्षा हेतु सम्मिलित होने से पूर्व अपने दांतों से पपड़ी तथा धब्बे साफ करा लें. कान खूंट रहित होने चाहिए. उम्मीदवारों को चिकित्सा परीक्षा के लिए अपने निजी प्रबंध पर चार से पांच दिनों हेतु ठहरने वास्ते तैयार रहना चाहिए. कोई या.भ./दै.भ. स्वीकार्य नहीं होगा.

टिप्पणी-2 : चिकित्सा परीक्षा में उत्तीर्ण होना भारतीय वायु सेना में रोजगार हेतु कोई गारंटी नहीं है.

टिप्पणी-3 : चिकित्सा परीक्षा केंद्र अथवा चिकित्सा परीक्षा की तिथि में परिवर्तन हेतु अनुरोध पर विचार नहीं किया जायेगा.

कैसे आवेदन करें

36. उम्मीदवारों को **https://agnipathvayu.cdac.in** पर लॉग-इन करके ऑनलाइन आवेदनपत्र भरना होगा.

37. ऑनलाइन पंजीकरण के दौरान, संबंधित उम्मीदवारों द्वारा लागू अनुसार निम्नलिखित प्रलेख अपलोड करने होंगे :

(क) कक्षा 10वीं/मैट्रिक उत्तीर्ण होने का प्रमाणपत्र.
(ख) माध्यमिक/10+2 अथवा समकक्ष अंकपत्र.
(ग) उच्चतर शैक्षिक योग्यता/अतिरिक्त कौशल प्रमाणपत्र, यदि कोई.

अथवा

3 वर्षीय अभियांत्रिकी डिप्लोमा अन्तिम वर्ष अंकपत्र (यदि निर्धारित शाखा में सरकारी मान्यताप्राप्त पोलीटेक्निक से 3 वर्षीय अभियांत्रिकी डिप्लोमा के आधार पर आवेदन कर रहे हैं) तथा माध्यमिक/मैट्रिक अंकपत्र (यदि डिप्लोमा पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय नहीं है).

अथवा

गैर-व्यावसायिक पाठ्यक्रम के 2 वर्षीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम का अंकपत्र अंग्रेजी, भौतिक विज्ञान तथा गणित विषयों के साथ.

(घ) पासपोर्ट आकार की नवीनतम रंगीन फोटो (**दिसंबर 2023** से पहले नहीं ली गयी हो) आकार 10 केबी से 50 केबी (सामने की फोटो हल्की पृष्ठभूमि में बगैर फेसमास्क तथा हेड गीयर्स सिखों को छोड़कर). फोटो उम्मीदवार द्वारा अपने सीने के सामने एक काली स्लेट पकड़कर ली जानी है, जिसके ऊपर बड़े अक्षरों में सफेद चाक के साथ स्पष्ट रूप से उसका नाम तथा फोटो लिये जाने की तिथि लिखी होनी चाहिए. फोटो की तुलना में चेहरे में परिवर्तन जैसे दाढ़ी बढ़ाना, हेड गीयर इत्यादि का परिणाम स्टार ऑनलाइन परीक्षा तथा चरण-II हेतु उम्मीदवारी का निरसन हो सकता है.
(ङ) उम्मीदवार के बायें हाथ के अंगूठे की छाप (आकार 10 केबी से 50 केबी).
(च) उम्मीदवार के हस्ताक्षर की छाप (आकार 10 केबी से 50 केबी).
(छ) उम्मीदवार के अभिभावक (माता/पिता)/संरक्षक के हस्ताक्षर की छाप (यदि उम्मीदवार ऑनलाइन आवेदनपत्र भरने की तिथि को 18 वर्ष से कम आयु का है).

38. **परीक्षा शुल्क :** ऑनलाइन परीक्षा के लिए पंजीकरण करते समय उम्मीदवार को परीक्षा शुल्क रु. 550/- + जीएसटी का ऑनलाइन भुगतान करना होगा. भुगतान डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड/इन्टरनेट बैंकिंग द्वारा भुगतान गेटवे के माध्यम से किया जा सकता है. उम्मीदवारों को सलाह है कि भुगतान गेटवे पर दिये गये अनुदेशों/कदमों का अनुसरण करें तथा अपने रिकॉर्ड के लिए लेनदेन विवरण का प्रिंट भी लेकर अपने पास रखें.

39. **बहु भुगतानों की वापसी :** यदि एकल आवेदनपत्र के समक्ष उम्मीदवार से बहु भुगतान प्राप्त हो जाते हैं तो उसको पंजीकरण के समापन तथा सभी भुगतान रिकॉर्डों के समाधान के पश्चात उसी मूल खाता में वापस प्रतिभुगतान कर दिया जायेगा. यद्यपि, यदि उम्मीदवार को बहु आवेदनपत्र भरे हुए पाया गया है तो केवल एक आवेदनपत्र स्वीकार किया जायेगा और अन्य आवेदन पत्रों के संबंध में राशि को भर्ती प्रक्रिया हेतु विचारित नहीं किया जायेगा और उसको वापस नहीं किया जायेगा. एक बार भुगतान की गयी राशि किसी भी परिस्थितियों में वापस नहीं की जायेगी और उसको किसी अन्य परीक्षा अथवा चयन के लिए आरक्षित में नहीं रखा जायेगा.

40. उम्मीदवार के पास सफलतापूर्वक ऑनलाइन पंजीकरण के लिए अपना/अपनी वैध ई-मेल आईडी तथा मोबाइल नंबर अवश्य होना चाहिए.

41. उम्मीदवार को ऑनलाइन आवेदनपत्र में आधार नंबर प्रविष्ट करना चाहिए. जम्मू एवं कश्मीर, लद्दाख, असम तथा मेघालय के उम्मीदवारों को उसके लिए छूट है, यदि उनके पास आधार कार्ड नहीं है.

42. उम्मीदवारों को अनंतिम प्रवेश पत्र के रंगीन प्रिंट आउट के साथ परीक्षा केंद्र में आना है. उम्मीदवारों को ऑनलाइन परीक्षा में शामिल होने से बाधित कर दिया जायेगा, यदि परीक्षा स्थल पर प्रारंभिक सत्यापन के दौरान अथवा चयन प्रक्रिया के किसी बाद के चरण में विसंगति/अनियमिततायें/गलत सूचना देखी जाती है.

43. उम्मीदवारों को चयन परीक्षा (चरण-I तथा II) एवं चिकित्सा परीक्षा के लिए प्रतिवेदन करते समय पहचान के साक्ष्य के रूप में अपना आधार कार्ड (जैसा उनके प्रवेश पत्र में दर्शित है) साथ लाना चाहिए. जम्मू एवं कश्मीर, लद्दाख, असम तथा मेघालय के उम्मीदवारों को कोई अन्य वैध पहचान साक्ष्य साथ लाना होगा, यदि उनके पास आधार कार्ड नहीं है.

44. अपेक्षित शैक्षिक योग्यता तथा शारीरिक चिकित्सा मानदंडों के बारे में विवरण सीएएसबी वेब पोर्टल **https://agnipathvayu.cdac.in** पर उम्मीदवार की लॉग-इन पर उपलब्ध है और इस सूचना को उम्मीदवार द्वारा बगैर इसमें हस्ताक्षर किये देखा जा सकता है.

सामान्य:

45. **उम्मीदवारों हेतु सामान्य अनुदेश निम्नानुसार हैं :** -

(क) उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन प्रपत्र भरते समय अधिमान के क्रम में स्टार ऑनलाइन परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र के पांच विकल्प तथा चरण-II हेतु एएससी के 13 विकल्प अवश्य निदर्शित करना चाहिए. यद्यपि, सीएएसबी आवेदनपत्र में दर्शाये गये केंद्रों की बजाय कोई अन्य केंद्र आवंटित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है.
(ख) **परीक्षा केंद्र अथवा चयन परीक्षा की तिथि के परिवर्तन हेतु अनुरोध पर विचार नहीं किया जायेगा.**
(ग) नियत तिथि तथा समय पर परीक्षा के लिए प्रतिवेदन नहीं करने वाले उम्मीदवारों को अन्य तिथियों/पालियों में शामिल नहीं किया जायेगा.
(घ) अनुलिपि में/अपूर्ण/त्रुटिपूर्वक भरे गये आवेदनपत्र अस्वीकृत कर दिये जायेंगे.
(ङ) **उम्मीदवारों को अपने निजी प्रबंध के अन्तर्गत परीक्षाओं की संपूर्ण अवधि के लिए ठहरने हेतु तैयार रहना चाहिए. कोई यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता स्वीकार्य नहीं होगा.**
(च) **उम्मीदवारों को एक सक्रिय ई-मेल आईडी उपलब्ध करानी होगी, जिसको सीएएसबी द्वारा विशेष अन्तर्ग्रहण के लिए नामांकन तथा संपूर्ण चयन प्रक्रिया के पूरा होने तक सभी पत्रव्यवहारों हेतु प्रयोग किया जायेगा. यह भी सलाह दी जाती है कि ई-मेल आईडी तथा पासवर्ड को सभी भावी पत्रव्यवहारों के लिए संरक्षित रखें.**

विद्यार्थियों को दें विक्रमादित्य की न्यायप्रियता और शौर्य की जानकारी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल में विक्रम उत्सव-2024 के आयोजन संबंधी बैठक को संबोधित करते हुए

भोपाल, उज्जैन में 8 मार्च से 9 अप्रैल तक आयोजित होने वाले विक्रम उत्सव-2024 का आयोजन भव्य स्वरूप में किया जायेगा। महाशिवरात्रि से वर्ष प्रतिपदा की अवधि में होने वाले विक्रम उत्सव में उज्जैन सहित निकटवर्ती जिलों के नागरिक भी शामिल होंगे। मेले में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के सहयोग से भी ज्ञान और मनोरंजन के उद्देश्य से अनेक गतिविधियों का आयोजन होगा। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में विक्रम उत्सव-2024 के आयोजन संबंधी बैठक को संबोधित करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सम्राट विक्रमादित्य की न्यायप्रियता, दानशीलता, उनके शौर्य और खगोल शास्त्र के ज्ञान से आमजन, विशेषकर विद्यार्थियों को अवगत करवाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी महीनों में उज्जैन में व्यापार मेला भी लगेगा, जिसमें विभिन्न सेक्टर में उत्पादों के विक्रय की व्यवस्था होगी। व्यापार मेले में विविध सांस्कृतिक आयोजन होंगे।

मुख्यमंत्री ने सम्राट विक्रमादित्य के जीवन के विभिन्न आयामों से परिचित करवाने वाली गतिविधियों का आयोजन करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य के योगदान को प्रभावी ढंग से रेखांकित किया जाए, जिससे आमजन और विद्यार्थी इससे पूरी तरह परिचित हो सकें। उन्होंने कहा कि पौराणिक फिल्मों सहित सम्राट विक्रमादित्य, रानी दुर्गावती और रानी अवंतीबाई के शौर्य से संबंधित नाट्य मंचन भी किए जाएं। जिला पर्यटन परिषद को भी गतिविधियों में शामिल किया जाए। मुख्यमंत्री ने उज्जैन जिले में डोंगला स्थित वैधशाला के विद्यार्थियों द्वारा भ्रमण के साथ ही संवाद कार्यक्रम भी आयोजित करने के निर्देश दिए।

विक्रम उत्सव 2024 की प्रस्तावित गतिविधियां

बैठक में जानकारी दी गई कि विक्रम उत्सव 2024 में प्रदर्शनी, आर्ष भारत, पुनर्नवा उज्जयिनी, विक्रम कालीन मुद्रा एवं मुद्रांक के साथ ही गायन, चौरासी महादेव प्रदर्शनी, हस्तशिल्प मेला, लेजर शो, ड्रोन शो, अंतर्राष्ट्रीय इतिहास समागम, श्री कृष्ण लीलामृत, विभिन्न अंचलों के लोक नृत्य, बांसुरी वादन, भक्ति गायन, डांडिया रास, कथकली नृत्य, यक्षगान, मंदिरों में प्रभु श्रृंगार प्रतियोगिता, मूर्तिकला कार्यशाला प्रस्तावित हैं। इसके अलावा मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से कालिदास अकादमी उज्जैन में राष्ट्रीय विज्ञान समागम भी होगा।

जेलों का सतत निरीक्षण करें और बंदियों के पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं

शहडोल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहडोल में आयोजित एक बैठक में कलेक्टरों को निर्देश दिए कि वे जेलों का सतत निरीक्षण करें और जेलों में अच्छी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं। बंदियों के पुर्नवास की व्यवस्था कराएं तथा आवश्यक होने पर उन्हें विधिक सहायता भी मुहैया कराएं। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया है कि लगातार अपराध करने वाले अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई हो। बैठक में खुले में अवैध रूप से मांस के विक्रय पर प्रतिबंध के प्रयासों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर पालिकाएं मांस बेचने वालों के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं कराएं तथा मांस बेचने के लिए उन्हें सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराएं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि डीजे वालों का रोज़गार प्रभावित न हो इसके भी प्रयास किये जाएं। बैठक में एडीजीपी श्री डी.सी. सागर ने शहडोल संभाग में बेहतर कानून व्यवस्था कायम करने के लिए किए गए नवाचारों की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी कलेक्टर विभागों का औचक निरीक्षण करें तथा विभागीय कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता लाएं। उन्होंने निर्देशित किया कि औचक निरीक्षण के दौरान किसी को अनावश्यक परेशान न करें, बल्कि अधिकारियों और कर्मचारियों को सकारात्मक और परिणाममूलक कार्य करने के लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश के जनजातीय बहुल दूर-दराज के क्षेत्रों में अपराधों को रोकने के प्रयास किए जाएं। आम लोगों के मन से पुलिस का डर निकलना चाहिए, इस दिशा में प्रयास करें।

सहकारी बैंकों को कॉर्पोरेट जगत से जोड़ने के लिये प्रोफेशनल्स की सहायता लें

भोपाल, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि एक सप्ताह बैंक में साफ-सफाई अभियान चलायें। इसके लिये इंटर डिपार्टमेंट कॉम्पटीशन भी हो। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को आगामी सहकारी मंथन कार्यक्रम में पुरस्कृत भी किया जायेगा। उन्होंने कहा कि सहकारी बैंक विभाग का फेस है, इसे स्वच्छ रखना हमारी जिम्मेदारी है।

श्री सारंग ने सहकारी बैंकों को कॉर्पोरेट जैसे कल्चर से जोड़ने के लिये आवश्यक ट्रेनिंग दिलवाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने प्रोफेशनल्स के माध्यम से स्किल डेवलपमेंट की बात कही। उन्होंने वर्किंग पेटर्न को अपडेट करने के लिये कंसल्टेंट रखने को भी कहा। बैठक में बताया गया कि फिजिकल ट्रेनिंग जल्द ही शुरू होने जा रही है।

सहकारिता मंत्री ने बैंकों में रिक्त पदों की भर्ती के संबंध में सेवा नियमों का पुन: अध्ययन करने के निर्देश दिये। सेवा नियमों में जहाँ व्यावहारिक परेशानी आ रही है, उसकी 10 दिन में कमेटी बनाकर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाये।

ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स पर आयोजित हुई कार्यशाला

भोपाल, ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स ओएनडीसी प्लेटफार्म के लाभ और संरचना के बारे में उद्यमियों को जागरूक करने के लिये कार्यशाला हुई। कार्यशाला में लगभग 60 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर ओएनडीसी की उपाध्यक्ष सुश्री अदिति सिंघा ने बताया कि ओएनडीसी नेटवर्क खरीददारों और विक्रेताओं दोनों को सशक्त बना रहा है। प्रतिभागियों ने भी नेटवर्क के प्रति रुचि दिखाई। नेटवर्क खुला और लोकतांत्रिक डिजिटल बाजार बनाता है और प्लेटफॉर्म भारतीय ई-कॉमर्स सेक्टर में एक क्रांति ला सकता है। प्लेटफार्म मानक निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और अवसर सुनिश्चित करता है।

सुगम यातायात की दिशा में इंदौर को बनायेंगे नंबर वन

इंदौर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजवाड़ा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान एलआईजी चौराहे से नवलखा चौराहे तक बनाए जा रहे एलिवेटेड कॉरिडोर का शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये एलिवेटेड कॉरिडोर सुगम यातायात की दिशा में इंदौर को अव्वल बनाएगा। वैसे भी इंदौर सात वर्षों से स्वच्छता के मामले में अपना परचम फहरा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई ऊंचाई हासिल कर रहा है। विकास कार्यों में धन की कमी कभी आड़े नहीं आयेगी।

माता अहिल्या का स्मरण करते हुए डॉ. यादव ने कहा कि मां देवी अहिल्याबाई ने मुगल काल में भी धर्म का संरक्षण और सम्मान बनाए रखा। महेश्वर, अयोध्या के घाट हों या काशी विश्वनाथ एवं महाकाल का मंदिर निर्माण, वह सभी कार्य सम्पन्न कराये जो, माता अहिल्या का विस्मरण नहीं होने देते। यही कारण है कि मेरे उच्च शिक्षा मंत्री रहते हुए माता अहिल्या की जीवनी को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया।

कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा कि इंदौर की अधोसंरचना में नवीन तकनीक के साथ विकास की नई इबारत लिखेगा ये एलिवेटेड कॉरिडोर। इसे समय-सीमा में पूरा कर दिया जाएगा। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री का इंदौर में स्वागत है। इंदौर स्वच्छता, कला, शिक्षा, खेल के साथ ही स्वाद की नगरी है। एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण के बाद अब ये सुगम यातायात के लिए भी जानी जाएगी।

नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह से आग्रह किया कि इस एलिवेटेड कॉरिडोर को 15 माह की समयावधि में पूरा करवाने के निर्देश अधिकारियों को दें। स्वच्छता के साथ इंदौर को शिक्षा के क्षेत्र में भी नंबर वन बनाना है, जिससे दूसरे प्रदेश के स्टूडेंट यहां शिक्षा ग्रहण करने आएं।

उल्लेखनीय है कि इंदौर जिले में केंद्रीय सड़क निधि योजना अंतर्गत स्वीकृत इंदौर शहर के पुराने आगरा मुंबई मार्ग पर एलआईजी चौराहे से नवलखा चौराहे तक एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है।

भोपाल में आयोजित होगा 21वां वर्ल्ड रोज कन्वेंशन

भोपाल, सामाजिक न्याय, उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने भोपाल में 43वीं अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। उन्होंने मध्यप्रदेश रोज सोसायटी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि भोपाल में 21वीं वर्ल्ड रोज कन्वेंशन 2028 के आयोजन की मेजबानी मिलना प्रदेश और देश के लिये गौरव की बात है। श्री कुशवाह ने कहा कि मध्यप्रदेश रोज सोसायटी उद्यानिकी विभाग के साथ पिछले 43 वर्षों से अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी का आयोजन कर रही है। इसमें अनेक नर्सरी और गुलाब लगाने वाले हिस्सा लेते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उद्यानिकी विभाग भी उल्लेखनीय कार्य कर रहा है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा

गरीबों तक सुविधाएं पहुंचाने की गारंटी

सतना, विकसित भारत संकल्प यात्रा गरीब व्यक्ति के घर-घर तक शासन की योजनाओं का लाभ और सुविधाओं को पहुंचाने की गारंटी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और राज्य सरकार मिलकर डबल इंजन वाली सरकार प्रदेश के विकास में नये-नये कीर्तिमान बनायेगी। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सतना जिले के मझगवां विकासखंड के दूरस्थ आदिवासी बाहुल्य गांव पटनाखुर्द में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सतना जिले के चित्रकूट की इस धरती पर भगवान श्रीराम ने वनवास के दौरान 11 वर्षों तक निवास किया। वनवासियों को गले लगाया और माता शबरी के जूठे बेर खाकर मानवता को धन्य किया। उन्होंने कहा कि यह आचरण केवल सनातन धर्म में ही मिलता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय चित्रकूट, सतना और अयोध्या के लिये अलौकिक और अद्वितीय है। यहां 22 जनवरी को भगवान श्रीरामलला अपनी जन्मभूमि में विराजमान होने वाले हैं और यह पवित्र कार्य देश के प्रधानमंत्री की उपस्थिति में होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह अवसर है कि सभी अपने घरों में 22 जनवरी को दीपावली मनाकर अपने उल्लास और उत्साह को आत्मसात कर जीवन को धन्य बनायेंगे। मुख्यमंत्री ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम में हितग्राहियों को सांकेतिक रूप से हितलाभ वितरित किये। उन्होंने लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत कुमारी कासमी और पायल को बचत प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में अभिलाषा, नीतू और शोभावती को, स्वस्थ बालक प्रतियोगिता में, निशा और हरदीप सिंह को, उज्ज्वला योजना में, सुनीता, प्रतिमा, प्रमिला को निःशुल्क गैस कनेक्शन, आजीविका मिशन में सिद्धबाबा महिला स्व-सहायता समूह और अंबेडकर स्व-सहायता समूह पिण्डरा को सीसीएल के रूप में 5-5 लाख रुपये के चेक तथा सुग्रीव सिंह को आयुष्मान कार्ड का वितरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कृष्णा पांड़ेय और क्षेत्रीय किसानों ने हल भेंट किया। मुख्यमंत्री को स्मृति चिह्न के रूप में राम दरबार की प्रतिकृति मूर्ति और महिला स्व-सहायता समूह द्वारा बनाये गये चित्र तथा उत्पाद भेंट किये। मुख्यमंत्री ने बालिकाओं को स्कूल बैग और अन्य उपहार भी वितरित किये।

पीएम विश्वकर्मा योजना

कारीगरों को मिलेगी सहायता

भोपाल, कौशल विकास एवं रोज़गार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने बताया कि पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को सहायता देने के लिये पी.एम. विश्वकर्मा योजना शुरू की गई है। उन्होंने बताया है कि योजना में टूल किट खरीदने के लिये 15 हजार रुपये का अनुदान मिलेगा। साथ ही पहली बार में एक लाख और दूसरी बार में 2 लाख रुपये का सस्ता ऋण मिलेगा। प्रारंभिक प्रशिक्षण 5 से 7 दिन का और 15 दिन का एडवांस प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण के दौरान 500 रुपये प्रतिदिन भत्ता भी मिलेगा। प्रशिक्षण के बाद सर्टिफिकेट भी मिलेगा।

योग्यता

योजना के लिये उम्र न्यूनतम 18 वर्ष होनी चाहिए। पिछले 5 वर्षों में पीएमईजीपी स्वनिधि एवं मुद्रा योजना के तहत ऋण नहीं लिया हो। सहकारी सेवा में कार्यरत व्यक्ति और उनके परिवार के सदस्य इस योजना के तहत पात्र नहीं होंगे। एक परिवार से एक ही को लाभ मिलेगा।

लाभार्थी

कारीगर, बढ़ई, सुनार, गुड़िया और खिलौना निर्माता, नाव निर्माता, कुम्हार, नाई, अस्त्रकार, मूर्तिकार (पत्थर तराशने वाला), माला निर्माता (मालाकार), लोहार, मोची (चर्मकार), जूता कारीगर, धोबी, हथौड़ा, टूल किट निर्माता, राजमिस्त्री, दर्जी, ताला बनाने वाला, टोकरी, चटाई, झाड़ू निर्माता कॉयर बुनकर और मछली पकड़ने का जाल निर्माता शामिल है। योजना के लिये आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाता और आधार कार्ड में मोबाइल नम्बर लिंक होना अनिवार्य है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

सभी जिलों को एयर एम्बुलेंस सुविधा दिलाने के लिए होगी पहल - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा नई हवाई सेवाओं के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

सतना, हमारा प्रयास है कि प्रत्येक जिले से एयर एम्बुलेंस का संचालन हो, जिससे गंभीर रोगियों को अच्छे चिकित्सा संस्थानों में उपचार के लिए हवाई सुविधा का लाभ प्राप्त हो। हवाई सेवाओं से पर्यटन, व्यापार-वाणिज्य की गतिविधियों और अन्य समस्त आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि संभव होती है। इस दिशा में केन्द्र सरकार के प्रयासों के साथ राज्य सरकार भी अधिकतम प्रयास करेगी। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर से बेंगलुरु और ग्वालियर से दिल्ली और अयोध्या के बीच नई हवाई सेवाओं का वर्चुअली शुभारंभ करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नई विमान सेवाओं से ग्वालियर अंचल के साथ ही प्रदेशवासी उत्तर और दक्षिण भारत से एयर कनेक्टिविटी की सुविधा प्राप्त करेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हवाई सेवाओं का विस्तार हो रहा है। ग्वालियर में 500 करोड़ रुपये की लागत से विमानतल के उन्नयन की पहल ऐतिहासिक है। यह कारवां चलता रहेगा। प्रदेश की विभिन्न हवाई पट्टियों के उन्नयन का कार्य भी हो रहा है।

डॉ. यादव ने इस अवसर पर भारत में प्राचीनकाल में पुष्पक विमान के प्रयोग का स्मरण करते हुए भगवान श्रीराम का भी उल्लेख किया, जिन्होंने उत्तर से दक्षिण की यात्रा की।

सकारात्मक सोच का संगम हैं नई उड़ानें

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बैठक को वर्चुअली संबोधित किया। श्री सिंधिया ने कहा कि त्योहारों की बेला में नई हवाई सेवाओं को प्रारंभ करने का शुभ कार्य हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश के साथ मध्यप्रदेश और ग्वालियर भी बदल रहा है। मुख्यमंत्री भी ग्वालियर के विकास के लिए प्रयासरत हैं। ये उड़ानें व्यवसाय-वाणिज्य और पर्यटन में वृद्धि कर अर्थव्यवस्था को नई शक्ति प्रदान करेंगी। भारत की आध्यात्मिक और आर्थिक शक्ति का संगम हो रहा है। इससे हमारा देश विश्व पटल पर उभरकर आएगा।

स्वास्थ्य विभाग के रिक्त पदों की पूर्ति प्राथमिकता से करें पूर्ण - उप मुख्यमंत्री

भोपाल, स्वास्थ्य विभाग के स्वीकृत पदों की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए आवश्यक औपचारिकताओं को अविलंब पूरा करें। स्वीकृत पद के लिए मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा परीक्षा आयोजित की जा चुकी है। अंतिम परिणाम जारी करने के संबंध में विभागीय सामंजस्य के विषयों को प्राथमिकता से निराकृत करें। ये निर्देश उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने स्वास्थ्य विभाग के रिक्त पदों की पूर्ति के संबंध में दिए।

श्री शुक्ल ने निर्देश दिये कि स्वास्थ्य विभाग के रिक्त पदों की पूर्ति का कार्य कर्मचारी चयन मंडल प्राथमिकता के साथ करें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी सेवाभाव से कार्य करें क्योंकि स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक मेडिकल स्टाफ संपूर्ण स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए अहम हैं, प्रदेश की पूरी आबादी से संबंधित हैं। उन्होंने निर्देश दिये कि विभागीय सामंजस्य के विषयों में संबंधित अधिकारी प्राथमिकता से नियमित संपर्क कर निराकरण कराना सुनिश्चित करें। उप मुख्यमंत्री ने एएनएम के 2576 पद, रेडियोग्राफर के 140 पद, लैब टेक्नीशियन के 265 पद और फार्मासिस्ट ग्रेड-2 के 472 पद कुल 3453 पद के परिणाम कर्मचारी चयन मंडल द्वारा शीघ्र जारी किए जाने के लिए कहा।

रोज़गार के अवसर बढ़ाने के लिये स्कूलों में दी जाए कौशल विकास की शिक्षा - स्कूल शिक्षा मंत्री

भोपाल, मध्यप्रदेश में बच्चों और युवाओं में कौशल विकास करके ही रोज़गार के अवसर बढ़ाये जा सकते हैं। नई शिक्षा नीति में इस बिन्दु को लेकर विशेष प्रावधान रखे गये हैं। ये बातें स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहीं।

श्री सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में उत्कृष्ट कौशल केन्द्र बनाकर विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है। उन्होंने ड्रापआउट की संख्या घटाकर बच्चों को स्कूल शिक्षा से पुन: जोड़ने की बात भी कही। स्कूल शिक्षा मंत्री ने राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड की विभिन्न शाखाओं में पहुँचकर निरीक्षण किया और कार्य प्रणाली को समझा। बैठक में संचालक श्री प्रभातराज तिवारी ने बताया कि बोर्ड की रुक जाना नहीं योजना से बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों को फायदा मिला है। प्रदेश में करीब 5 लाख बच्चों ने कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा इस योजना से जुड़कर उत्तीर्ण की है और आगे की पढ़ाई जारी रखी है।

नगरीय निकायों की सड़क सुधार के लिये 200 करोड़ रुपये की राशि जारी

भोपाल, मध्यप्रदेश में नगरीय निकायों की सड़कों के सुधार के लिये नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कायाकल्प योजना में 200 करोड़ रुपये की राशि के आवंटन की स्वीकृति दी है। श्री विजयवर्गीय ने निर्देश दिये हैं कि निकायों को आवंटित राशि शीघ्र पहुंचाई जाए।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री ने पिछले दिनों भोपाल में विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिये थे कि नगरीय क्षेत्रों में नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण बुनियादी सुविधाएं मिलना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्र की सड़कें आम जनता की आशा के अनुरूप हों। श्री विजयवर्गीय ने कहा कि जिन निकायों में कायाकल्प योजना की मंजूरी दी गई है, उनमें सड़क निर्माण को प्राथमिकता से कराया जाए। विभाग की कायाकल्प योजना में 200 करोड़ रुपये की राशि की मंजूरी दी गई है।

मिलेट्स उत्पादन को बढ़ावा देने कार्ययोजना बनायी जाएगी

भोपाल, सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने मार्कफेड कार्यालय, भोपाल में मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ की समीक्षा बैठक की। समीक्षा में श्री सारंग ने पॉवर पाइंट प्रजेन्टेशन का अवलोकन करते हुए विभागीय गतिविधियों की जानकारी ली एवं अधिकारियों को आगामी कार्ययोजना निर्माण के लिये आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। श्री सारंग ने प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना एवं मिलेट्स (श्रीअन्न) उत्पादन को बढ़ावा देने के लिये कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि सहकारिता विभाग से संबंधित सभी निर्माण कार्य अब आवास संघ के माध्यम से ही करवाये जायें। सहकारिता मंत्री ने मार्केटिंग सोसाइटी एवं पैक्स में समन्वय को बेहतर करने के भी निर्देश दिये।

श्री सारंग ने कहा कि सहकारिता एक वृहद और विस्तृत क्षेत्र है। देश की आर्थिक उन्नति में इसका सबसे अहम योगदान है। इसके अध्ययन के लिये को-ऑपरेटिव यूनिवर्सिटी की कार्ययोजना बनाई जाये। उन्होंने कहा कि इस यूनिवर्सिटी में सहकारिता से संबंधित कोर्स विद्यार्थियों के लिये उपलब्ध होंगे। इससे भविष्य में सहकारिता के क्षेत्र में कार्य करने वाले विद्यार्थियों की स्किल में बढ़ोत्तरी होगी।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि मार्कफेड अपने उत्पादों में वेल्यू एडिशन को ध्यान में रखकर नये आयाम स्थापित करने पर कार्य करे। इससे लाभ में वृद्धि होने के साथ ही उपभोक्ताओं को भी सुविधा होगी।

मंत्रिपरिषद के निर्णय

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) की स्वीकृति

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में भोपाल में सम्पन्न हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के सामाजिक और आर्थिक कल्याण के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) के तहत प्रदेश में विभिन्न विकास कार्यों के क्रियान्वयन की स्वीकृति दी। मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदेश में विशेष पिछड़ी जनजातीय क्षेत्रों के 23 जिलों में नए आंगनवाड़ी केन्द्रों, छात्रावासों, बहुउद्देशीय केंद्रों, सड़कों और आवास निर्माण की स्वीकृति दी गई। मंत्रिपरिषद द्वारा 'सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0' योजना अंतर्गत विशेष जनजाति क्षेत्रों में पीएम-जनमन कार्यक्रम के लिये 194 नवीन आंगनवाड़ी केन्द्रों की स्थापना एवं संचालन हेतु स्वीकृति दी गई है। भवनों का निर्माण जनजातीय परिवेश आधारित डिजाइन अनुसार ग्राम पंचायत द्वारा किया जावेगा। विशेष पिछड़ी जनजाति क्षेत्रों के ऐसे मजरे टोले जिनकी जनसंख्या 100 या अधिक है और जहां आंगनवाड़ी केन्द्र नहीं है, वहां नए केन्द्र खोले जाएंगे। मंत्रिपरिषद द्वारा लिये गए अन्य निर्णय इस प्रकार हैं -

- आंगनवाड़ी केन्द्रों के संचालन पर कुल 15 करोड़ 70 लाख रुपये का व्यय स्वीकृत किया गया है। इस तरह 194 आंगनवाड़ी केन्द्रों के संचालन के लिए वर्ष 2023-24 में राशि 1 करोड़ 43 लाख रुपये केंद्रांश एवं राशि रुपये 3 करोड़ 93 लाख राज्यांश, कुल राशि प्रतिवर्ष 5.36 करोड़ रुपये एवं वित्तीय वर्ष 2024-25, 2025-26 में प्रतिवर्ष क्रमशः राशि एक करोड़ 32 लाख रुपये केंद्रांश एवं राशि रुपये 3 करोड़ 85 लाख रुपये राज्यांश, कुल राशि प्रतिवर्ष 5 करोड़ 17 लाख रुपये व्यय भार इस प्रकार कुल राशि 15 करोड़ 70 लाख रुपये की स्वीकृति दी।
- मंत्रिपरिषद द्वारा 'प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान' पीएम-जनमन योजना में स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति क्षेत्रों के बाहुल्य बसाहटों में निवासरत परिवार के बच्चों के लिये गुणवत्तायुक्त शिक्षा सुविधा के साथ समग्र विकास के लिये 20 जिलों के 55 स्थानों पर 110 बसाहटों के निकट बालक और बालिकाओं के लिये पृथक-पृथक छात्रावास निर्माण किये जाने का निर्णय लिया है।
- मंत्रिपरिषद द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 से पीएम-जनमन अन्तर्गत प्रदेश के विशेष पिछड़ी जनजाति बाहुल्य जिलों में 60 लाख रुपये प्रति केन्द्र की लागत वाले बहुउद्देशीय केन्द्र के निर्माण करने के लिए सैद्धांतिक अनुमोदन प्रदान किया गया। विशेष पिछड़ी जनजाति क्षेत्रों में अलग-अलग 11 गतिविधियों के लिए मध्यप्रदेश में 125 बहुउद्देशीय केन्द्रों के निर्माण की स्वीकृति भारत सरकार ने दी है।
- केन्द्र निर्माण के लिए शत-प्रतिशत वित्तीय सहायता भारत सरकार द्वारा दी जायेगी। प्रत्येक केन्द्र निर्माण के लिए 2200 वर्गफीट भूमि की आवश्यकता होगी। इसमें से 1605 वर्गफीट भूमि पर भवन का निर्माण किया जायेगा।
- मंत्रिपरिषद ने पीएम-जनमन योजना में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा क्रियान्वित किये जाने वाली योजना बैगा, सहरिया एवं भारिया जनजातियों की बसाहट में सड़क संपर्क एवं आवास निर्माण हेतु नवीन योजना का सैद्धांतिक अनुमोदन प्रदान किया है। विशेष पिछड़ी जनजातियों की मात्र 100 तक की जनसंख्या वाले गांवों को भी पक्की सड़क से जोड़ा जायेगा। कुल 981 संपर्क विहीन बसाहटों में 2403 किलोमीटर लम्बाई के 978 मार्ग एवं 50 पुल बनाये जायेंगे।
- विशेष पिछड़ी जनजातीय बहुल क्षेत्रों में आवास निर्माण स्वीकृति के तहत प्रति हितग्राही आवास निर्माण के लिये 2 लाख रुपये दिये जायेंगे। मनरेगा से अकुशल श्रमिक की 90/95 दिवस के बराबर 27 हजार रुपये की राशि और स्वच्छ भारत मिशन से शौचालय निर्माण के लिये 12 हजार रुपये दिये जायेंगे। इससे प्रदेश में 1 लाख से अधिक लक्षित हितग्राही परिवार लाभांवित होंगे। सड़क एवं आवास निर्माण के लिए कुल 4604 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है।
- मंत्रिपरिषद ने नवीन शासकीय विधि महाविद्यालय, आगर-मालवा प्रारंभ किये जाने के लिए शैक्षणिक संवर्ग के 22 तथा गैर शैक्षणिक संवर्ग के 8 इस प्रकार कुल 30 नवीन पदों के सृजन की स्वीकृति दी है। इसके लिए आवर्ती व्यय भार रुपये एक करोड़ 99 लाख 50 हजार रुपये प्रतिवर्ष एवं अनावर्ती व्यय 20 लाख रुपये की स्वीकृति दी।
- मंत्रिपरिषद द्वारा नर्मदापुरम में मोहासा-बाबई क्षेत्र की 227.54 एकड़ भूमि पर बिजली एवं नवकरणीय ऊर्जा उपकरण निर्माण क्षेत्र स्थापना के लिए विद्युत वितरण लाइसेंस को संशोधित करने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा नवंबर, 2022 में मोहासा-बाबई क्षेत्र की 227.54 एकड़ भूमि पर बिजली एवं नवकरणीय ऊर्जा उपकरण निर्माण क्षेत्र स्थापना की स्वीकृति दी गई है।
- मंत्रिपरिषद ने मध्यप्रदेश चिकित्सा शिक्षा (राजपत्रित) सेवा भर्ती नियम 2023 में संशोधन की स्वीकृति दी है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

पीएम किसान योजना में छूटे पात्र हितग्राहियों को जोड़ें - राजस्व मंत्री

भोपाल, राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने मंत्रालय से वर्चुअली राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और मैदानी अमले को राजस्व महाअभियान के सफल संचालन सुनिश्चित करने के लिये आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिये तय की गई समय-सीमा में प्रकरण निराकरण करना सुनिश्चित करें। नामांतरण प्रकरणों को 30 दिवस, आविवादित बंटवारा प्रकरणों को 45 दिवस में निराकृत करना सुनिश्चित करें। लंबित राजस्व प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित किया जाये। सीमांकन, नामांकन और बंटवारा आदि के प्रकरणों का तय समय-सीमा में निराकरण नहीं करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही की जाये।

राजस्व मंत्री ने कहा कि सीमांकन का आवेदन प्राप्त होने पर संबंधित भूमि का सीमांकन करने की कार्यवाही तुरंत की जाये। सीमांकन के समय पड़ोसी किसान को सूचित किया जाये और उनकी उपस्थिति में सीमांकन की कार्यवाही पूर्ण हो। पटवारी द्वारा किये गये सीमांकन की जांच तहसीलदार अपने स्तर से करायें और यदि सीमांकन में कोई त्रुटि हो, तो संबंधित पटवारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग आम नागरिकों की सेवा के लिये है। आम जनता से राजस्व विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों को न्याय करने के साथ विनम्र व्यवहार करें।

श्री वर्मा ने कहा कि महाअभियान के दौरान बी-1 का वाचन कर फौती नामांतरण अथवा अन्य कोई समस्या हो, उसका निराकरण किया जाये। पीएम किसान योजना में छूटे हुए पात्र हितग्राहियों को जोड़ा जाये। खसरा एवं नक्शा में एकरूपता लाने के लिये आवश्यक है कि खसरा अनुसार बटांकन का कार्य नक्शा में पूरा किया जाये।

आमजन के जीवन में बदलाव लाना मध्यप्रदेश सरकार की प्राथमिकता - मुख्यमंत्री

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥
परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्। धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे॥
मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव जी
का
सम्मान समारोह
पटना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पटना में आयोजित एक कार्यक्रम में सम्मानित किया गया

पटना, मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री का दायित्व संभालने के बाद मैंने आम जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लिया है। नागरिकों के लिए विभिन्न सुविधाओं का विकास कर उनके जीवन को सहज, सरल बनाने के साथ ही दूसरी महत्वपूर्ण प्राथमिकता उन महापुरुषों के योगदान से नई पीढ़ी को अवगत करवाने का कार्य भी करना है, जिससे भारतीय समाज को संस्कार मिलें। भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के प्रसंगों को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने की पहल के साथ ही नई शिक्षा नीति में सनातन संस्कृति का पाठ्यक्रमों में समावेश हमारा संकल्प है। भगवान श्रीकृष्ण ने सांदीपनि आश्रम उज्जैन में शिक्षा ग्रहण की थी। मध्यप्रदेश में जहां-जहां भगवान श्रीकृष्ण के चरण पड़े हैं, उन स्थानों को तीर्थ स्थान के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया है। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पटना में श्री कृष्ण चेतना विचार मंच द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि माता सीता की जन्मस्थली बिहार आकर मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूं। ऐसी पवित्र धरती को मैं प्रणाम करता हूँ। यह भगवान महावीर स्वामी जी की धरती है, जिससे बिहार की पहचान है। साथ ही सम्राट अशोक की भी धरती है। सम्राट अशोक का मध्यप्रदेश उज्जैन से खासतौर पर अलग तरह का रिश्ता रहा है। हजारों साल से मध्यप्रदेश और बिहार का रिश्ता है। प्राचीनकाल से मध्यप्रदेश की भूमिका महत्वपूर्ण रही थी। डॉ. यादव ने कहा कि बाबा महाकाल की नगरी में ही भगवान श्री कृष्ण का विवाह हुआ। भगवान श्री कृष्ण की शिक्षा-दीक्षा भी उज्जैन में हुई। शिक्षा के मामले में हमारा समाज कितना जागृत है, इसका उदाहरण पांच हजार साल पहले भगवान श्रीकृष्ण के काल से भी जुड़ता है।

भारत में गाय के प्रति व्यक्त होता है वास्तविक सम्मान

मुख्यमंत्री ने कहा कि परमात्मा से, प्रकृति से प्रेम करने का उदाहरण अगर कहीं दिखाई देता है तो निश्चित रूप से वह सर्वाधिक यादव समाज से दिखाई देता है, जो गौपालन के माध्यम से अपना जीवन चलाते हैं। परमात्मा के माध्यम से प्रकृति प्रेम को भी दिखाते हैं। जो प्रकृति से प्रेम करता है, जो जीव मात्र से प्रेम करता है, वो ही तो गोपाल हो सकता है। इसके अलावा कौन गोपाल होता है। हमारे अलावा दुनिया में कई देश हैं, जहां गौ-पालन होता है। अमेरिका, इंग्लैंड में भी गाय माता बहुत सारे लोग पालते हैं, लेकिन उनके पालने के तरीके और हमारे पालने के तरीके में काफी अंतर है। हम अशक्त और बीमार गायों की देखभाल भी करते हैं। उन्हें उनके हाल पर नहीं छोड़ देते। हम गाय माता में 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास देखते हैं।

भोपाल को स्पोर्ट्स टूरिज्म हब बनाया जायेगा - खेल मंत्री श्री विश्वास सारंग

भोपाल, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि भोपाल को स्पोर्ट्स टूरिज्म का हब बनाने के प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने राज्य शूटिंग अकादमी का अवलोकन किया। अवलोकन के बाद उन्होंने नाथू बरखेड़ा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की जानकारी भी ली।

श्री सारंग ने टूरिज्म विभाग के साथ कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा और आदिम जाति कल्याण विभाग से समन्वय कर खेल में एक साथ प्रतिभाओं को तराशने को कहा। श्री सारंग ने खेल गतिविधियों के लिये नये स्थान चयनित करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि युवाओं को शहर के विभिन्न स्थानों पर खेल गतिविधियों से जोड़ने के लिये भी कार्य किया जाना होगा।

श्री सारंग ने फायर रेंज, 10 मीटर, 25 मीटर और 50 मीटर रेंज के साथ शॉटगन रेंज का अवलोकन किया। उन्होंने प्रत्येक रेंज पर खिलाड़ियों से बात कर उनका उत्साहवर्धन किया।

श्री सारंग ने प्रशिक्षकों से खिलाड़ियों की प्रगति के बारे में जाना और खेल प्रतिभा में निखार के लिये यथासंभव सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। मंत्री श्री सारंग ने भी 10 मीटर और शॉटगन रेंज पर निशाना साधा।

सहरिया जनजाति के युवाओं के प्रशिक्षण की हो व्यवस्था

भोपाल, राज्य सरकार का प्रयास है कि समाज के वंचित वर्गों को योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से दिलाया जाये। विशेष पिछड़ी जनजाति सहरिया के युवा प्रतियोगी परीक्षा में सफल हों, इसके लिये विभाग द्वारा स्थानीय स्तर पर उनके प्रशिक्षण की व्यवस्था की जायेगी। ये बातें जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह ने गुना में जिलाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहीं। जनजातीय कार्य मंत्री ने कहा कि कर्मचारी चयन मण्डल और पीएससी की परीक्षा की तैयारियों के लिये सहरिया जनजाति को राज्य शासन की तरफ से हर संभव मदद दी जायेगी।

शिक्षण संस्थानों का शैक्षणिक-अकादमिक वातावरण बेहतर बनाने की आवश्यकता

भोपाल, मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों का शैक्षणिक-अकादमिक वातावरण बेहतर बनाना होगा। इसके लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के वर्तमान परिदृश्य की समीक्षा करने की आवश्यकता है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने उच्च शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कियान्वयन, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (ABC) तथा डिजिलॉकर के लिए कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेशन सेंटर, भोपाल में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर कही।

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के संदर्भ में यह कार्यशाला महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही समाज की अपेक्षाओं का समाधान संभव है। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए अकादमिक वातावरण बेहतर बनाने की आवश्यकता है। अकादमिक सत्र निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया जाए। विद्यार्थियों के प्रवेश, परीक्षा और परिणाम तय समय-सीमा में पूर्ण करें। सत्र समय पर प्रारंभ हों, नियत समय पर परीक्षाएं होकर निर्धारित समयावधि पर परिणाम जारी करने के लिए दृढ़ता से क्रियान्वयन करें।

जबलपुर में बनेगा देश का पहला जियो पार्क

भोपाल, लोक निर्माण विभाग मंत्री श्री राकेश सिंह की अध्यक्षता में लम्हेटाघाट-भेड़ाघाट जबलपुर में जियो पार्क की स्थापना एवं उसकी परियोजना के संबंध में मंत्रालय में बैठक हुई। इस दौरान जियो पार्क की संपूर्ण परियोजना की पॉवर प्रजेंटेशन के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर विभिन्न निर्देश संबंधितों को दिये।

बैठक में श्री राकेश सिंह ने कहा कि जबलपुर में बनने वाला देश का पहला जियो पार्क जियोलॉजिकल संरचनाओं के साथ-साथ मानव सभ्यता के विकास के अध्ययन, पर्यटन और संस्कृति के विकास में भी मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि भेड़ाघाट - लम्हेटाघाट जियोलॉजिकल गतिविधियों के लिए दुनिया भर में जाने जाते हैं। श्री सिंह ने कहा कि यहां जो भी निर्माण हो वे पूरी तरह प्रकृति के साथ तालमेल बनाकर ही किए जायें। यहां आने वाले सैलानी प्रकृति के साथ जुड़ाव महसूस कर पायें इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाये। श्री सिंह ने जियो पार्क एवं संग्रहालय को आकर्षक, प्रभावी एवं शिक्षाप्रद बनाने पर बेहद ध्यान देने के निर्देश दिये। श्री सिंह ने जियो पार्क में स्थापित किए जाने वाले संग्रहालय में लम्हेटा निर्माण, रानी दुर्गावती के संबंध में जानकारी एवं जबलपुर की भू-संस्कृति का समावेश करने के निर्देश दिये।

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह जियो पार्क की स्थापना संबंधी बैठक लेते हुए

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश के
शहडोल, गुना, झाबुआ, खंडवा, कटनी,
छतरपुर, पिपरिया, बैतूल, सागर,
विदिशा एवं इटारसी में
एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालीन समय में संपर्क करें

0755-2760006,
0755-2551330

प्रमुख आकर्षण

- कैरियर की खबरें
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

रघुराम अय्यर

आईओए के सीईओ बने

भारतीय ओलिंपिक एसोसिएशन (आईओए) ने रघुराम अय्यर को अपना मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। आईओए अध्यक्ष पी.टी. उषा ने रघुराम अय्यर की नियुक्ति पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि उनकी लीडरशिप में सभी नए विजन के साथ आगे बढ़ेंगे और बेहतर तरीके से काम करेंगे। अय्यर के पास खेल प्रबंधन में काफी अनुभव है, क्योंकि उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स, लखनऊ सुपर जॉइंट्स और राइजिंग पुणे सुपरजॉयंट के सीईओ के रूप में काम किया है।

चीन

4 हजार साल पुराना महल मिला

चीन में पुरातत्वविदों को 4 हजार साल पुराना महल मिला है। यह बड़ी खोज मध्य चीन के हेनान प्रांत के शिनमी में विशेषज्ञों ने की है। यह 200 फीट लंबा, 100 फीट चौड़ा महल है। यह प्राचीन बसे हुए शहर में मिला है। माना जाता है कि इसका निर्माण शिया राजवंश ने 2070-1600 ईसा पूर्व के बीच किया था। 19,000 वर्ग फीट में फैले महल की दीवारें प्राचीन सभ्यता को दर्शाती हैं।

शेख मोहम्मद सबा अल-सलेम अल-सबा

कुवैत के नए प्रधानमंत्री बने

कुवैत में अमीर मिशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा ने पूर्व विदेश मंत्री शेख मोहम्मद सबा अल-सलेम अल-सबा को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। कुवैती सरकार ने इससे पहले संसद के समक्ष शपथ लेने के तुरंत बाद देश के नए अमीर को अपना इस्तीफा सौंप दिया। अमीर ने शेख मोहम्मद सबा अल-सलेम अल-सबा को प्रधानमंत्री नियुक्त करने का आदेश जारी कर दिया है। उन्हें नए सरकारी सदस्यों की नियुक्ति करने का निर्देश दिया गया है। कुवैत के नए प्रधानमंत्री मोहम्मद सबा अल पहले विदेश मंत्री और उप प्रधानमंत्री के रूप में कुवैत सरकार में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

नेपच्यून और यूरेनस

वायजर-2 से सही रंग में दिखे

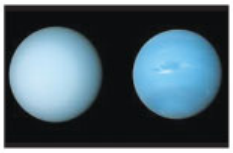

ब्रिटेन के खगोलविदों के नेतृत्व में हुए शोध से पता चला है कि नेपच्यून, यूरेनस ग्रहों के रंगों के बारे में विचार भ्रामक हैं। 1980 के दशक में एक अंतरिक्ष मिशन की छवियों में नेपच्यून गहरे नीले और यूरेनस हरे रंग का दिखाई दिया। लेकिन, अध्ययन से पता चला है कि दो बर्फीले विशाल ग्रह हरे-नीले रंग के समान रंग के हैं। स्कॉटलैंड के खगोलशास्त्री रॉयल और एडिनबर्ग विश्वविद्यालय के खगोल भौतिकी प्रोफेसर कैथरीन हेमैन्स ने वायजर-2 के जरिए प्राप्त चित्रों से शोध कर यह पता लगाया।

हाना रविती माईपी क्लार्क

न्यूजीलैंड में सबसे कम उम्र की सांसद ने दिया भाषण

न्यूजीलैंड की 21 वर्ष की सांसद हाना रविती माईपी क्लार्क का माओरी भाषा में दिया गया भाषण सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। गौरतलब है कि न्यूजीलैंड की सबसे कम उम्र की सांसद हाना ने अक्टूबर 2023 में हुए चुनाव में सबसे वरिष्ठ सांसदों में से एक नानैया को हराकर यह पद पाया है। हाना लगातार माओरी के अधिकारों के लिए आवाज उठा रहीं हैं। वे अपने भाषणों के जरिए दुनियाभर को आकृष्ट करने में कामयाब रही हैं।

सुचेता सतीश

140 भाषाओं में गाकर बनाया रिकॉर्ड

दुबई में रहने वाली केरल की 13 वर्षीय सुचेता सतीश ने भारत का नाम दुनियाभर में रोशन किया। 140 भाषाओं में गाना गाने वाली सुचेता ने ग्लोबल चाइल्ड प्रोडिजी अवॉर्ड 2020 में जीत हासिल की है। साथ ही सुचेता ने एक ही संगीत कार्यक्रम में सबसे अधिक भाषाओं में गायन करके गिनीज विश्व रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया है। यह कार्यक्रम दुबई में भारतीय वाणिज्य दूतावास के सभागार में आयोजित किया गया था।

एनस केलेटी

पूर्व जिम्नास्ट ने 103वां जन्मदिन मनाया

हंगरी की महान पूर्व महिला जिम्नास्ट एनस केलेटी ने बुडापेस्ट में अपना 103वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया। वह सबसे उम्रदराज ओलिंपिक चैंपियन हैं। उनके नाम 5 ओलिंपिक गोल्ड के अलावा 3 रजत और दो कांस्य पदक हैं। जन्मदिन पर उन्हें पूरी दुनिया के प्रशंसकों ने शुभकामनाएं दीं, उनके जन्मदिन पर प्रशंसकों ने न केवल पसंदीदा केक गिफ्ट में भेजा बल्कि उनकों पोषाक और ज्वेलरी भी भेंट में दी गई। एनस ने अनोखे अंदाज में वीडियो पोस्ट के जरिए सभी को धन्यवाद भी कहा।

फिल्म ओपेनहाइमर

गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स में मिले 5 पुरस्कार

गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स में क्रिस्टोफर नोलन की 'ओपेनहाइमर' का दबदबा रहा। इस फिल्म को अलग-अलग आठ कैटेगरी में नॉमिनेशन मिला था। बेस्ट एक्टर, बेस्ट डायरेक्टर, बेस्ट फिल्म सहित 5 पुरस्कार इस फिल्म ने जीते हैं। वहीं टीवी सीरीज सक्सेशन का भी इस अवॉर्ड समारोह में जलवा दिखायी दिया।

मेब केफलेजिगी

टाटा मुंबई मैराथन के ब्रांड एम्बेसडर बने

एथेंस ओलिंपिक 2004 के रजत पदक विजेता और लंबी दूरी के जाने माने धावक मेब केफलेजिगी को 19वीं टाटा मुंबई मैराथन का ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया गया है। यह विश्व एथलेटिक्स की 'गोल्ड लेबल' की रेस है और प्रोकैम इंटरनेशनल इसका प्रमोटर है। मेब ने ओलिंपिक के अलावा 2009 में सिटी मैराथन और 2014 में बोस्टन मैराथन पदक भी जीते थे।

पराग अग्रवाल ने

एआई स्टार्टअप के लिए फंड जुटाया

एलन मस्क से पंगा लेने वाले ट्विटर के पूर्व सीईओ पराग अग्रवाल ने खुद का एक स्टार्टअप शुरू किया है। उनका यह स्टार्टअप आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ा हुआ है। उनके इस स्टार्टअप ने हाल ही में 03 करोड़ डॉलर की फंडिंग जुटाई है। ओपन एआई में शुरुआती फंडिंग करने वाले खोसला वेंचर्स ने अग्रवाल की एआई कंपनी में फंडिंग की है। हालांकि स्टार्टअप के नाम और उत्पाद विवरण को अभी गुप्त रखा गया है। जानकारी के अनुसार इस स्टार्टअप का फोकस लैंग्वेज मॉडल पर है।

डॉक्टर विवेक मूर्ति

डब्ल्यूएचओ बोर्ड में शामिल होंगे

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भारतीय मूल के यूएस सर्जन जनरल डॉक्टर विवेक मूर्ति को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बोर्ड में प्रतिनिधि बनाने का फैसला लिया है। उन्होंने इस संबंध में प्रस्ताव यूएस सीनेट में भेजा है। डॉक्टर विवेक दूसरी बार अमेरिका के प्रतिनिधि बनकर डब्ल्यूएचओ के कार्यकारी बोर्ड में शामिल होंगे।

इक्वाडोर

कैदी के फरार होने पर देश में लगी इमरजेंसी

साऊथ अमेरिका के देश इक्वाडोर की जेल से देश का सबसे खतरनाक अपराधी एडोल्फो मासियास विलामर फरार हो गया है। वह लॉस कोनेरोस गैंग का लीडर है। इसे फीटो नाम से जाना जाता है। इसके फरार होने के बाद से जन सुरक्षा की दृष्टि से देश में 60 दिन की इमरजेंसी लागू कर दी गयी है। इक्वाडोर में हुए आतंकी हमलों, ड्रग तस्करी, अपराधों में फीटो को ही दोषी माना गया है। उसे 2011 में 34 साल के लिए सजा दी गई थी।

वर्ष 2023

एक लाख वर्षों में सबसे गर्म साल रहा

यूरोपीय जलवायु एजेंसी ने कहा कि पृथ्वी ने पिछले साल वैश्विक वार्षिक गर्मी के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। 2023 कितना गर्म रहा इसकी गणना करने वाली यूरोपीय जलवायु एजेंसी कोपरनिकस ने कहा कि पिछले साल तापमान 1.48 डिग्री सेल्सियस (2.66 डिग्री फॉरेनहाइट) अधिक था। वैज्ञानिकों के अनुसार पेड़ों के छल्लों और बर्फ के टुकड़ों से मिले साक्ष्यों से पता चलता है कि यह साल पृथ्वी पर 1,00,000 से अधिक वर्षों में सबसे गर्म रहा है।

शरद भास्करन

मून मिशन में भेजीं इंसानी अस्थियां

निजी कंपनियों एलिसियम स्पेस और सेलेस्टिस के सहयोग से संपन्न किए गए मून मिशन द्वारा चांद पर इंसानी अस्थियां भेजी गयीं। इसकी कमान भारतवंशी वैज्ञानिक शरद भास्करन ने संभाली थी। शरद इस समय एस्ट्रोबॉटिक टेक्नोलॉजी में मिशन डायरेक्टर हैं। इस मिशन में जो लैंडर चांद पर गया उसे भास्करन की टीम ने डिजाइन किया है। शरद ने लॉकहीड मार्टिन में भी कई दशकों तक काम किया है।

अरुणा नायर

रेलवे बोर्ड की सचिव बनीं

भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा के 1987 बैच की अधिकारी अरुणा नायर ने रेलवे बोर्ड के सचिव का कार्यभार संभाल लिया है। वह पहले मई 2023 से रेलवे बोर्ड में अतिरिक्त सदस्य, स्टॉफ के रूप में और फरवरी 2022 से मई 2023 तक बोर्ड में प्रधान कार्यकारी निदेशक और कर्मचारी के रूप में कार्यरत रहीं।

स्मृति शेष

ब्रिटेन की मशहूर अदाकारा ग्लाइनिस जॉन्स का निधन

ब्रिटेन की फिल्मों की मशहूर अदाकारा ग्लाइनिस जॉन्स का लॉस एंजिल्स में निधन हो गया। जॉन्स ने 1964 की क्लासिक डिज्नी म्यूजिकल मैरी पोपिन्स में डेम जूली एंड्रयूज के साथ उन्होंने अभिनय किया, जिसने 5 ऑस्कर जीते। वे एक कुशल थिएटर कलाकार भी थीं।

शास्त्रीय गायक उस्ताद राशिद खान का निधन

प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक उस्ताद राशिद खान का 55 वर्ष की उम्र में कोलकाता में निधन हो गया है। वे पिछले कुछ समय से बीमार थे। उन्हें वर्ष 2006 में पद्मश्री और वर्ष 2022 में पद्मभूषण से सम्मानित किया गया था। उनके प्रसिद्ध बॉलीवुड गीतों में जब वी मेट फिल्म का गीत ''आओगे जब तुम ओ साजना'' शामिल था।

जर्मनी को विश्व विजेता बनाने वाले बेकनबाऊर का निधन

जर्मनी के महान फुटबॉल खिलाड़ी फ्रेंज बेकनबाऊर का 78 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। 1974 में पश्चिम जर्मनी जब नीदरलैंड को हराकर विश्व विजेता बना था, तब बाऊर ही कप्तान थे। 1990 में जब जर्मनी विश्व चैंपियन बना था तब बेकनबाऊर टीम मैनेजर थे।

वर्ल्डकप विजेता खिलाड़ी और कोच मारियो का निधन

ब्राजील के वर्ल्डकप विजेता खिलाड़ी और कोच मारियो जागालो का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। जागालो ने 26 वर्ष की उम्र से फुटबॉल टूर्नामेंट में हिस्सा लेना शुरू कर दिया था। 1958 के वर्ल्डकप में वे बतौर खिलाड़ी शामिल हुए थे। उन्होंने अपने पूरे कॅरियर में ब्राजील को 4 वर्ल्डकप जिताए थे।

फॉर्मूला वन रेसर विल्सन का हृदयाघात से निधन

ब्राजील के पूर्व फॉर्मूला वन ड्राइवर और फॉर्मूला वन टीम के मालिक विल्सन फिटिपाल्डी जूनियर का क्रिसमस के दिन 80वें जन्मदिन की पार्टी में हृदयाघात से निधन हो गया।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

रामलला प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिये मध्यप्रदेश से भेजे गये 5 लाख लड्डू

उज्जैन, हमारे सामने वर्तमान की अयोध्या नगरी का जो भौगोलिक स्वरूप है उसे दो हजार साल पहले सम्राट विक्रमादित्य के काल में जीर्णोद्धार कर नया रूप दिया गया था, भव्य मंदिर भी सम्राट विक्रमादित्य द्वारा बनवाया गया। मध्यप्रदेश का विशेषकर उज्जैन का अयोध्या के लिए दो हजार साल पहले भी समर्पण रहा है। वह युग पुन: वापस आ रहा है, भगवान श्री राम पांच सौ साल के संघर्ष के बाद पुनः गर्भगृह में विराजमान हो रहे हैं, प्रसन्नता का विषय है कि यह सब हमारे सामने ही घटित हो रहा है। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति उज्जैन द्वारा अयोध्या में भगवान रामलला मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में भेजे जा रहे 5 लाख लड्डू प्रसाद रथ के तुलसी मानस प्रतिष्ठान भोपाल से प्रस्थान के अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं।

अयोध्या-मानव सृष्टि की प्रथम जन्मस्थली पुस्तक का विमोचन

मुख्यमंत्री ने मानस प्रतिष्ठान स्थित श्री सिद्ध रघुनाथ मंदिर में भगवान राम का पूजन अर्चन किया। डॉ. यादव ने श्री रामगोपाल सोनी द्वारा लिखित 'अयोध्या- मानव सृष्टि की प्रथम जन्मस्थली' पुस्तक का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने केसरिया ध्वजा लहराकर अयोध्या के लिए प्रसाद-रथ के रूप में चार ट्रक रवाना किये। प्रत्येक ट्रक में सवा लाख लड्डू हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का निर्देश है कि श्रीराम जन्म भूमि मंदिर के दर्शन के लिए देशवासी क्रमबद्ध रूप से अयोध्या आएं। जब मध्यप्रदेश का नंबर आएगा, तब सम्राट विक्रमादित्य पर केंद्रित महानाट्य के मंचन द्वारा सम्राट विक्रमादित्य के विराट स्वरूप को जीवंत करते हुए हम अयोध्या पहुंचेंगे।

डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी लोकतंत्र को गौरान्वित कर रहे हैं और लोकतंत्र की शक्ति का सार्थक उपयोग करते हुए उन्होंने रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह का मार्ग प्रशस्त किया। उज्जैन से अयोध्या लड्डू भेजकर हम समाज में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की मिठास बनाए रखना चाहते हैं। भोपाल के मानस प्रतिष्ठान से अयोध्या के लिए लड्डू प्रसाद का प्रस्थान भी शुभ है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि भगवान राम का जीवन संघर्षों से भरा रहा, उनके जीवन ने मर्यादा के विविध रूपों का पालन करने के प्रसंग प्रस्तुत किए और महर्षि वाल्मीकि ने विविध प्रसंगों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया। भगवान श्रीकृष्ण मनुष्य को मर्यादा में जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं। भगवान श्रीराम के प्रति प्रेम, श्रद्धा, भक्ति की प्रतिमूर्ति के रूप में ही श्रीराम जन्म भूमि मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है, परन्तु खेद का विषय है कि कुछ लोग इस शुभ अवसर पर प्रश्न चिन्ह लगा रहे है।

प्रसाद रथ के चालकों का भी किया गया सम्मान

मुख्यमंत्री ने केसारिया ध्वजा फहराकर लड्डूओं के चार ट्रकों का अयोध्या के लिए प्रस्थान कराया। उल्लेखनीय है कि यह लड्डू महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति उज्जैन द्वारा बनाए गए हैं। लड्डूओं को विशेष पैकेट में भरकर अयोध्या भेजा गया। मानस भवन में आयोजित कार्यक्रम में महाकाल मंदिर के पुजारी श्री प्रदीप गुरु का सम्मान भी किया गया। इसके साथ ही लड्डू प्रसाद उज्जैन से अयोध्या जिन प्रसाद रथों (ट्रकों) में ले जाया गया, उन ट्रकों के चालकों का सम्मान भी किया गया।

पारदर्शी वित्तीय प्रशासन देने के लिये प्रतिबद्ध है राज्य सरकार - श्री जगदीश देवड़ा

भोपाल, राज्य शासन पारदर्शी वित्तीय प्रशासन देने के लिये प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वित्तीय अनियमितताओं पर नियंत्रण के लिये डाटा एनालिसिस एवं विभिन्न इंटेलीजेंस टूल आधारित व्यवस्थाओं को लागू किया गया है। इससे संभावित वित्तीय अनियमितताओं पर प्रभावी रोक लगी है। ये जानकारी उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने दी।

श्री देवडा ने गलत भुगतान के प्रकरणों में जांच के निष्कर्ष के आधार पूरे वित्तीय इंटेलीजेंस सिस्टम में सुधार करने के निर्देश दिये हैं। साथ ही उन्होंने सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को वित्तीय अनुशासन का पालन करने, सतर्क रहने और संवेदनशीलता के साथ भुगतान संबंधी कार्य करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि भुगतान संबंधी लापरवाही के लिये जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध एफआईआर की जायेगी और उन्हें कड़ी सजा दिलाई जायेगी।

उल्लेखनीय है कि वित्त विभाग में एकीकृत वित्तीय प्रबंधन सूचना प्रणाली का सॉफ्टवेयर संचालित है। इसके माध्यम से लगभग 5600 आहरण एवं संवितरण अधिकारियों द्वारा देयकों के भुगतान किये जाते हैं। इनमें प्रदेश के 10 लाख से अधिक कर्मचारियों के वेतन एवं विभिन्न स्वत्वों के भुगतान, कार्यालयीन व्यय, अनुदान, स्कॉलरशिप आदि के भुगतान भी शामिल हैं।

M.P. BUILDING DEVELOPMENT CORPORATION
(An Agency of Govt. of M.P. Public Works Department)
16–A, CEDMAP Building, Arera Hills, Bhopal (M.P.)-462011
Telephone No. : 0755-4853297, 0755-4853295
E-mail : einc-mpbdc@mp.gov.in, ajay.nagaria@mp.gov.in
NIT No. : 4109/GM/MPBDC/CW/24/NIT-49 Bhopal, Dated : 19.01.2024

NOTICE INVITING TENDER

Madhya Pradesh Building Development Corporation invites Online Tender for the following works in various Districts of Madhya Pradesh :-
1. Construction of CM RISE School at Bagh, Distt.-Dhar **(2nd Call)** –01 Work - **Rs. 3268.87 Lakhs.**
From Bidders Registered in M.P. PWD Department under appropriate category. Detailed NIT and Tender Documents can be viewed and purchased Online only from **22.01.2024 at 18:00 hrs. to 10.02.2024 at 15:30 hrs.** from Website **www.mptenders.gov.in**
M.P. Madhyam/113378/2024 **MANAGING DIRECTOR**

R-49387/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal M.P.-462011

NOTICE INVITING TENDER No. 273/MTN/2024 (BW)

No./1227/22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 19.01.2024
Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

- **SSR Applicable** :- SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments upto issue date of NIT.

1. **Name of Work : Post 10 Year (BW)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Bhopal	1	12214000.00
2	Vidisha	1	15919000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **24.01.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/113376/2024 **(TENDER)**

"मेरी सड़क" एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-49386/2024

MADHYA PRADESH BUILDING DEVELOPMENT CORPORATION
(An Agency of Govt. of M.P. Public Works Department)
16–A, CEDMAP Building, Arera Hills, Bhopal (M.P.)-462011
Telephone No. : 0755-4853297, 0755-4853295
E-mail : einc-mpbdc@mp.gov.in, ajay.nagaria@mp.gov.in
NIT No. : 4093/GM/MPBDC/DPR/24/NIT-48 Bhopal, Dtd. : 18.01.2024

NOTICE INVITING TENDER

Madhya Pradesh Building Development Corporation invites online tender for the following works in various Districts of Madhya Pradesh :-
Architectural, Design & DPR Consultancy Services for Construction of Medicity (150 MBBS admission seats Medical College with 605 Bedded Hospital & 300 Bedded Super-Specialty Hospital including Cancer Unit) at Ujjain M.P.–**01 Works, Cost of Project- Rs. 900 crore and Consultancy fee Rs. 15.30 Crore (Excluding GST).**
Detailed NIT and tender documents can be viewed and purchased online only from **25.01.2024 at 18:00 hrs. to 28.02.2024 at 15:30 hrs.** from website **www.mptenders.gov.in**
M.P. Madhyam/113360/2024 **MANAGING DIRECTOR**

R-49384/2024

(पृष्ठ 12 का शेष)

(छ) उम्मीदवार को इस विज्ञापन के प्रत्युत्तर में केवल एक बार आवेदन करना चाहिए.

(ज) ऐसे उम्मीदवारों की उम्मीदवारी अस्वीकृत कर दी जायेगी, जो इस विज्ञापन के प्रत्युत्तर में एक से अधिक बार आवेदन करते हैं तथा विभिन्न पंजीकरण नंबर प्राप्त करते हैं.

टिप्पणी : अध्यक्ष, सीएएसबी चरण-I तथा II के लिए परीक्षा केंद्र आवंटित करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं जो उम्मीदवार के विकल्प के अनुसार हो सकता है अथवा नहीं हो सकता है.

46. चयन परीक्षा के लिए शामिल होने वाले उम्मीदवारों हेतु कोविड-19 अनुदेश

(क) कोविड-19 के जोखिम के कारण, उम्मीदवारों को सलाह है कि केंद्र/राज्य सरकारों द्वारा समय-समय पर जारीकृत सभी अनुदेशों/दिशानिर्देशों का पालन करें.

(ख) प्रवेश द्वार पर यदि किसी उम्मीदवार में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) के लक्षण दिखते हैं तो उसको अन्य व्यक्तियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए परीक्षा हेतु अनुमति नहीं दी जायेगी.

47. यदि विज्ञापन के अंग्रेजी एवं हिंदी/किसी अन्य क्षेत्रीय भाषा रुपांतरों के बीच कोई भिन्नता है तो अंग्रेजी रुपांतर को प्रामाणिक माना जायेगा.

48. कोई शुद्धिपत्र/परिवर्तन/अद्यतन केवल सीएएसबी वेब पोर्टल https://agnipathvayu.cdac.in पर उपलब्ध होगा और कोई भी सूचना किसी समाचारपत्र/किसी अन्य जनसंचार माध्यम में नहीं दी जायेगी. सभी उम्मीदवारों को समय-समय पर इस कार्यालय का वेब पोर्टल देखना चाहिए.

49. अनंतिम चयन सूची (पीएसएल): अनंतिम चयन सूची (पीएसएल) (मेरिट क्रम) चयन परीक्षा के समापन के पश्चात तैयार की जायेगी और उसको सभी एएससी पर तथा वेब पोर्टल https://agnipathvayu.cdac.in पर भी 11 नवंबर, 2024 को प्रदर्शित किया जायेगा. अनंतिम चयन सूची (पीएसएल) में उम्मीदवारों के नाम शामिल किया जाना चयन परीक्षा में उम्मीदवारों के निष्पादन पर निर्भर करता है और उसका निर्धारण चरण-II परीक्षा में सफल उम्मीदवारों की संख्या तथा प्रत्याशित रिक्तियों की तुलना में विच्छेदन अंकों का प्रयोग करके किया जाता है. अनंतिम चयन सूची (पीएसएल) में नाम शामिल होने से स्वतः नामांकन की कोई गारंटी नहीं होती है. भा.वा. से चयन प्रक्रिया को अनंतिम चयन सूची (पीएसएल) के प्रकाशन के पश्चात भी निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रखती है, यदि आवश्यक है। नामांकन एकदम मेरिट के क्रम में चिकित्सीय उपयुक्तता, रिक्तियों की उपलब्धता, नामांकन की तिथि को अहयु 21 वर्ष से अधिक नहीं, तथा निर्धारित मानदंड पूरा करने एवं जैसा और जब नामांकन हेतु बुलाया गया है, के अधीन है. अनंतिम चयन सूची (पीएसएल) की वैधता प्रदर्शन की तिथि से 06 माह होगी तथा केवल अग्निवीरवायु अंतर्ग्रहण 01/2025 हेतु लागू होगी.

50. नामांकन सूची : अग्निवीरवायु अंतर्ग्रहण 01/2025 के अन्तर्गत नामांकन हेतु अन्तिम रूप से बुलाये गये उम्मीदवारों की सूची 28 नवंबर, 2024 को प्रकाशित की जायेगी. नामांकन के लिए बुलाये गये उम्मीदवारों को केवल ई-बुलावापत्र उनकी पंजीकृत ई-मेल आईडी पर भेजा जायेगा.

51. किसी पूछताछ के लिए सीडीएसी की ऑनलाइन पूछताछ पोर्टल पर जायें तथा सीएएसबी बरार स्क्वेयर, दिल्ली कैंट, नई दिल्ली-110010, दूरभाष सं. 011-25694209/25699606 तथा ई-मेल: casbiaf@cdac.in पर संपर्क करें अथवा सीएएसबी वेब पोर्टल https://agnipathvayu.cdac.in पर उम्मीदवार की लॉगइन पर लॉगऑन करें. ऑनलाइन आवेदन प्रपत्र भरने से संबंधित पूछताछ के लिए उम्मीदवार दूरभाष सं. 020-25503105/25503106 पर भी संपर्क कर सकते हैं.

स्वत्वत्याग

विज्ञापन में दिये गये निबंधन एवं शर्तें केवल दिशानिर्देश हैं और सरकार द्वारा जारीकृत आदेश, समय-समय पर यथा संशोधित, चयनित उम्मीदवारों हेतु लागू होंगे.

पंजीकरण के दौरान प्रविष्ट किये गये विवरण (डाटा) अन्तिम होंगे और बाद में किसी परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जायेगी. गलत विवरण की प्रविष्टि उम्मीदवार को अयोग्य बनायेगी.

परीक्षा के दौरान किसी प्रकार के कदाचार/अनुचित साधनों के प्रयोग में संलिप्त पाये गये उम्मीदवारों को स्थायी रूप से बाधित कर दिया जायेगा.

विस्तृत पाठ्य विवरण, आदर्श प्रश्नपत्रों, अनंतिम चयन सूची तथा नामांकन सूची के लिए सीएएसबी वेबपोर्टल https://agnipathvayu.cdac.in पर लॉगऑन करें.

भा.वा.से. संपूर्ण चयन प्रक्रिया को बिना कोई कारण बताये किसी भी चरण में निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रखती है.

सावधान, प्रतिरूपक अभियोजित किये जायेंगे.

विकसित भारत संकल्प यात्रा से अब तक 41 लाख 35 हजार 788 हितग्राही लाभान्वित

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गरीब, युवा, किसान और महिलाओं के जीवन में प्रगति और उन्नति लाने के लिए इन्हें सभी जरूरी सहायता और सहयोग दिलाने की बात कही है। महिलाओं को सहयोग की सर्वाधिक आवश्यकता है। हमारी सरकार का प्रयास है कि प्रधानमंत्री द्वारा लागू जनकल्याण और विकास कार्यों का हर जरूरतमंद व्यक्ति लाभ लें। गरीबों और वंचितों को सहायता एवं सम्बल दिलाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत बड़वानी जिले के सेंधवा और सिंगरौली जिले की ग्राम पंचायत ओड़गड़ी के हितग्राहियों से वर्चुअली चर्चा करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत प्रदेश में अब तक 19 हजार 500 से अधिक ग्राम पंचायतों में शिविरों का आयोजन हुआ है। इस यात्रा में एक करोड़ 69 लाख 22 हजार से अधिक लोग शामिल हुए हैं तथा एक करोड़ 24 लाख 23 हजार से अधिक लोगों ने विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है। यात्रा के अंतर्गत 6 लाख 99 हजार 672 लोगों को आयुष्मान योजना तथा एक लाख 81 हजार 762 लोगों को उज्ज्वला योजना का लाभ दिलाया गया है। इसी प्रकार किसान क्रेडिट कार्ड एक लाख 11 हजार से अधिक लोगों को उपलब्ध कराए गए हैं। किसान क्रेडिट कार्ड के अंतर्गत प्रत्येक किसान को केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा हर साल 12 हजार रुपये दिये जा रहे हैं। इस यात्रा के दौरान जीवन ज्योति कैम्प के अंतर्गत एक लाख 37 हजार लोग, हेल्थ कैम्प के अंतर्गत 27 लाख 68 हजार लोग लाभान्वित हुए हैं तथा 2 लाख 37 हजार व्यक्तियों का सुरक्षा बीमा कराया गया है। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान अब तक 41 लाख 35 हजार 788 हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा चुका है।

इंदौर स्मार्ट सिटी को मिला सर्वश्रेष्ठ स्मार्ट सिटी पुरस्कार

नई दिल्ली, इंदौर स्मार्ट सिटी को स्मार्ट सिटीज़ इंडिया अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ स्मार्ट सिटी का पुरस्कार प्राप्त हुआ। दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित स्मार्ट सिटीज़ इंडिया एक्सपो के पुरस्कार समारोह में यह सम्मान प्रदान किया गया। पुरस्कार इंदौर स्मार्ट सिटी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दिव्यांक सिंह और टीम ने ग्रहण किया। इंदौर स्मार्ट सिटी को स्वच्छता, नवाचार, अधोसंरचना विकास और परिवहन क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए यह पुरस्कार दिया गया है।

संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें

कार्यालय जय प्रकाश चिकित्सालय 1250 कैम्पस भोपाल, (म.प्र.)

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 3/2023-24/71 **भोपाल, दिनांक : 4.1.2024**

संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें, म.प्र. की ओर से निम्नलिखित कार्य संपादित करने के लिये निविदा पोर्टल ऑनलाइन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से **www.mptenders.gov.in** (Department - Directorate of Health Services) द्वारा निम्नानुसार निविदा प्रपत्र ''अ'' फार्म में परसेंटेज बेसिस पर तीन लिफाफा पद्धति से प्रोजेक्ट डायरेक्टर पी.आई.यू. लोक निर्माण विभाग भोपाल द्वारा जारी भवन एवं विद्युतीकरण हेतु एस.ओ.आर. 15.09.2022 (निविदा जारी होने तक किये गये समस्त संशोधनों सहित) पर उपयुक्त श्रेणी में पंजीबद्ध ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है -

ई-निविदा आमंत्रण सूचना 3/2023-24

स. क्र.	टेण्डर आईडी	कार्य का नाम	ठेके की अनु. राशि रु. लाख में	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	2024_DHS_323986	संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं भवन निर्माण कार्य जिला भोपाल	1594.72	24 माह वर्षाऋतु सहित
		योग	1594.72	

उपरोक्त निविदा वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 30.01.2024 सायं 05.30 बजे** निर्धारित है। धरोहर राशि संचालक स्वास्थ्य सेवायें, मध्यप्रदेश के पक्ष में देय हो मूलतः एवं अन्य अभिलेख कार्यपालन यंत्री, संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें, भोपाल के कार्यालय जय प्रकाश चिकित्सालय 1250 कैम्पस भोपाल में दिनांक 30.01.2024 सायं 05.30 बजे तक प्राप्त किये जावेंगे। तकनीकी एवं वित्तीय ऑफर निर्धारित तिथि के अनुसार कार्यपालन यंत्री, संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें, भोपाल के कार्यालय जय प्रकाश चिकित्सालय 1250 कैम्पस भोपाल में खोली जायेंगी।

विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। इस निविदा से संबंधित कोई भी संशोधन आवश्यक होने पर वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर अपलोड किये जायेंगे।

कार्यपालन यंत्री

जी-22910/49362/2024 **संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें भोपाल, (म.प्र.)**

कार्यालय अधिष्ठाता बुन्देलखण्ड चिकित्सा महाविद्यालय, सागर

शिवाजी वार्ड, तिली रोड, सागर (म.प्र.)-470001

फोन नं. - 07582-236270, फैक्स नं. - 07582-236457

Website :- bmcsagar.edu.in, E-mail :- deansmc08@yahoo.co.in

क्रमांक 159/क्रय/24 **सागर, दिनांक : 09.01.2024**

बुंदेलखंड चिकित्सा महाविद्यालय, सागर से सम्बद्ध चिकित्सालय परिसर में सागर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अंतर्गत स्थापित शी-लाउंज (महिला सुविधा गृह) का संचालन कार्य हेतु खुली निविदा आमंत्रण-सूचना

निविदा का नाम	प्री बिड बैठक दिनांक	निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	निविदा खोलने की तिथि एवं समय
बुंदेलखंड चिकित्सा महाविद्यालय, सागर से सम्बद्ध चिकित्सालय परिसर में सागर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अंतर्गत स्थापित शी-लाउंज (महिला सुविधा गृह) का संचालन कार्य हेतु खुली निविदा	19.01.24 दोपहर 12 बजे	01.02.2024 शाम 6.00 तक	**01.02.2024** शाम 6.00 तक	05.02.2024 दोपहर 12 बजे

इच्छुक फर्म/संस्था/व्यक्ति ऑनलाइन वेबसाइट **http/mptender.gov.in** से एवं हमारी वेबसाइट **www.bmcsagar.edu.in** से भी निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। निविदा में किये गये कोई भी संशोधन की जानकारी केवल महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जावेगी।

अधिष्ठाता

जी-22950/49363/2024 **बुन्देलखण्ड चिकित्सा महाविद्यालय, सागर (म.प्र.)**

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-जबलपुर

माधवराव सप्रे मार्ग (मुख्य मार्ग क्रमांक-03)

भोपाल (म.प्र.) 462003

नि.आं.सू. क्र./23/एन.एच.एम./2023-24/1335 **भोपाल, दिनांक : 08.01.2024**

निविदा आमंत्रण सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-जबलपुर की ओर से निम्नलिखित कार्य संपादित करने के लिये निविदा पोर्टल ऑनलाइन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से **(www.mptenders.gov.in)** (Department of Directorate of Health Services) तीन लिफाफा पद्धति से प्रपत्र ''अ'' फार्म में परसेंटेज बेसिस पर उपयुक्त श्रेणी में पंजीबद्ध ठेकेदारों हेतु प्रोजेक्ट डायरेक्टर पीआईयू लोक निर्माण विभाग भोपाल द्वारा जारी भवन एवं विद्युत कार्य हेतु एस.ओ.आर. 15.09.2022 (निविदा जारी होने दिनांक तक किये गये समस्त संशोधनों सहित) दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है:

ई-निविदा सूचना क्रमांक-23/2023-24 दिनांक 08.01.2024

स. क्र.	टेण्डर नं. 2024_DHS	कार्य का नाम	अनु. लागत राशि (लाख में)	जमा धरोहर राशि रु.	टेण्डर दर राशि रु.	समय सीमा वर्षाकाल सहित
1.	322854	जिला चिकित्सालय कटनी में फायर फाइटिंग हायड्रैन्ट एवं फायर सेफ्टि का कार्य। तृतीय आमंत्रण	101.31	101310/-	12500/-	04 माह
2.	323461	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मुशरन पिपरिया विकासखण्ड गोटेगांव जिला नरसिंहपुर में भवन विहीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का नवीन भवन मय 01 जी एवं 01 एच टाईप आवासगृह का निर्माण कार्य। चतुर्थ निविदा आमंत्रण	225.82	225820/-	15000/-	15 माह

1. कार्य से संबंधित एन.आई.टी. वेबसाइट **(http://www.mptenders.gov.in)** पर देखी जा सकती है।
2. निविदा प्रपत्र ऑनलाइन दिनांक 10.01.2024 प्रातः 10.30 से **दिनांक 25.01.2024** सायं 17.30 तक क्रय किये जा सकते हैं।
3. धरोहर राशि स्टेट हेल्थ सोसायटी, एन.एच.एम. भोपाल के पक्ष में देय होगी।
4. एन.आई.टी. में कोई भी संशोधन होने की स्थिति में वेबसाइट **(http://www.mptenders.gov.in)** पर प्रकाशित किया जावेगा एवं समाचार पत्रों में नहीं किया जावेगा।
5. उपरोक्त तालिका में स.क्र.1 में वर्णित कार्य हेतु विशेष शर्त लागू होगी जो ऑनलाइन में अपलोड की गई है।

कार्यपालन यंत्री

जी-22993/49364/2024 **राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-जबलपुर**

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन)

लोक निर्माण विभाग परिक्षेत्र ग्वालियर म.प्र.

दूरभाष - 0751-4008851, Email : apdpiu gwalior@Gmail.com

निविदा सूचना क्रमांक : 01/2024/सा./एपीडी/ग्वालियर दिनांक 10.01.2024

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रित की जाती है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. टीकमगढ़ जिला टीकमगढ़ में अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय भवन का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

ऑनलाइन निविदा क्रमांक	पी.आई.यू. का जिला	ठेके की अनु. लागत लाख में	अमानत राशि रु.	निविदा फार्म का मूल्य रु.	कार्य पूर्ण करने के लिये समय
2024_PWPIU_325473_1	टीकमगढ़	106.99 लाख	106990/-	12500/-	09 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. पृथ्वीपुर जिला निवाड़ी में अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय भवन का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024_PWPIU_325458_1	टीकमगढ़	106.99 लाख	106990/-	12500/-	09 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग श्योपुर के अंतर्गत 50 लाख तक की प्रशासकीय स्वीकृति के कार्य/ठेकेदार द्वारा छोड़े गये कार्य/परफॉरमेंस गारंटी के कार्य (जोनल टेण्डर)। प्रथम आमंत्रण

2024_PWPIU_325535_1	श्योपुर	90.00 लाख	90000/-	10000/-	12 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. श्योपुर में पॉलीटेक्निक कॉलेज से रूसा मॉडल कॉलेज तक सी.सी. पहुंच मार्ग निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024_PWPIU_325470_1	श्योपुर	79.42 लाख	79420/-	10000/-	09 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग श्योपुर के अंतर्गत निर्माणाधीन भवनों उप तहसील अगरा, गोरस, गसवानी, मानपुर, प्रेमसर एवं अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय भवन में फर्नीचर प्रदाय कराने हेतु। प्रथम आमंत्रण।

2024_PWPIU_325504_1	श्योपुर	67.00 लाख	67000/-	10000/-	06 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग श्योपुर के अंतर्गत निर्माणाधीन भवनों के बाह्य विद्युतीकरण का कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024_PWPIU_325524_1	श्योपुर	67.00 लाख	67000/-	10000/-	06 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग श्योपुर के अंतर्गत निम्न प्रकार के वाहन शासकीय उपयोग/निर्माण कार्यों के निरीक्षण हेतु मासिक दर पर अनुबंधित करने हेतु। प्रथम आमंत्रण।

2024_PWPIU_325810_1	श्योपुर	05.00 लाख	10000/-	2000/-	12 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 8. कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग शिवपुरी के अंतर्गत निर्माणाधीन भवनों के बाह्य विद्युतीकरण का कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024_PWPIU_325197_1	शिवपुरी	90.00 लाख	90000/-	10000/-	12 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 9. खनियाधाना जिला शिवपुरी में न्यायनिक विभाग के आवास एवं ए.डी.आर. सेंटर भवन हेतु एप्रोच रोड का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024_PWPIU_324976_1	शिवपुरी	18.70 लाख	37400/-	2000/-	03 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 10. कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग शिवपुरी के अंतर्गत 50 लाख तक की प्रशासकीय स्वीकृति के कार्य/ठेकेदार द्वारा छोड़े गये कार्य/परफॉरमेंस गारंटी के कार्य (जोनल टेण्डर)। प्रथम आमंत्रण।

2024_PWPIU_325151_1	शिवपुरी	90.00 लाख	90000/-	10000/-	12 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 11. कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग गुना के अंतर्गत निम्न प्रकार के वाहन शासकीय उपयोग/निर्माण कार्यों के निरीक्षण हेतु मासिक दर पर अनुबंधित करने हेतु। प्रथम आमंत्रण।

2024_PWPIU_325513_1	गुना	05.00 लाख	10000/-	2000/-	12 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 12. छतरपुर जिला छतरपुर में महाराजा छत्रसाल बुन्देलखंड विश्वविद्यालय में बाउंड्रीवॉल, गेट एवं गार्ड रूम का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024_PWPIU_325502_1	छतरपुर	888.78 लाख	888780/-	20000/-	12 माह

(1) निविदा से संबंधित डॉक्यूमेंट **website https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
(2) निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन पोर्टल पर ऑनलाइन किये जावेंगे, समाचार पत्रों में पृथक से प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
(3) ऑनलाइन निविदा सबमिट करने की अंतिम दिनांक **25.01.2024**
(4) तकनीकी बिड खोलने का दिनांक 27.01.2024

मुख्य अभियंता (भवन)

जी-23065/49368/2024 **लोक निर्माण विभाग परिक्षेत्र ग्वालियर**

कार्यालय अधीक्षण यंत्री

ग्रामीण यांत्रिकी सेवा मण्डल ग्वालियर (म.प्र.) पिन-474011

फोन : 0751-2344420 (O), ई-मेल : seresgwalior@mp.gov.in

क्रमांक/41/ग्रा.यां.से./ई-निविदा/2024

संक्षिप्त ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक - 09/SERESGwl/2023-24

निम्नलिखित कार्यों हेतु म.प्र. सरकार के केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत अथवा अन्य समकक्ष समतुल्य श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रतिशत दर पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र.	टेण्डर आईडी क्र.	कार्य का नाम/स्थान	जिले का नाम	कार्य की अनु. लागत (रु. लाख में)	समयावधि (वर्षाकाल सहित)
1.	2024_RES_325704_1	पैकेज क्र. 0702 गुना बरखेड़ा भादौर रोड से हिनोतिया ज.पंचा. गुना (पिन 473001)	गुना	44.52	270 दिन
2.	2024_RES_325706_1	ग्रेवल सड़क निर्माण कार्य मिर्जापुर से खैराई ग्रा.पं. पाटन ज.पं. आरोन (पिन-473101)	गुना	21.71	270 दिन

1. विस्तृत निविदा सूचना विवरण वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।
2. निविदा प्रपत्र दिनांक 18.01.2024 समय 09.00 AM से **27.01.2024** समय 06.00 PM तक केवल ऑनलाइन क्रय एवं सबमिट किये जा सकेंगे।
3. यदि निविदा में कोई संशोधन किया जाता है तो सिर्फ Web Portal **https://www.mptenders.gov.in** पर ही Publish किया जावेगा, समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

अधीक्षण यंत्री

जी-23036/49365/2024 **ग्रामीण यांत्रिकी सेवा मण्डल ग्वालियर**

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 36/मु.अ.(सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2023-24 **भोपाल, दिनांक : 10.01.2024**

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. उज्जैन जिले के स्टेट हाईवे एवं मुख्य जिला मार्गों पर पुलों का शेष निर्माण कार्य। (पैकेज क्रमांक-08-ए)

क्र.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु।
1.	2024_PWDRB_325443_1	उज्जैन	पुल कार्य	पंचमः	1429.68	केवल ऑन-लाइन
				कुल योग	1429.68	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 31.01.2024** (17.30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता

जी-23051/49367/2024 **लो.नि.वि. सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल**

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
कार्यालय कार्यपालन यंत्री, सागर संभाग-सागर
माधवराव सप्रे मार्ग, (मुख्य मार्ग क्रमांक-03)
भोपाल (म.प्र.) 462003

नि.आ.सू.क्र.-12/2023-24/955 **भोपाल, दिनांक : 11.01.2024**

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संभाग-सागर की ओर से जिला सागर, पन्ना, छतरपुर, निवाड़ी एवं टीकमगढ़ में उपस्वास्थ्य केन्द्र भवनों का सी.एच.ओ. आवास सहित निर्माण कार्य हेतु निविदा पोर्टल ऑनलाइन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से 02 एवं 03 लिफाफा पद्धति से प्रपत्र ''अ'' फार्म में परसेंटेज बेसिस पर उपयुक्त श्रेणी में पंजीबद्ध ठेकेदारों हेतु प्रोजेक्ट डायरेक्टर पीआईयू, लोक निर्माण विभाग भोपाल द्वारा जारी भवन एवं विद्युत कार्य हेतु एसओआर. 15.09.2022 एवं रोड एस.ओ.आर. (निविदा सूचना जारी होने तक किये गये समस्त संशोधनों सहित) दरों पर आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है :–

ई-निविदा अल्प आमंत्रण सूचना क्रमांक-12/2023-24

सरल क्रमांक	निविदा क्रमांक	जिला का नाम	विकासखण्ड का नाम	संस्था की संख्या	अनु. लागत राशि रु. लाख में
1.	2024_DHS_325606	सागर	खुरई एवं जैसीनगर	02	120.62
2.	2024_DHS_325607	छतरपुर	राजनगर	01	60.31
3.	2024_DHS_325608	छतरपुर	गौरिहार	01	60.31
4.	2024_DHS_325609	टीकमगढ़	जतारा	01	60.31
5.	2024_DHS_325610	निवाड़ी	पृथ्वीपुर	01	60.31
6.	2024_DHS_325611	छतरपुर	छतरपुर	01	60.31
7.	2024_DHS_325612	पन्ना	पवई	01	60.31

1. कार्य से संबंधित एन.आई.टी. वेबसाइट **(http://www.mptenders.gov.in)** पर देखी जा सकती है।
2. निविदा प्रपत्र ऑनलाइन दिनांक 15.01.2024 प्रातः 10.30 से **दिनांक 29.01.2024** सायं 17.30 तक क्रय किये जा सकते हैं।
3. धरोहर राशि स्टेट हेल्थ सोसायटी, एन.एच.एम. भोपाल के पक्ष में देय होगी।
4. एन.आई.टी. में कोई भी संशोधन होने की स्थिति में वेबसाइट **(http://www.mptenders.gov.in)** पर प्रकाशित किया जावेगा, समाचार पत्रों में नहीं।
5. उपरोक्त निविदा को किसी भी स्तर पर निरस्त करने के अधिकार विभाग के पास सुरक्षित है।

कार्यपालन यंत्री

जी-23038/49366/2024 **राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-सागर**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड सरदारपुर, जिला धार (म.प्र.)

दूरभाष : 07296-245865, ई-मेल : ecphedsardha@mp.gov.in

नि.सू.क्र. 22/2023-24 **सरदारपुर, दिनांक : 16.01.2024**

तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना

निम्न कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदाएं ई-टेंडर प्रक्रिया के अंतर्गत आमंत्रित किये जाने हेतु विभागीय इंटरनेट साइट पोर्टल **https://www.mptenders.gov.in/** 90 मिमी व्यास वाली उच्च घनत्व पॉलीथीन पाइप लाइन प्रदान करना, बिछाना और जोड़ना और मोटर पंप की स्थापनाएं सभी सामग्री और श्रम की लागत सहित मौजूदा डगवेल को गहरा करना आदि। 6 मीटर व्यास और 20 मी. गहराई वाले आरसीसी सेनेटरी कुएं का निर्माण कर कार्य का परीक्षण करने हेतु निर्धारित प्रक्रिया संपादित की गई है :–

सिस्टम टेण्डर क्र.	कार्य का विवरण	निविदा लागत रु. लाख में	धरोहर राशि रु. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. में	ठेकेदारों की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि
2023_PHED_326583_1	सरदारपुर	14.3	28600	2000	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत प्रणाली अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन	02 माह वर्षाकाल सहित
2023_PHED_326582_1	मनावर	4.23	8460	2000		
2023_PHED_326581_1	सरदारपुर	8.06	16120	2000		

ऑनलाइन निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि : 27.01.2024 17.30 बजे
ऑनलाइन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि : **27.01.2024 17.30 बजे**
ऑनलाइन निविदा दर खोलने की तिथि : 29.01.2024 11.00 बजे

नोट :– निविदा प्रपत्र सिर्फ उपरोक्त इंटरनेट साइट पर ऑनलाइन पर केश कार्ड, ए.टी.एम. कम डेबिट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग अकाउण्ट एवं आय.टी. जेड केश कार्ड के माध्यम से क्रय किये जा सकते है। विस्तृत निविदायें एवं अन्य विवरण उपरोक्त लिखित पोर्टल पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री (प्रोक्योरमेंट)

जी-23147/49382/2024 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड सरदारपुर-जिला धार (म.प्र.)**

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1046/2023-24/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 10.01.2024**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 07.02.2024** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2024_WRD_324802	टर्न की पद्धति पर :– गुनगुच जलाशय के बांध एवं नहर का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	सिवनी	1847.44
2.	2024_WRD_324885	टर्न की पद्धति पर :– बण्डा वृहद सिंचाई परियोजना के डूब प्रभावित 10 मार्ग (स्टेट हाइवे एवं अन्य मार्ग), 05 नग ब्रिज (प्रोटेक्शन कार्य सहित), 05 नग पाइप कल्वर्ट, 07 नग स्लैब कल्वर्ट का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	सागर	5511.02

जी-23078/49369/2024 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग वि./यां. संभाग, (ओल्ड पलासिया) इंदौर

E-mail ID : eepwdelecind@mp.nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक :– 69/व.ले.लि./वि./या./2023-24 **इंदौर, दिनांक : 15.01.2024**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. रेलवे ओवर ब्रिज, पोलो ग्राउण्ड मार्ग (क्रासिंग नं. एल.सी.-243) जिला इंदौर में बाधक विद्युत लाइन एवं ट्रांसफार्मर सब स्टेशन शिफ्टिंग का कार्य।

टेण्डर नं.	जिला	ठेके की अनु. राशि (लाख में)	अमानत राशि (रु.)	निविदा प्रपत्र की राशि	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की निर्धारित अवधि
2023_PWDRB_326508	इंदौर	92.70	92702/-	10,000/-	केन्द्रीयकृत पी.डब्ल्यू.डी. विद्युत पंजीकरण	6 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. रेलवे ओवर ब्रिज, मांगलिया से सांवेर रोड (क्रासिंग नं. एल.सी.-45) जिला इंदौर में बाधक विद्युत लाइन एवं ट्रांसफार्मर सब स्टेशन शिफ्टिंग का कार्य।

2023_PWDRB_326509	इंदौर	58.42	58,430/-	10,000/-	केन्द्रीयकृत पी.डब्ल्यू.डी. विद्युत पंजीकरण	6 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. रेलवे ओवर ब्रिज, बाणगंगा लक्ष्मीबाई नगर (क्रासिंग नं. एल.सी.-55) जिला इंदौर में बाधक विद्युत लाइन एवं ट्रांसफार्मर सब स्टेशन शिफ्टिंग का कार्य।

2023_PWDRB_326510	इंदौर	194.23	1,94,235/-	12,500/-	केन्द्रीयकृत पी.डब्ल्यू.डी. विद्युत पंजीकरण	6 माह वर्षाकाल सहित
			कुल राशि रु.	345.35		

1. उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन पेमेंट करने के पश्चात बिड डॉक्यूमेंट क्रय किया जा सकता है।
2. बिड प्रस्तुत करते समय बिड प्रस्तुतकर्ता को निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करना आवश्यक है :– 1. बिड डाक्यूमेंट की खरीदी का प्रमाण, 2. अर्नेस्ट मनी जमा करने का प्रमाण, 3. चेक लिस्ट, 4. एफिडेविट आदि अन्य विस्तृत जानकारी बिड डाटा शीट में देखी जा सकती है।
3. निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की तिथि दिनांक 17.01.24 सुबह 10.30 से **दिनांक 27.01.24** सायं 17.30 बजे तक निर्धारित है।
4. निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन पेपर पब्लिकेशन में नहीं किया जाकर सिर्फ वेबसाइट पर ही किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-23149/49383/2024 **लो.नि.वि. वि./यां. संभाग, इंदौर**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग, सिवनी (म.प्र.)
निर्माण भवन, प्रथम तल, कलेक्टर कैम्पस, जिला-सिवनी (मध्यप्रदेश)

दूरभाष क्र. 07692-225559, Email : dpepiu.seoni@mp.gov.in, dpepiuseoni@gmail.com

एनआईटी नं. - 01/2024/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/जी/एपीडी **जबलपुर, दिनांक : 09.01.2024**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :–

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. शासकीय हाईस्कूल भिलमा, ब्लॉक लखनादौन, जिला सिवनी का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2024_PWPIU_326272_1	सिवनी (म.प्र.)	118.55	118550	12500	10 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चिमनाखारी वि.ख. बरघाट एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छुई, वि.खं. केवलारी, जिला सिवनी में 3 प्रयोगशाला एवं 4 कक्षों के निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

2024_PWPIU_326275_1	सिवनी (म.प्र.)	198.70	198700	12500	10 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. शासकीय महाविद्यालय बरघाट जिला सिवनी में ऑडिटोरियम (इंडोर स्टेडियम डबल बैडमिंटन कोर्ट) का निर्माण कार्य एवं शासकीय महाविद्यालय बरघाट के प्रथम तल पर अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

2024_PWPIU_326276_1	सिवनी (म.प्र.)	204.02	204020	15000	10 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :–4. सिविल अस्पताल केवलारी जिला सिवनी में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट के निर्माण कार्य, जिला सिवनी के शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय केवलारी में अतिरिक्त कक्ष एवं टॉयलेट का निर्माण कार्य एवं शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिवनी में विवेकानंद युवा संसाधन केन्द्र भवन का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

2024_PWPIU_326277_1	सिवनी (म.प्र.)	129.90	129900	12500	10 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 15.01.2024 से **दिनांक 27.01.2024 तक** खरीदा जा सकेगा। अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (भवन)

जी-23133/49381/2024 **लोक निर्माण विभाग, सिवनी (म.प्र.)**

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1045/2023-24/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 10.01.2024**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 07.02.2024 को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2024_WRD_324738	**टर्न की पद्धति पर :–** कुण्डियानाला तालाब योजना का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	धार	405.64
2.	2024_WRD_324743	बज्जाहेडा वियर के डाउनस्ट्रीम प्रोटेक्शन का कार्य।	शाजापुर	78.36
3.	2024_WRD_324744	दोरापुर (हापाखेडा) वियर के डाउनस्ट्रीम प्रोटेक्शन का कार्य।	शाजापुर	105.67
4.	2024_WRD_324745	दुहानी बैराज के डाउनस्ट्रीम प्रोटेक्शन का कार्य।	शाजापुर	94.68
5.	2024_WRD_324746	टाण्डाबोरी बैराज के डाउनस्ट्रीम प्रोटेक्शन का कार्य।	शाजापुर	166.24
6.	2024_WRD_324747	**टर्न की पद्धति पर :–** कहुला लघु योजना के बांध (नहर रहित) का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	रायसेन	466.08
7.	2024_WRD_324748	पेंच व्यपवर्तन परियोजना के अंतर्गत स्पील चैनल में एवं नदी जक्शन पाईट पर हॉर्ड रॉक एवं डिस्इन्ट्रीगेटेड रॉक खुदाई कार्य तथा स्पील चैनल के राईट साईड बैंक एवं स्पाईल बैंक में मिट्टी फिलिंग के कार्य।	छिन्दवाड़ा	82.78
8.	2024_WRD_324749	**टर्न की पद्धति पर :–** कुन्दहा नाला बैराज का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	कटनी	248.66
9.	2024_WRD_324750	माही परियोजना की बांयी तट नहर की छायन पूर्व माइनर एवं सब माइनर का लाईनिंग, कपिन्ग व बेक राईजिन्ग का मरम्मत कार्य।	झाबुआ	22.20
10.	2024_WRD_324751	माही परियोजना की बांयी तट नहर की पिठापाड़ा माइनर की लाईनिंग व बैंक रेजिंग कार्य।	झाबुआ	27.32
11.	2024_WRD_324752	**टर्न की पद्धति पर :–** दावठा बैराज का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	देवास	208.01
12.	2024_WRD_324753	**टर्न की पद्धति पर :–** अगरदा बैराज का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	देवास	191.71
13.	2024_WRD_324754	विशेष मरम्मत मद अंतर्गत सिहावल मुख्य नहर के कि.मी. 1.20 तथा कि.मी. 11.45 पर वियर वॉल का निर्माण कार्य।	सीधी	61.49
14.	2024_WRD_324756	कोलार परियोजना अंतर्गत बांयी मुख्य नहर की कोसमी माइनर एवं इसकी सबमाइनरों में मरम्मत एवं लाईनिंग का कार्य।	सीहोर	41.04
15.	2024_WRD_324757	कोलार परियोजना अंतर्गत बांयी मुख्य नहर की धामण्डा माइनर में मरम्मत एवं लाईनिंग का कार्य।	सीहोर	28.95
16.	2024_WRD_324759	बारना बांध पर निरीक्षण गृह का निर्माण कार्य।	रायसेन	58.16
17.	2024_WRD_324760	पार्वती बांध स्थल/कार्यालय परिसर पर आवासीय भवनों का निर्माण कार्य।	राजगढ़	317.95
18.	2024_WRD_324761	सीतानगर परियोजना से डूब प्रभावित के पुनर्वास एवं पुर्नस्थापन कॉलोनी - कल्याणपुर में फेंसिंग, सी.सी. रोड नालों एवं पुलिया आदि का निर्माण कार्य।	दमोह	986.84
19.	2024_WRD_324764	रूंझ बांध पर नवीन विद्युतीयकरण (33 के.व्ही. विद्युत लाईन का विस्तार) एवं 315 के.व्ही.ए. ट्रान्सफारमर 33/0.433 के प्रदाय-स्थापना सहित विद्युत उपकेन्द्र व स्विचयार्ड के निर्माण का कार्य समस्त सामग्री एवं मजदूरी सहित।	पन्ना	130.43
20.	2024_WRD_324766	हनौता सिंचाई परियोजना के डूब क्षेत्र से प्रभावित ग्राम महूनाजाट पर 11 के.व्ही. एवं एल.टी. लाईनों के प्रतिस्थापन का कार्य।	सागर	40.80
21.	2024_WRD_324767	कारम मध्यम सिंचाई परियोजना से डूब प्रभावित प्राथमिक विद्यालय भवन भैसाखो खूर्द (पटेलपुरा) का निर्माण कार्य।	धार	74.29
22.	2024_WRD_324768	कारम मध्यम सिंचाई परियोजना से डूब प्रभावित प्राथमिक विद्यालय भवन जामंदा का निर्माण कार्य।	धार	74.29
23.	2024_WRD_324770	कारम मध्यम सिंचाई परियोजना से डूब प्रभावित माध्यमिक स्कूल भवन उतावली का निर्माण कार्य।	धार	74.29
24.	2024_WRD_324773	कारम मध्यम सिंचाई परियोजना से डूब प्रभावित आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण कार्य।	धार	50.78
25.	2024_WRD_324774	कारम मध्यम सिंचाई परियोजना से डूब प्रभावित प्राथमिक विद्यालय भवन भैसाखो बुजुर्ग का निर्माण कार्य।	धार	74.29
26.	2024_WRD_324775	प्रमुख अभियंता कार्यालय जल संसाधन भवन, भोपाल में सुरक्षा व्यवस्था का प्रदाय कार्य।	भोपाल	22.23
27.	2024_WRD_324776	प्रमुख अभियंता कार्यालय जल संसाधन भवन, भोपाल में हाउसहोल्ड मेनेजमेंट एवं अन्य कार्य।	भोपाल	25.94
28.	2024_WRD_324777	भानपुर बैराज के दायी तट अबटमेंट के अप स्ट्रीम एवं डाउन स्ट्रीम में फ्लड प्रोक्टेशन वाल का निर्माण कार्य।	रतलाम	41.24
29.	2024_WRD_324778	**टर्न की पद्धति पर :–** बरखेड़ा मध्यम सिंचाई परियोजना के अंतर्गत बरखेड़ा तालाब के डूब क्षेत्र से प्रभावित अप्रोच रोड, 2 नग ब्रिज, 1 नग स्लैब कलर्वट, 6 नग पाईप कलवर्ट का सम्पूर्ण निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	धार	364.73
30.	2024_WRD_324780	पिपरिया जलाशय योजना का शेष कार्य।	अनूपपुर	315.39
31.	2024_WRD_324781	मुख्य अभियंता (वि./यां.) बांध सुरक्षा भवन, भोपाल में सुरक्षा व्यवस्था के प्रदाय का कार्य।	भोपाल	21.11

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी
निर्वाचन सदन, जिला-सीधी म.प्र.

क्रमांक 10/लेखा./स्था./निर्वा./2023 **सीधी, दिनांक : 17.01.2024**

ई-निविदा सूचना

मध्यप्रदेश शासन, विधि एवं विधायी निर्वाचन कार्य विभाग भोपाल के आदेश क्रमांक-04/01/स्था./वि.निर्वा./160 भोपाल दिनांक 07.06.2016 के अनुसार एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन कार्यालय, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालयों के लिए निम्नानुसार नवीन स्थायी पद की स्वीकृति प्रदान की गई है :–

कार्यालय का नाम	सहायक प्रोग्रामर	डाटा एन्ट्री ऑपरेटर	भृत्य	वेतनमान	नियुक्ति का प्रकार
जिला निर्वाचन कार्यालय	01	02	01	कलेक्टर दर पर	आउटसोर्स
निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी	04	08	--	कलेक्टर दर पर	आउटसोर्स
सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी	--	04	--	कलेक्टर दर पर	आउटसोर्स
योग :–	**05**	**14**	**01**		

01	वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर निविदा उपलब्ध होने की तिथि	17.01.2024
03	वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर नियत भर्ती शर्तों के अनुसार तकनीकी और वित्तीय ई-निवि ऑनलाइन अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय	06.02.2024 दोपहर 2.00 बजे
04	निविदा समिति/अधिकृत अधिकारियों द्वारा ई-निविदा की तकनीकी प्रस्ताव खोले जाने तथा नियमानुसार तकनीकी प्रस्तावों का मूल्यांकन आदि हेतु तिथि और समय	07.02.2024 सायं 3.00 बजे
05	तकनीकी ई-निविदा में सफल निविदाकारों की नियमानुसार वित्तीय ई-निविदा खोले जाने की अंतिम तिथि एवं समय	तकनीकी निविदा मूल्यांकन उपरांत

उपरोक्त स्वीकृत पदों पर आउटसोर्स से कर्मचारी प्रदाय करने हेतु भारत सरकार/मध्यप्रदेश शासन द्वारा पंजीकृत संस्थाओं से MP e-tender के माध्यम से **दिनांक 06.02.2024** को दोपहर 02.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। प्राप्त ई-निविदायें दिनांक 07.02.2024 को अपरान्ह 03.00 बजे गठित समिति के द्वारा खोली जावेंगी। ई-निविदा की शर्तें एवं अनुदेश की समस्त जानकारी MP e-tender पोर्टल पर/जिले की वेबसाइट **www.sidhi.nic.in** में भी देखी जा सकती है।

अपर कलेक्टर एवं

जी-23071/49370/2024 **उप जिला निर्वाचन अधिकारी जिला सीधी (म.प्र.)**

32.	2024_WRD_324782	**टर्न की पद्धति पर :–** बुढेरा स्टॉप डेम कम कॉजवे का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	मुरैना	431.81
33.	2024_WRD_324784	बण्डा सिंचाई परियोजना के डूब से प्रभावित पुनर्वास स्थल ग्राम पनारी में नवीन विद्युतीयकरण का कार्य समस्त सामग्री एवं मजदूरी सहित।	सागर	74.26
34.	2024_WRD_324786	हनौता सिंचाई परियोजना के डूब से प्रभावित पुनर्वास स्थल ग्राम बदोह में नवीन विद्युतीयकरण का कार्य समस्त सामग्री एवं मजदूरी सहित।	सागर	95.38
35.	2024_WRD_324789	हनौता सिंचाई परियोजना के डूबक्षेत्र से प्रभावित पुनर्वास स्थल ग्राम जाजपोन में नवीन विद्युतीयकरण का कार्य समस्त सामग्री एवं मजदूरी सहित।	सागर	128.60
36.	2024_WRD_324790	बण्डा सिंचाई परियोजना के डूबक्षेत्र से प्रभावित पुनर्वास स्थल ग्राम पिथौली में नवीन विद्युतीयकरण का कार्य समस्त सामग्री एवं मजदूरी सहित।	सागर	178.60
37.	2024_WRD_324792	हनौता सिंचाई परियोजना के डूबक्षेत्र से प्रभावित पुनर्वास स्थल ग्राम गौंदखेड़ी में नवीन विद्युतीयकरण का कार्य समस्त सामग्री एवं मजदूरी सहित।	सागर	348.03
38.	2024_WRD_324793	मझगांय सिंचाई परियोजना के 04 नग जलद्वारों के कास्ट स्टील रोलर के कास्टिंग, मशीनिंग, असेंबली, रेलिंग, डेकिंग, ट्रैश रैक एवं इलेक्ट्रिकल ऑपरेटेड रोप ड्रम होइस्ट के डिजाइन, ड्राइंग, फेब्रीकेशन एवं इंस्टालेशन का कार्य।	पन्ना	129.54
39.	2024_WRD_324795	बण्डा सिंचाई परियोजना के डूब से प्रभावित पुनर्वास स्थल ग्राम पनारी में नवीन विद्युतीयकरण कार्य स्थल पर 11 के.व्ही. विद्युत लाईन सहित 200 के.व्ही.ए. डी.टी.आर. के प्रदाय सहित स्थापना का कार्य समस्त सामग्री एवं मजदूरी सहित।	सागर	499.48
40.	2024_WRD_324797	बण्डा सिंचाई परियाजना के डूब से प्रभावित पुनर्वास स्थल ग्राम पनारी में नवीन विद्युतीयकरण कार्य स्थल पर एल.टी. विद्युत लाईन (28 कि.मी.) से संबंधित सामग्री के प्रदाय सहित स्थापना का कार्य समस्त सामग्री एवं मजदूरी सहित।	सागर	388.29
41.	2024_WRD_324798	बण्डा सिंचाई परियोजना के डूब से प्रभावित पुनर्वास स्थल ग्राम पनारी में नवीन विद्युतीयकरण कार्य स्थल पर 33/11 के.व्ही. नवीन विद्युत उपकेन्द्र के निर्माण सहित 10 एम.व्ही.ए. पी.टी.आर. के प्रदाय सहित स्थापना का कार्य समस्त सामग्री एवं मजदूरी सहित।	सागर	476.14
42.	2024_WRD_324799	मढ़ीया सिंचाई परियोजना के डूब से प्रभावित बेगमगंज के समीप 33 के.व्ही. 11 के.व्ही. व एल.टी. विद्युत लाईन सहित डी.टी.आर. (26 नग) के प्रतिस्थापन का कार्य समस्त सामग्री एवं मजदूरी सहित।	सागर	304.46
43.	2024_WRD_324800	लहार शाखा नहर की आर.डी. 37260 मी. से निकली मिट्टी का कार्य, महाराजपुरा माइनर की आर.डी. 0 मी. से 4800 मी. पर।	दतिया	21.62
44.	2024_WRD_324889	आसान बैराज मध्यम सिंचाई परियोजना के अंतर्गत ग्राम गदाल का पुरा के डूब प्रभावित परिवारों के लिए ग्राम छोंदा में पुनर्वास कॉलोनी का निर्माण एवं विकास कार्य।	मुरैना	436.54
45.	2024_WRD_324997	ओर वृहद बांध परियोजना में 20 सवारियों के लिए 1360 कि.ग्रा. क्षमता की लिफ्ट 2 स्टॉप (G एवं T) एलिवेटेर IS स्पेशीफिकेशन के साथ प्रदाय करने लगाने, कमिशनिंग के साथ टेस्ट कराने का कार्य।	शिवपुरी	56.55
46.	2024_WRD_325234	**टर्न की पद्धति पर :–** फरसपुर बैराज का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	इंदौर	190.52
47.	2024_WRD_325236	बम्भाड़ा तालाब के फीडर चेनल का निर्माण कार्य।	बुरहानपुर	48.40

जी-23097/49371/2024 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

छात्रावासों में बेहतर सुविधाएं छात्रों को मुहैया कराएं - मुख्यमंत्री

शहडोल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहडोल में विकास कार्यों की संभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत कराए जा रहे निर्माण कार्यों में उच्च स्तर की गुणवत्ता सुनिश्चित कराएं। कमिश्नर एवं कलेक्टर्स समय-समय पर निर्माण कार्यों का निरीक्षण करें और निर्माण कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित कराएं। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि शासन द्वारा संचालित छात्रावासों में छात्र-छात्राओं को बेहतर सुविधाएं मिलनी चाहिये। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के साथ ही प्रशासनिक अधिकारी भी छात्रावासों का समय-समय पर निरीक्षण करें, छात्रावासों में रहकर अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों से चर्चा करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रावासों में रहकर अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराकर, उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना हम सभी का कर्तव्य है।

डॉ. यादव ने बैठक में खेल मैदानों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि खेल मैदानों का बड़ी संख्या में निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि खेल मैदानों का उपयोग भी होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को निर्देश दिए कि वे युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करें। डॉ. यादव ने कहा कि खेल मैदानों की रौनक बढ़नी चाहिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कलेक्टर सतत रूप से जनप्रतिनिधियों के साथ बैठकें करें, अपनी प्राथमिकताएं तय करें और लोक कल्याण के कार्य बेहतर ढंग से कराएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी और परिणाममूलक क्रियान्वयन सुनिश्चित होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कार्यों में नवाचार करने के भी निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने जल संसाधन, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई परियोजनाओं, विद्युत वितरण व्यवस्था, प्रधानमंत्री आवास योजना, एवं अन्य योजनाओं की भी समीक्षा की।

युवा उत्सव प्रतिभा को निखारने और व्यक्तित्व को गढ़ने में सहायक

भोपाल, युवा उत्सव एक ऐसा मंच है जो न केवल आपकी प्रतिभा को निखारता है बल्कि व्यक्तित्व को गढ़ने में भी सहायक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के हर क्षेत्र में प्रतिभावान युवाओं को अवसर मिल रहे हैं। शिक्षा से लेकर खेल, कृषि से लेकर विज्ञान हर क्षेत्र में युवाओं को प्रोत्साहन मिल रहा है। ये बातें लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री श्री नेर्द्र शिवाजी पटेल ने बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में अंतर जिला विश्वविद्यालय स्तर युवा उत्सव का शुभारंभ करते हुए कहीं।

राज्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के लगातार प्रोत्साहन से युवा आगे बढ़ रहे हैं। भारत का मान, सम्मान और गौरव बढ़ाने में युवा भी अपनी सशक्त भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं।

श्री पटेल ने कहा कि युवा उत्सव में विभिन्न प्रस्तुतियों को देखकर हमें छात्र जीवन के स्वर्णिम पल याद आ गए जब हम भी आप लोगों की तरह युवा उत्सव में भाग लिया करते थे। उन्होंने कहा कि हमें जीवन में सफलता के लिए ही नहीं बल्कि सीख के लिए भी ऐसे आयोजन और प्रतियोगिताओं में भाग लेना चाहिए।

स्टार्टअप रैंकिंग लीडर अवॉर्ड प्रदेश के लिए गौरव

भोपाल, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन काश्यप ने भारत सरकार द्वारा स्टार्टअप रैंकिंग 2022 में मध्यप्रदेश को लीडर अवॉर्ड प्रदेश के लिए गौरव है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। श्री काश्यप ने कहा कि उनका विभाग युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करेगा। श्री काश्यप ने कहा कि अपनी शानदार स्टार्टअप पालिसी की बदौलत हमने दो साल से भी कम अवधि में 108 प्रतिशत उपलब्धि अर्जित कर देश में चौथे से तीसरी रैंक पर अपना स्थान बनाया है।

सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि स्टार्टअप पालिसी के बेहतर प्रावधानों के चलते स्टार्टअप की संख्या 3700 से ऊपर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि वे वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लगातार विचार-विमर्श कर रहे हैं और सिडबी सहित अन्य वित्तीय संस्थाओं से स्टार्टअप के लिए बड़ी मात्रा में सीड कैपिटल मुहैया कराने की योजना तैयार की जा रही है।

वन विभाग से संबंधित मुद्दों के निराकरण के लिये समिति का गठन

भोपाल, राज्य शासन ने वन विभाग से संबंधित मुद्दों के निराकरण के लिये अपर मुख्य सचिव वन श्री जे.एन. कंसोटिया की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। समिति प्रतिमाह बैठक कर लंबित प्रस्ताव की समीक्षा कर निराकरण करेगी। जारी आदेश में अपर मुख्य सचिव पंचायत ग्रामीण विकास श्री मलय श्रीवास्तव समन्वयक और प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, प्रमुख सचिव, खनिज साधन, प्रमुख सचिव, राजस्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख और श्री सुनील अग्रवाल भारतीय वन-सेवा सलाहकार राज्य आयोग, भोपाल को समिति का सदस्य बनाया गया।

सिंहस्थ 2028 से पहले क्षिप्रा नदी की शुद्धि के लिये कार्ययोजना तैयार करें– मुख्यमंत्री

उज्जैन, सिंहस्थ 2028 के मद्देनजर क्षिप्रा नदी का पानी स्वच्छ निर्मल एवं आचमन योग्य बनाने के लिये क्षिप्रा नदी को साफ रखने की कार्ययोजना तैयार की जाये। गंदे पानी को रोकने के लिए जगह-जगह स्टपडैम बनाये जायें। ये निर्देश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ 2028 के विकास कार्य एवं क्षिप्रा शुद्धिकरण के संबंध में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए दिये। मुख्यमंत्री ने इंदौर एवं उज्जैन संभाग के संभागायुक्तों एवं कलेक्टर्स को कार्ययोजनाएं बनाने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर महाकाल लोक फेस-3 के कार्यों की भी शुरुआत की जायेगी। उन्होंने क्षिप्रा के उद्गम से लेकर समाप्ति स्थल तक घाटों पर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की विस्तृत कार्ययोजनाएं बनाने का निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का सबसे बड़ा कुंभ मेला सिहस्थ 12 वर्ष में एक बार उज्जैन में तब आयोजित होता है, जब सिंह राशि में बृहस्पति प्रवेश करते हैं। मेले में साधु, संत, महामंडलेश्वर एवं श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। सिंहस्थ का आयोजन न केवल उज्जैन बल्कि देश के लिए एक गौरवशाली क्षण होता है।

डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन के अलावा सिंहस्थ मेले का इंदौर, देवास, ओंकारेश्वर दादा धुनी वाले, पशुपतिनाथ मंदिर, बगलामुखी मंदिर में भी सिंहस्थ मेले का विस्तार रहता है। सभी जगह आम जनता की सहभागिता रहती है। जब श्रद्धालु आएं तो मेले में गौरव का अनुभव करें। सिंहस्थ 2028 की प्लानिंग साधु संतों की सलाह पर करने और उनके परामर्श से ही कार्ययोजनाएं बनाने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने कान्ह नदी का गंदा पानी क्षिप्रा में रोकने के लिए बनाई गई 99 करोड़ रुपये की डायवर्जन प्लानिंग पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि एक बार में ही ऐसी योजना बनायें कि क्षिप्रा का जल पीने और आचमन योग्य बन जाए। गलत प्लानिंग के लिये अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत केंद्र सरकार से क्षिप्रा शुद्धिकरण के लिए आवश्यक बजट की मांग की जाएगी।

डॉ. यादव ने कहा कि हमेशा की तरह इस बार भी सिंहस्थ मेला गौरवशाली सनातन परंपरा के अनुसार आयोजित किया जायेगा। इसके लिए क्षिप्रा नदी शुद्धिकरण के साथ ही उज्जैन के महाकाल मंदिर तक जाने के लिए सड़क मार्ग चौड़ीकरण, मंदिर तक जाने के लिए वैकल्पिक मार्ग की प्लानिंग, पावर स्टेशन, हवाई पट्टी विस्तार, संग्रहालय, यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था, वाहन पार्किंग आदि के भी विकास कार्य पूरा किये जायेंगे।

बैठक में बताया गया कि सिंहस्थ 2028 में 12 करोड़ श्रद्धालुओं का अनुमान है। इसके लिए सभी मूलभूत आवश्यकताओं की व्यवस्था की जाएगी। इंदौर में क्षिप्रा नदी में नालों का गंदा पानी रोकने के लिए 9 स्टापडैम बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह 9 स्टापडैम वहां-वहां बनाए जाएंगे जहां-जहां गंदे नाले का पानी क्षिप्रा में मिल रहा है। विभिन्न देवस्थानों, वाल्मीकि घाट, सिद्धवट, काल भैरव, सिद्धनाथ आदि के घाटों का भी विस्तार होगा। जहां-जहां संत रहते हैं उन घाटों का विस्तार किया जाएगा।

भीड़ नियंत्रण पर प्रभावी कार्रवाई के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकाल मंदिर के अलावा राम जनार्दन मंदिर, सिद्धनाथ, काल भैरव जहां सेटेलाइट टावर है, वहां भी भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए आवश्यक प्लान बनाए जाएंगे। डॉ. यादव ने कहा की एक ही सड़क पर भीड़ का भार डालना उचित नहीं है, इसके लिए चार से पांच वैकल्पिक मार्ग भी बनाए जाएंगे।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, BHOPAL M.P. – 462 011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./891/22/D-12/NIT-Maint./2024 **Bhopal, Dated : 18.01.2024**

NOTICE INVITING TENDER NO. 272/MTN/2024

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :-

- **SSR Applicable ;- SSR issued by M.P Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments upto issue date of NIT.**

1. Table No. 1 :- Name of Work :- Repair/Maintenance of The Rural Roads For Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 5 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Agar Malwa	2	28176856.00
2	Ashoknagar	1	10580959.00
3	Balaghat	1	18913543.00
4	Betul	5	53737206.00
5	Bhind	2	36440386.00
6	Chhindwara	4	85777348.00
7	Damoh	2	33616832.00
8	Datia	1	2167756.00
9	Dewas	1	12604109.00
10	Dhar	1	26251537.00
11	Guna	2	44108591.00
12	Gwalior	2	25023056.00
13	Jabalpur	1	2320403.00
14	Jhabua	1	20878348.00
15	Mandla	1	27978291.00
16	Mandsaur	1	22817539.00
17	Narsinghpur	1	4998526.00
18	Rajgarh	4	72888782.00
19	Rewa	1	25686416.00
20	Sagar	4	33548756.00
21	Sehore	2	7793787.00
22	Seoni	1	7567344.00
23	Shahdol	3	28359141.00
24	Shajapur	3	40606685.00
25	Sheopur	3	50652948.00
26	Shivpuri	1	6994114.00
27	Ujjain	7	100256129.00
28	Umaria	2	22125628.00
29	Vidisha	9	124655153.00

2. Table No. 2 :- Name of Work :- Repair/Maintenance of The Rural Roads For Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 10 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Bhind	2	8533614.00
2	Chhatarpur	1	5010847.00
3	Dindori	1	4781854.00
4	Guna	1	8553466.00
5	Jabalpur	1	641016.00
6	Khargone	1	17447640.00
7	Mandla	2	36998947.00
8	Morena	3	40927961.00
9	Narsinghpur	1	6947689.00
10	Rewa	1	14046890.00
11	Sagar	1	15802489.00
12	Sehore	1	2868778.00
13	Shajapur	1	13686461.00
14	Shivpuri	4	46097921.00
15	Sidhi	3	29876747.00
16	Vidisha	1	13138186.00

3. Table No. 3 :- Name of Work - Repair/Maintenance of The Rural Roads For Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 15 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Agar Malwa	1	8436255.00
2	Ashoknagar	2	29059942.00
3	Bhind	2	22578008.00
4	Bhopal	1	9538984.00
5	Dhar	1	15851436.00
6	Guna	3	21995700.00
7	Gwalior	1	13330189.00
8	Mandla	1	5617242.00
9	Mandsaur	1	8602613.00
10	Morena	2	37274035.00
11	Sagar	1	17018413.00
12	Satna	1	6630343.00
13	Shivpuri	1	13443828.00
14	Sidhi	1	17409062.00
15	Singrauli	1	7331835.00
16	Tikamgarh	1	14250612.00
17	Ujjain	1	19499914.00

4. Table No. 4 :- Name of Work:- Repair/Maintenance of The Rural Roads For Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 5 Year-Md)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Bhopal	1	1184842.00
2	Sheopur	1	550571.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **23.01.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/113342/2024 **(TENDER)**

''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-49379/2024

इंश्योरेंस सेक्टर में कॅरियर के बहुआयामी मौकों का नया दौर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुए आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

यकीनन कोविड-19 के बाद लगातार देश और दुनिया में जिस तेजी से इंश्योरेंस सेक्टर छलांगें लगा रहा है, उसी तेजी से छोटे गांवों से लेकर बड़े शहरों तक इंश्योरेंस सेक्टर में बहुआयामी कॅरियर के मौके बढ़ रहे हैं। चाहे लाइफ इंश्योरेंस हो या हेल्थ इंश्योरेंस हो, चाहे जनरल इंश्योरेंस या फिर मोटर इंश्योरेंस सभी की मांग तेजी से बढ़ी है। देश में कोरोना वायरस महामारी की वजह से वर्ष 2020 के बाद इंश्योरेंस का ग्राफ तेजी से बढ़ा है। कोरोना के बाद स्वास्थ्य चिंताएं बढ़ने से अब ज्यादातर लोग बीमा पॉलिसी अपने और स्वजन के लिए भी अनिवार्य मानने लगे हैं। देश में बढ़ते हुए मध्यम वर्ग, परिवार सुरक्षा की योजना, उद्योग-कारोबार में बढ़ती जोखिमों तथा आयुष्मान भारत के तहत नेशनल हेल्थ प्रोटेक्शन स्कीम के लागू होने तथा इंश्योरेंस के गांवों की ओर तेजी से बढ़ने जैसे कारणों से देश में इंश्योरेंस बिजनेस बढ़ता जा रहा है। ऐसे में जैसे-जैसे इंश्योरेंस की मांग बढ़ती जा रही है, इंश्योरेंस इंडस्ट्री भी ग्रोथ कर रही है और यहां युवाओं के लिए कॅरियर अवसर भी बढ़ रहे हैं।

इंश्योरेंस का बढ़ता बाजार

एसोचैम की रिपोर्ट के अनुसार भारत में इंश्योरेंस इंडस्ट्री का आकार वर्ष 2020 में 280 अरब डॉलर मूल्य के करीब रहा है। इस रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2025 तक इंश्योरेंस सेक्टर में 12 से 15 फीसदी इजाफा संभावित है। 2021 में जनरल इंश्योरेंस की कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट (सीएजीआर) 5 प्रतिशत थी जो 2022 में बढ़कर 10.2 प्रतिशत पहुंच गई। खासतौर पर हेल्थ इंश्योरेंस सेक्टर में कोविड महामारी के बाद करीब 32 प्रतिशत की ग्रोथ देखी गई है। साथ ही नॉन-लाइफ इंश्योरेंस सेक्टर, यानी जीवन बीमा के अतिरिक्त होने वाले सभी बीमा क्षेत्रों में औसतन 15 प्रतिशत की दर से वृद्धि दिखाई दी है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि इस समय जीवन बीमा की प्रीमियम आय का देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में काफी कम योगदान है, जबकि वैश्विक जीडीपी में यह करीब सात प्रतिशत है। ऐसे में जीवन बीमा के विस्तार और इसमें रोजगार की असीम संभावनाएं हैं।

इंश्योरेंस सेक्टर में बहुआयामी कॅरियर और नए विकल्प

कल तक इंश्योरेंस सेक्टर में नौकरी की बात आते ही लोग इसे सीधे बीमा एजेंट के काम से जोड़ लेते थे, जिन्हें घर-घर जाकर पॉलिसी बेचनी होती है। लेकिन टेक्नोलॉजी ने पेपरवर्क पर आधारित पॉलिसी बेचने के परम्परागत तरीके को बदला और इस क्षेत्र में कॅरियर के बहुआयामी नए विकल्प तैयार हो गए हैं। भारतीय जीवन बीमा निगम विश्व (एलआईसी) की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनियों में से एक है। ऐसे में एलआईसी में गांव से शहर तक कहीं भी एजेंट बनने से लेकर सहायक प्रशासनिक अधिकारी जैसे विभिन्न पदों पर रहते हुए मानवता की सेवा के साथ-साथ अच्छी कमाई का प्रतिष्ठापूर्ण कॅरियर बनाया जा सकता है। अतएव देश में बीमा क्षेत्र के तहत शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी कॅरियर के मौकों के विस्तार की भारी संभावनाएं हैं।

इंश्योरेंस सेक्टर में काम की विविध भूमिकाओं में कॅरियर के मौके

वस्तुतः इंश्योरेंस सेक्टर में आपका कॅरियर इस पर निर्भर करता है कि आप इंश्योरेंस सेक्टर के कौन से फील्ड में या इसके कौन से फंक्शन में जाना चाहते हैं। जैसे अगर आपको सेल्स में कॅरियर बनाना है तो इस काम में ग्रेजुएट से लेकर एमबीए तक के युवाओं की यहां हायरिंग होती है, जहां फ्रंट लाइन सेल्स, सुपरवाइजरी लेवल, मिडल मैनेजमेंट लेवल, लीडरशिप लेवल जैसे अलग-अलग स्तरों पर अपनी योग्यता और अनुभव के आधार पर कॅरियर बना सकते हैं। फाइनेंस सेक्शन में कॅरियर बनाने के लिए बी. काम. और एम.काम. डिग्रियों के साथ फायनेंस व एकाउंटिंग में विशेषज्ञता, सीए या एमबीए फाइनेंस बैकग्राउंड होना लाभप्रद है। एचआर सेक्शन में ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन और एमबीए के बाद सरलता से आ सकते हैं। सांख्यिकी और इंजीनियरिंग डिग्रियों के साथ एनालिटिक्स और डाटा साइंस विशेषज्ञता इंश्योरेंस कंपनियों में एनालिटिक्स से जुड़े अहम काम दिला सकती हैं।

चूंकि इंश्योरेंस रेगुलेटरी फ्रेमवर्क के अंतर्गत आते हैं, इसलिए यहां आपरेशनल सेक्शन के अंतर्गत इंटरनल आडिट, कंप्लाएंस, रिस्क, क्लेम, अंडर राइटिंग, लीगल जैसे सब-सेक्शन भी होते हैं, यहां भी योग्यतानुसार कॅरियर बना सकते हैं। इसी तरह अगर आप एक्चुरियल सेक्शन में कॅरियर बनाना है, तो इसके लिए स्पेसिफिक क्वालिफिकेशन के रूप में एक्चुरियल कोर्स किया हुआ होना चाहिए। इस तरह इंश्योरेंस सेक्टर के तहत कई तरह के विभिन्न कार्यों में कॅरियर के मौके होते हैं। एक्चुअरी प्रोफेशनल बीमारी, निधन, दुर्घटना, विकलांगता आदि की स्थिति में जोखिम का आकलन करते हैं। सर्वेयर के द्वारा आगजनी, विस्फोट, भूकम्प, बाढ़ और दंगों आदि की स्थिति में सर्वे का कार्य किया जाता है।

इंश्योरेंस सेक्टर में कॅरियर की जरूरी स्किल्स

चूंकि इंश्योरेंस सेक्टर में मुख्य तौर पर ग्राहकों से आमने-सामने की बातचीत होती है इसलिए डिग्री की योग्यता के अलावा अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स और इस डिजिटल दौर में कम्प्यूटर स्किल्स पहली जरूरत है। इनके साथ-साथ इंश्योरेंस संबंधी गहन जानकारियां और लोगों को प्रभावित करने की क्षमता, बदलते हुए राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और आर्थिक घटनाक्रम की जानकारी वाकपटुता, धैर्य, निर्णय लेने की क्षमता, हिन्दी और स्थानीय भाषा के साथ अच्छी अंग्रेजी जैसी स्किल्स अहम भूमिका निभाती हैं।

इंश्योरेंस सेक्टर में कॅरियर संबंधी विशेष डिग्रियां और प्रतिष्ठापूर्ण जॉब

इंश्योरेंस सेक्टर में कॅरियर बनाने हेतु पहले प्रशिक्षण देने वाले संस्थानों का अभाव था लेकिन आज अनेक संस्थान इसका बाकायदा प्रशिक्षण देने लगे हैं। इंश्योरेंस के क्षेत्र में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन इंश्योरेंस, पीजी डिप्लोमा इन इंश्योरेंस मैनेजमेंट एंड मार्केटिंग, एम.बी.ए. इन इंश्योरेंस जैसे पाठ्यक्रमों की अहमियत बढ़ गई है।

कॅरियर के लिए कैसे आगे बढ़ें

चूंकि इंश्योरेंस सेक्टर में कॅरियर छोटे गांवों से लेकर बड़े शहरों तक है और सामान्य शैक्षणिक योग्यता से लेकर इंश्योरेंस की विशिष्ट शैक्षणिक योग्यता रखने वालों तक विस्तारित है। अतएव अपने गांव या शहर की जीवन बीमा या अन्य इंश्योरेंस कंपनी या किसी इंश्योरेंस के कॅरियर से जुड़े व्यक्ति से मिलकर प्रारंभिक जानकारी प्राप्त करें। इंश्योरेंस कंपनियों के भर्ती संबंधी विज्ञापनों पर लगातार ध्यान दें। ऐसे में गांव या शहर कहीं भी रहते हुए उपयुक्त कॅरियर की डगर पर आगे बढ़ सकते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक, कॅरियर मार्गदर्शन के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये सामान्य ज्ञान - खेल

1. वर्ष 2022 में किस देश ने आईसीसी टी-20 वर्ल्डकप जीता था?
(अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) वेस्टइंडीज
(स) इंग्लैंड (द) पाकिस्तान

2. वर्ष 2022 में किस खिलाड़ी ने ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन टूर्नामेंट जीता है।
(अ) चेन लॉन्ग
(ब) केंटो मोमोटा
(स) ली जी जिया
(द) विक्टर एक्सेलसन

3. इनमें से किस बल्लेबाज ने आईसीसी वन-डे वर्ल्डकप-2023 के फाइनल में शतक बनाया था?
(अ) ट्रेविस हेड (ब) डेविड वॉर्नर
(स) एलेक्स कैरी (द) स्टीव स्मिथ

4. इनमें से किस गेंदबाज ने टेस्ट क्रिकेट में एक पारी में सभी 10 विकेट लिए हैं?
(अ) अनिल कुंबले
(ब) जिम लेकर
(स) एजाज पटेल
(द) उपरोक्त सभी

5. सुनील छेत्री भारतीय फुटबॉल टीम में किस पोजिशन पर खेलते हैं?
(अ) गोलकीपर (ब) डिफेंडर
(स) फॉरवर्ड (द) मिडफील्डर

6. इनमें से कौन अभी भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता हैं?
(अ) सलिल अंकोला
(ब) अमोल मजुमदार
(स) संजय बांगर
(द) अजीत आगरकर

7. ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियन ओपन की शुरुआत किस वर्ष से हुई थी?
(अ) वर्ष 1905 (ब) वर्ष 1909
(स) वर्ष 1914 (द) वर्ष 1920

8. वर्ष 2022 में फीफा फुटबॉल वर्ल्डकप जीतने वाली अर्जेंटीना टीम के कप्तान थे?
(अ) एंजेल डी मारिया
(ब) लियोनल मेसी
(स) जूलियन अल्वारेज
(द) इनमें से कोई नहीं

9. इनमें से किस देश के नाम सबसे ज्यादा ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच जीतने का रिकॉर्ड दर्ज है?
(अ) भारत (ब) पाकिस्तान
(स) द. अफ्रीका (द) न्यूजीलैंड

10. वर्ष 2023 में किस खिलाड़ी ने रोम मास्टर्स में एकल खिताब जीता है?
(अ) होल्गर रूने
(ब) डेनिल मेदवेदेव
(स) आंद्रे रूबलेव
(द) एंडी मरे

11. रूसी खिलाड़ी व्लादिमीर क्रेमनिक किस खेल के दिग्गज खिलाड़ी हैं?
(अ) जिम्नास्टिक
(ब) निशानेबाजी
(स) शतरंज
(द) आइस हॉकी

12. एशियन गेम्स-2023 में किस देश की जोड़ी ने टेनिस में मिश्रित युगल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) भारत (ब) चीन
(स) जापान (द) कजाकिस्तान

13. इस वर्ष एएफसी एशियन कप का आयोजन किस देश में किया जा रहा है?
(अ) इंडोनेशिया (ब) जापान
(स) बहरीन (द) कतर

14. आईसीसी अंडर-19 वर्ल्डकप में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान बनाए गए हैं?
(अ) अर्शिन कुलकर्णी
(ब) प्रियांशु मौलिया
(स) उदय सहारन
(द) नमन तिवारी

15. इनमें से किस क्रिकेटर को हाल ही में अर्जुन पुरस्कार मिला है?
(अ) जसप्रीत बुमराह
(ब) मोहम्मद शमी
(स) रविंद्र जडेजा
(द) कुलदीप यादव

16. इनमें से किस देश ने वर्ष 2023 में डेविस कप का खिताब जीता था?
(अ) इटली (ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) चेक रिपब्लिक (द) अमेरिका

17. इटली के दिग्गज खिलाड़ी मार्को बेजेकी किस खेल से संबंधित हैं?
(अ) फुटबॉल (ब) टेनिस
(स) तैराकी (द) बाइक रेसिंग

18. भारत वर्ष 2031 में किस देश के साथ मिलकर आईसीसी वन-डे वर्ल्डकप की मेजबानी करेगा?
(अ) बांग्लादेश (ब) पाकिस्तान
(स) श्रीलंका (द) मलेशिया

19. टोक्यो ओलिंपिक-2020 में किस खिलाड़ी ने टेनिस में महिला एकल वर्ग का स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) नाओमी ओसाका
(ब) बेलिंडा बेनकिक
(स) इलिना स्वितोलिना
(द) ईगा स्वितेक

20. इनमें से किस स्पिनर ने टेस्ट क्रिकेट में 500 से ज्यादा विकेट लिए हैं?
(अ) रविचंद्रन अश्विन
(ब) नाथन लियोन
(स) केशव महाराज
(द) इनमें से कोई नहीं

21. इनमें से किस देश ने सबसे ज्यादा बार फीफा कन्फेडरेशन कप जीता है?
(अ) जर्मनी (ब) अर्जेंटीना
(स) ब्राजील (द) डेनमार्क

22. टेस्ट क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं?
(अ) डेविड वॉर्नर
(ब) विवियन रिचर्डर्स
(स) ग्रीम स्मिथ
(द) मोहम्मद यूसुफ

23. महिला टेनिस खिलाड़ी इलिना रिबाकिना किस देश का प्रतिनिधित्व करती हैं?
(अ) सर्बिया (ब) अमेरिका
(स) कजाकिस्तान (द) बुल्गारिया

24. भारत में डूरंड कप किस खेल से संबंधित एक लोकप्रिय खेल आयोजन है?
(अ) क्रिकेट (ब) फुटबॉल
(स) मुक्केबाजी (द) एथेलेटिक्स

25. वर्ष 2023 में किस देश ने एशियन महिला हॉकी चैम्पियंस ट्रॉफी जीती है?
(अ) भारत (ब) जापान
(स) बांग्लादेश (द) मलेशिया

उत्तर

1. (स), 2. (द), 3. (अ), 4. (द), 5. (स), 6. (द), 7. (अ), 8. (ब), 9. (अ), 10. (ब), 11. (स), 12. (अ), 13. (द), 14. (स), 15. (ब), 16. (अ), 17. (द), 18. (अ), 19. (ब), 20. (ब), 21. (स), 22. (द), 23. (स), 24. (ब), 25. (अ)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

जॉब अलर्ट

फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट

पद का नाम - योग्य पेशेवर (तकनीकी पद)
पदों की संख्या - 16
योग्यता – पदानुसार
अंतिम तिथि - 29 जनवरी 2024
वेबसाइट – www.fddiindia.com

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय

पद का नाम – आचार्य, सह आचार्य, सहायक आचार्य
पदों की संख्या - 15
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 25 जनवरी 2024
वेबसाइट – www.curaj.ac.in

सेंटर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च

पद का नाम – प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर, निजी सचिव, रिसर्च एसोसिएट, सलाहकार
पदों की संख्या - उल्लेखित नहीं
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 29 जनवरी 2024
वेबसाइट – www.cbmr.res.in

पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर

पद का नाम - विभिन्न गैर शैक्षणिक पदों पर भर्ती
पदों की संख्या - उल्लेखित नहीं
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 25 जनवरी 2024
वेबसाइट - www.iiitdmj.ac.in

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नागपुर

पद का नाम – सहायक प्रोफेसर
पदों की संख्या - 16
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 29 जनवरी 2024
वेबसाइट – www.iiitn.ac.in

बिहार लोक सेवा आयोग

पद का नाम – ब्लॉक एग्रीकल्चर ऑफिसर, एग्रीकल्चर सब डायरेक्टर, असिस्टेंट डायरेक्टर (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग), असिस्टेंट डायरेक्टर (प्लांट प्रोटेक्शन)
पदों की संख्या - 1050
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 28 जनवरी 2024
वेबसाइट – https://www.bpsc.bih.nic.in

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड

पद का नाम – अप्रेंटिस (फिटर, इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर)
पदों की संख्या - 44
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 31 जनवरी 2024
वेबसाइट - https://www.mppgcl.mp.gov.in/

गार्गी कॉलेज

पद का नाम - सीनियर पर्सनल असिस्टेंट, लैब असिस्टेंट, लैब असिस्टेंट, जूनियर असिस्टेंट, लाइब्रेरी अटेंडेंट, प्रयोगशाला परिचारक
पदों की संख्या - 23
योग्यता – पदानुसार
अंतिम तिथि - 26 जनवरी 2024
वेबसाइट – https://gargicollege.in/

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

पद का नाम – स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, साइंटिस्ट, रिसर्च असिस्टेंट सहित विभिन्न पद
पदों की संख्या - 140
योग्यता - मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय/संस्थान से आयुर्वेद में डिग्री/एमडी/एमएस/पीएचडी/कार्यअनुभव/बीएससी नर्सिंग या समकक्ष योग्यता होनी चाहिए।
अंतिम तिथि - 31 जनवरी 2024
वेबसाइट – https://aiiarecruitment.org/

गुजरात अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड

पद का नाम – जूनियर क्लर्क, सीनियर क्लर्क, हेड क्लर्क, ऑफिस असिस्टेंट, स्टाम्प इंस्पेक्टर, कलेक्टर ऑफिस क्लर्क आदि पद
पदों की संख्या - 4304
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 31 जनवरी 2024
वेबसाइट – https://gsssb.gujarat.gov.in/

हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन

पद का नाम - सिविल जज
पदों की संख्या - 174
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 31 जनवरी 2024
वेबसाइट - https://hpsc.gov.in/

सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी

पद का नाम - प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर
पदों की संख्या - 111
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 30 जनवरी 2024
वेबसाइट - http://www.unipune.ac.in/

एडमिशन अलर्ट

यूनिवर्सिटी बिजनेस स्कूल पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़

पाठ्यक्रम का नाम - एमबीए, एमबीए (आईबी), एमबीए (एचआर) और एमबीए (ईपी)
योग्यता - पाठ्यक्रमानुसार
अंतिम तिथि - 02 फरवरी 2024
वेबसाइट - https://ubsadmissions.puchd.ac.in

स्कॉलरशिप अलर्ट

लैंसकल्चर पोर्ट्रेट अवार्ड्स 2024

किनके लिए - फोटोग्राफर्स के लिए
योग्यता - दुनिया की सर्वश्रेष्ठ पोर्ट्रेट फोटोग्राफी आमंत्रित की गई है। 18 वर्ष से अधिक उम्र के फोटोग्राफर हिस्सा ले सकते हैं।
क्या मिलेगा - इसमें सीरीज कैटेगरी में विजेता को 3500 डॉलर, सेकंड प्राइज विजेता को 2 हजार डॉलर और थर्ड प्राइज विजेता को 1 हजार डॉलर की राशि दी जाएगी।
अंतिम तिथि - 14 फरवरी 2024
वेबसाइट - www.lensculture.com/photo-cometitions/portrit-awards/2024

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

प्रधानमंत्री आवास योजना ने साकार किया गरीबों का अपने घर का सपना

आवास हर परिवार की मूलभूत आवश्यकता है। आवास सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा है। यह व्यक्ति को सुरक्षित करता है और सम्मान से जीने का माध्यम बनता है। हर व्यक्ति का एक सपना होता है कि उसका अपना घर हो **'सबका सपना घर हो अपना'** इसे मूर्तरूप देने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना शुरू की गई। एक विकसित समृद्ध भारत निर्माण का संकल्प लेने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य है गरीब का कल्याण। गरीबों के निवास की आधारभूत आवश्यकता की पूर्ति के लिए ही प्रधानमंत्री आवास योजना शुरू की गई। चूंकि भारत गांव तथा शहर दोनों क्षेत्रों में बसता है। दोनों जगहों की आवश्यकताएं स्थान के आधार पर अलग-अलग होती हैं। इसीलिए प्रधानमंत्री आवास योजना को दो भागों में बांटा गया प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण तथा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी।

सबका अपने घर का सपना पूर्ण हो

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में पात्र हितग्राहियों को मकान उपलब्ध कराया जाता है। यह योजना ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत क्रियान्वित की जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी द्वारा आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत शहरी पात्र हितग्राहियों को मकान उपलब्ध करवाये जाते हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना का लक्ष्य है सबका अपने घर का सपना पूर्ण हो, कोई भी आवासहीन न रहे। वर्ष 2016 से प्रारंभ इस योजना का क्रियान्वयन विभिन्न चरणों में किया गया है। वर्तमान में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत 2.50 करोड़ मकानों का निर्माण पूरा कर लिया गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण

भारत गांवों में बसता है, प्रदेश और देश के विकास और प्रगति के लिए गांवों का, गांवों में निवास करने वाले रहवासियों का खुशहाल होना जरूरी है। गांवों में ग्रामीणों की खुशहाली और उनके आत्मविश्वास में वृद्धि के लिए उनका अपना घर होना जरूरी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गांवों में निवास करने वाले गरीबों की इस समस्या को समझा और प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत हर पात्र व्यक्ति का मकान बनवाने का लक्ष्य निर्धारित किया। असल में गांवों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों के अपने मकान तो थे, लेकिन वे टूटे-फूटे झोपड़ीनुमा थे। बरसात में इन ग्रामीणों को बड़ी कठिनाई होती थी। ग्रामीणों को होने वाली इस तकलीफ से मुक्ति के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण शुरू की गई। भारत सरकार द्वारा 1 अप्रैल 2016 से शुरू हुई प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का लक्ष्य बेघर, कच्चे तथा जीर्ण-शीर्ण मकानों में निवासरत परिवारों को बुनियादी सुविधा युक्त पक्का आवास उपलब्ध कराना है।

1.30 लाख रुपये दिये जाने का प्रावधान

इस योजना के तहत गांवों में रहने वाले गरीब और कमजोर आय वाले परिवारों को घर बनाने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना में वे लोग आवेदन कर सकते हैं, जिनके परिवार के किसी सदस्य के पास अपना पक्का मकान नहीं है। इन्हें औसतन 25 वर्ग मीटर का निर्मित क्षेत्र जो लगभग 250 वर्गफीट के आसपास होता है। इसके लिए समतल क्षेत्र में 1.20 लाख रुपये तथा पहाड़ी क्षेत्र में 1.30 लाख रुपये दिये जाने का प्रावधान है।

ग्रामसभा में ही सत्यापन

इस योजना से लाभ लेने के लिए पति या पत्नी कोई एक अथवा दोनों मिलकर आवेदन कर सकते हैं। आवास प्रदान करने की इस योजना का उद्देश्य परिवार को मकान उपलब्ध करवाना है। यदि पति-पत्नी दोनों में से कोई भी एक आवेदन करता है, तो वह उस परिवार का आवेदन माना जाता है। एक आवेदन के बाद कोई भी सदस्य दोबारा आवेदन करने के लिए पात्र नहीं रहता है। आवेदन की स्वीकृति उपरांत मकान बनाने के लिए निर्माण की प्रगति अनुसार राशि प्रदान की जाती है। राशि सीधे हितग्राही के खाते में भेजी जाती है। हितग्राहियों की सूची ग्रामसभा में ही सत्यापित करवाई जाती है। आवास निर्माण की लागत केन्द्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा 60:40 के अनुपात में वहन की जाती है। पात्र हितग्राही का चयन सामाजिक आर्थिक एवं जाति जनगणना-2011 (SECC-2011) एवं आवास प्लस की सूची से किया जाता है।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का संकल्प है कि देश के हर नागरिक का अपना पक्का मकान हो। इस संकल्प को पूर्ण करने के लिये प्रधानमंत्री आवास योजना शुरू की गई। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत शहर में निवास करने वाले पात्र हितग्राहियों को उनके सपनों का आवास उपलब्ध कराया जाता है। 25 जून 2015 को प्रारंभ हुई प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी का मुख्य उद्देश्य है सभी पात्र परिवारों को पक्का मकान प्रदान करना। इस योजना के अंतर्गत जो लोग अपना मकान स्वयं बनवाने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें ईडब्ल्यूएस तथा एलआईजी श्रेणी के मकान उपलब्ध कराये जाते हैं।

रजिस्ट्री में महिला को हक

आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिये बनाए जाने वाले इन घरों का क्षेत्र भी निश्चित है। जिसमें आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए 30 वर्गमीटर, निम्न आय वर्ग एलआईजी के लिए 60 वर्गमीटर, मध्यम आय वर्ग-1 (एमआईजी-I) के लिए 160 वर्गमीटर और मध्यम आय वर्ग-II (एमआईजी-II) के लिए 200 वर्गमीटर तक है। इस योजना का क्रियान्वयन राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों तथा केन्द्रीय नोडल एजेंसियों द्वारा किया जाता है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में महिला सशक्तिकरण के लिए विशेष प्रावधान है। इस योजना के तहत आवंटित मकानों में महिला का नाम होना आवश्यक है अर्थात् रजिस्ट्री में महिला का मकान मालिक या सह-मालिक होना आवश्यक है।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की पात्रता

- आवेदक की उम्र 18 वर्ष या उससे अधिक होनी चहिए।
- आवेदक किसी और सरकारी आवास योजना का लाभ न ले रहा हो।
- इस योजना के अंतर्गत आवेदन करने के लिए आवेदक भारत का स्थाई निवासी होना अनिवार्य है।
- आवेदक के नाम कोई घर या प्रॉपर्टी नहीं होनी चाहिए।
- आवेदक की परिवार के किसी भी सदस्य के पास घर या प्रॉपर्टी नहीं होनी चाहिए।

बजट बढ़ाने का निर्णय

विभिन्न चरणों में संचालित की जाने वाली प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में 118.63 लाख घर स्वीकृत किये गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के बजट आवंटन को भी केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। बजट बढ़ने से अधिक नये घर बन सकेंगे। इस योजना में होने वाले बजट में वृद्धि से एक तरफ नये आवास निर्मित होंगे, लोगों को उनके सपनों का घर मिलेगा और दूसरी तरफ नये रोज़गार सृजित होंगे। साथ ही जहां लोगों को रोजगार मिलेगा वहीं भवन निर्माण में उपयोग होने वाली सामग्री स्टील, सीमेंट आदि का उत्पादन और बिक्री बढ़ेगी। इससे अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में सहयोग मिलेगा। इस योजना में एफोर्डेबल रेंटल हाउसिंग कॉम्प्लेक्सेज को भी एक उप योजना के तहत सम्मिलित किया गया है। इसके अंतर्गत प्रवासी शहरी नागरिकों को उनकी आय के आधार पर किफायती किराए के सुविधाजनक आवास मुहैया कराए जाएंगे।

- हितेश शर्मा
(लेखक सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

सामान्य ज्ञान

1. अटल नवोन्मेष मिशन स्थापित किया गया है?
अ. विज्ञान व तकनीकी विभाग के अधीन
ब. रोज़गार मंत्रालय
स. नीति आयोग
द. कौशल विकास मंत्रालय
उत्तर- स. नीति आयोग

2. किस क्षेत्र में होमी जहांगीर भाभा पुरस्कार दिया जाता है?
अ. राजनीति
ब. परमाणु ऊर्जा
स. लेजर भौतिकी
द. अंतरिक्ष अनुसंधान
उत्तर- ब. परमाणु ऊर्जा

3. इग्नाइटेड माइंड्स किताब की रचना किसने की थी?
अ. विक्रम सेठ
ब. दलाई लामा
स. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
द. अनीता देसाई
उत्तर- स. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

4. रमन प्रभाव निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?
अ. प्रकाश का परावर्तन
ब. प्रकाश का अपवर्तन
स. प्रकाश का बिखरना
द. प्रकाश का अवशोषण
उत्तर- स. प्रकाश का बिखरना

5. निम्न फैलोशिप में से किसका उद्देश्य प्रतिभा पलायन को कम करना है?
अ. रामानुज फैलोशिप
ब. जे.सी. बोस फैलोशिप
स. स्वर्ण जयंती फैलोशिप
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- अ. रामानुज फैलोशिप

6. निम्न में से कौन सा एक सांविधिक निकाय है?
अ. परमाणु ऊर्जा विभाग
ब. विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड
स. नीति आयोग
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- ब. विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड

7. निम्न में से किन फसलों से इथेनॉल की प्राप्ति की जाती है?
अ. जैट्रोफा ब. मक्का
स. पोर्गेमिया द. सूरजमुखी
उत्तर- अ. जैट्रोफा

8. जैव गैस संयंत्र में निकलने वाली निम्न गैसों में से कौन सी गैस ईंधन के रूप में प्रयोग में लायी जाती है?
अ. ब्युटेन ब. प्रोपेन
स. मीथेन द. ईथेन
उत्तर- स. मीथेन

9. फोटोवोल्टेइक सेल है?
अ. सौर सेल ब. थर्मल सेल
स. सल्फर सेल द. मोलर सेल
उत्तर- अ. सौर सेल

10. निम्न में से किसने 'गोबर गैस' प्रणाली को सर्वप्रथम विकसित किया?
अ. सी.वी. रमन
ब. जे.सी. बोस
स. एस.बी. देसाई
द. एच. खुराना
उत्तर- स. एस.बी. देसाई

11. "अणुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड भारत के परमाणु ऊर्जा निगम एवं ..... का एक संयुक्त उद्यम है?
अ. एनएमडीसी (NMDC)
ब. एनएचपीसी (NHPC)
स. भेल (BHEL)
द. एनटीपीसी (NTPC)
उत्तर- द. एनटीपीसी (NTPC)

12. निम्न में से कौन सा संयंत्र शक्ति और खाद दोनों को प्रदान कर सकता है?
अ. परमाणु संयंत्र
ब. थर्मल प्लांट्स
स. बायोगैस
द. हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट्स
उत्तर- स. बायोगैस

13. एक नाभिकीय रिएक्टर में भारी जल का क्या कार्य होता है?
अ. न्यूट्रॉन की गति को कम करना
ब. न्यूट्रॉन की गति को बढ़ाना
स. रिएक्टर को ठंडा करना
द. नाभिकीय क्रिया को रोकना
उत्तर- अ. न्यूट्रॉन की गति को कम करना

14. परमाणु रिएक्टरों में मंदक तथा शीतलक दोनों के रूप में प्रयोग लाया जाता है?
अ. साधारण जल
ब. भारी जल
स. तरल अमोनिया
द. तरल हाइड्रोजन
उत्तर- ब. भारी जल

15. परमाणु रिएक्टरों में मंदक के रूप में निम्न में से कौन प्रयोग में लाया जाता है?
अ. थोरियम ब. ग्रेफाइट
स. रेडियम द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- ब. ग्रेफाइट

16. हाइड्रोजन बम किस सिद्धांत पर कार्य करता है?
अ. नियंत्रित संलयन अभिक्रिया
ब. अनियंत्रित संलयन अभिक्रिया
स. नियंत्रित विखंडन अभिक्रिया
द. अनियंत्रित विखंडन अभिक्रिया
उत्तर- ब. अनियंत्रित संलयन अभिक्रिया

17. परमाणु बम को निर्मित करने में निम्न में से किसे प्रयोग में लाया जाता है?
अ. जिरकोनियम ब. यूरेनियम
स. मॉलिस्डेनम द. बैनेडियम
उत्तर- ब. यूरेनियम

18. विद्युत उत्पादन हेतु परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में किस यूरेनियम समस्थानिक का उपयोग किया जाता है?
अ. U-233 ब. U-234
स. U-235 द. U-239
उत्तर- स. U-235

19. जैतपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र कहां स्थापित है?
अ. महाराष्ट्र ब. गुजरात
स. हरियाणा द. ओडिशा
उत्तर- अ. महाराष्ट्र

20. रेडियोधर्मी क्षय क्या है?
अ. नियंत्रित माध्यम में नाभिकीय पदार्थ का क्षय
ब. नाभिकीय पदार्थ का नैसर्गिक क्षय
स. अ तथा ब दोनों
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- ब. नाभिकीय पदार्थ का नैसर्गिक क्षय

21. परमाणु अप्रसार संधि प्रभाव में आई?
अ. 1967 ब. 1970
स. 1971 द. 1974
उत्तर- ब. 1970

22. भारतीय सुदूर संवेदी संस्थान कहां स्थित है?
अ. देहरादून ब. नई दिल्ली
स. लखनऊ द. नागपुर
उत्तर- अ. देहरादून

23. सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र कहां स्थित है?
अ. अहमदाबाद ब. बालासोर
स. हैदराबाद द. श्रीहरिकोटा
उत्तर- द. श्रीहरिकोटा

24. सैटेलाइट लॉन्चिंग स्टेशन आमतौर पर जितना संभव हो, उतना ही भू-मध्य रेखा के करीब होते हैं, जिसका कारण है?
अ. न्यूनतम गुरुत्वाकर्षण बल
ब. अधिकतम गुरुत्वाकर्षण दाब
स. चुम्बकत्व का प्रभाव
द. पूर्वी तट के पूर्वी भाग में जल निकाय
उत्तर- अ. न्यूनतम गुरुत्वाकर्षण बल

25. राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो द्वारा उपग्रह विकास हेतु निर्मित कार्यक्रम है?
अ. उन्नति
ब. प्रगति
स. अ तथा ब दोनों
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- अ. उन्नति

26. कृत्रिम उपग्रहों में विद्युत ऊर्जा के स्रोत के रूप में लगे उपकरण हैं?
अ. धर्मोपइल ब. सोलर सेल
स. डायनेमो द. रिएक्टर
उत्तर- ब. सोलर सेल

27. दूरसंचार प्रणाली के लिये प्रयोग होने वाली भारतीय उपग्रह श्रृंखला है?
अ. रोहिणी ब. आईआरएस
स. कार्टोसेट द. इनसेट
उत्तर- द. इनसेट

28. एक भू-स्थैतिक उपग्रह का परिक्रमण काल होता है?
अ. 12 घंटे ब. 24 घंटे
स. 48 घंटे द. 6 घंटे
उत्तर- ब. 24 घंटे

29. अंतरिक्ष यात्री के लिये बाहरी अंतरिक्ष किस रंग का दिखाई देता है?
अ. सफेद ब. काला
स. गहरा नीला द. गहरा लाल
उत्तर- ब. काला

30. नासा स्थित है?
अ. UK ब. U.S.A.
स. रूस द. जापान
उत्तर- ब. U.S.A.

31. भारतीय रिमोट सेंसिंग प्रणाली किसकी एक नोडल एजेंसी है?
अ. अंतरिक्ष विभाग
ब. विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग
स. परमाणु ऊर्जा विभाग
द. वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान क्रेन्द्र
उत्तर- अ. अंतरिक्ष विभाग

32. चन्द्रा एक्स-रे दूरबीन का नाम किस वैज्ञानिक के नाम पर रखा गया?
अ. चंद्रशेखर
ब. जगदीश चंद
स. प्रफुल्ल चंद राय
द. सुब्रमण्यम चंद्रशेखर
उत्तर- द. सुब्रमण्यम चंद्रशेखर

33. भारत ने किस दिवस को सफलतापूर्वक श्रीहरिकोटा से अपने मंगल ग्रह के मिशन का शुभारंभ किया?
अ. 23 सितंबर, 2013
ब. 24 अक्टूबर, 2013
स. 25 अक्टूबर, 2013
द. 5 नवम्बर, 2013
उत्तर- द. 5 नवम्बर, 2013

34. नवंबर 1959 को कौन सा पहला जन्तु अंतरिक्ष में भेजा था?
अ. ओटोलिय ब. लाइका
स. बेकर द. बेलका
उत्तर- ब. लाइका

35. अंतरिक्ष में प्रवेश करने वाला पहला अंतरिक्ष यात्री कौन था?
अ. यूरी गागरिन ब. एलन शेफाई
स. एस.टिटोव द. जॉन यंग
उत्तर- अ. यूरी गागरिन

36. मंगल ग्रह पर नासा द्वारा भेजा गया यान है?
अ. फोनिक्स ब. शेजर
स. वाइकिंग-1 द. जॉन कैनेड़ी
उत्तर- स. वाइकिंग-1

37. नासा का कैसिनी अंतरिक्ष यान किस ग्रह के मिशन पर भेजा गया?
अ. बृहस्पति ब. मंगल
स. शनि द. शुक्र
उत्तर- स. शनि

38. भारत का पहला समर्पित नेविगेशन उपग्रह आई.आर.एन.एस-1ए कहां से प्रक्षेपित किया गया था?
अ. श्रीहरिकोटा ब. अहमदाबाद
स. तिरुवनंतपुरम द. बेंगलुरु
उत्तर- अ. श्रीहरिकोटा

39. निम्नलिखित में से कौन सा/से बेतार प्रौद्योगिकी के GSM कुल में नहीं है?
अ. EDGE ब. LTR
स. DSL द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- स. DSL

40. एक रिमोट कंट्रोल में किस प्रकार के विद्युत चुम्बकीय विकिरण का उपयोग किया जाता है?
अ. इन्फ्रारेड
ब. पराबैंगनी
स. दृश्यमान
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- अ. इन्फ्रारेड

41. सबसे धीमी इंटरनेट कनेक्शन सेवा है?
अ. डिजिटल सब्सक्राइबर लाइन
ब. डायल अप सेवा
स. लीज लाइन
द. केबल मोडेम
उत्तर- ब. डायल अप सेवा

42. प्रकाश तंतु का अविष्कार किसने किया?
अ. शेमुएल कोहेन
ब. नरिंदर सिंह कपानी
स. पर्सी एल. स्पेन्सर
द. टी.एच.मैमाह
उत्तर- ब. नरिंदर सिंह कपानी

43. मोडेम का विस्तारित रूप है?
अ. मॉड्यूलेटर
ब. मोड्यूलेशन
स. मॉड्यूलेटर और डिमोडुलेटर
द. संचार के आधुनिक तरीके
उत्तर- स. मॉड्यूलेटर और डिमोडुलेटर

44. द्वितीय विश्व युद्ध से पूर्व प्रचलित तकनीक निम्न में से कौन सी थी?
अ. FDMA ब. GSM
स. TDMA द. CDMA
उत्तर- द. CDMA

45. माइक्रो सिम कार्ड हेतु प्रयुक्त प्रथम स्मार्टफोन था?
अ. NEXUS 5
ब. iphone 4
स. Nokia Lumia
द. Sony Xperia
उत्तर- ब. iphone 4

46. अवरक्त तरंगों का उपयोग नहीं किया जाता है?
अ. टेलीफोन संचार
ब. ध्वनि युग्मक
स. मोडेम
द. बॉड
उत्तर- अ. टेलीफोन संचार

47. डिजिटल डाटा को एनालॉग रूप में परिवर्तित करने वाली डिवाइस क्या कहलाती है?
अ. ट्रांसपोडर
ब. ध्वनिक युग्म
स. मॉडेम
द. इंटरनेट
उत्तर- स. मॉडेम

48. GSM में प्रयुक्त कोर तकनीक है?
अ. FDMA
ब. CDMF
स. TDMA
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- स. TDMA

श्रद्धा सुमन
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करती हैं)

उपलब्धियों पर गर्व का भाव जागृत कर ज्ञान परम्परा को समझें - उच्च शिक्षा मंत्री

भोपाल, शिक्षा मात्र शारीरिक ही नहीं बल्कि व्यक्ति का समग्र विकास करती है। शिक्षा पद्धति में भारतीय मान्यताओं और परम्पराओं का समावेश कर उत्कृष्ट समाज का निर्माण किया जा सकता है। इसके लिए देश की उपलब्धियों पर गर्व का भाव जागृत कर भारतीय ज्ञान परम्परा को समझने की आवश्यकता है। अपनी भाषा, संस्कृति, इतिहास, नायक एवं उपलब्धियों आदि पर स्वाभिमान का भाव स्वयं में जागृत करें। युगानुकूल परिवर्तन के संकल्प के साथ भारतीय परम्पराओं, मान्यताओं और लोक व्यवहार पर शोध कर विज्ञान के समन्वय से नवसृजन किया जा सकता है। ये बातें उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने भोपाल स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के भवभूति प्रेक्षागृह में "भारतीय शिक्षा-मनोविज्ञान" विषय पर आधारित छः दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर कहीं।

श्री परमार ने भारतीय ज्ञान परम्परा अनुरूप मनोविज्ञान के नवसृजन पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्कृत भाषा भारत की प्राचीनतम भाषा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। श्री परमार ने विद्यार्थियों के बेहतर प्रशिक्षण के लिए देश के उत्कृष्ट संस्थानों के मध्य संसाधनों के परस्पर आदान-प्रदान करने की प्रबंध योजना बनाने की बात कही। मंत्री श्री परमार ने "भारतीय शिक्षा-मनोविज्ञान" विषयक विचार-विमर्श पर कार्यशाला आयोजन के लिए विश्वविद्यालय परिवार को शुभकामनाएं भी दीं। विश्वविद्यालय परिवार ने विधानसभा सदन में संस्कृत में शपथ लेकर संस्कृत भाषा के प्रति सम्मान के लिए मंत्री श्री परमार का संस्कृत साहित्य भेंट कर सम्मान किया गया।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए

मध्यप्रदेश आधारित सामान्य ज्ञान

प्र. 1 नासिक गुहालेख से मध्यप्रदेश के किन क्षेत्रों का उल्लेख देखने को मिलता है?
(अ) अनूप (ब) आकर
(स) अवन्ति (द) उपरोक्त सभी
उत्तर - (द) उपरोक्त सभी
व्याख्या - गौमतीपुत्र शतकर्णी के पुत्र वशिष्ठीपुत्र पुलुमावी के नासिक गुहालेख में उसके द्वारा विजित मध्यप्रदेश के अनूप (नर्मदा घाटी का क्षेत्र), आकर (पूर्वी मालवा) व अवन्ति (पश्चिम मालवा) कि स्थिति देखने को मिलती है।

प्र. 2 सम्राट अशोक ने विदिशा के श्रेष्ठी की पुत्री से विवाह किया उसका नाम क्या था?
(अ) संघमित्रा
(ब) श्रीदेवी
(स) अन्नपूर्णा
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर - (ब) श्रीदेवी
व्याख्या - मौर्य सम्राट अशोक ने उज्जयिनी जाते हुये विदिशा के श्रेष्ठी की पुत्री श्रीदेवी के साथ विवाह किया था। इसी से अशोक के पुत्र महेन्द्र तथा पुत्री संघमित्रा का जन्म हुआ था।

प्र. 3 मध्यप्रदेश के किस स्थान से कुषाण नरेश विमकैडफिसेस का सिक्का प्राप्त हुआ?
(अ) विदिशा (ब) सागर
(स) सिवनी (द) होशंगाबाद
उत्तर - (अ) विदिशा
व्याख्या - कुषाण वंश का सर्वप्रथम महत्वपूर्ण राजा कुजुल कडफिसेस था। उसकी मृत्यु के उपरान्त विम कैडफिसेस उत्तराधिकरी हुआ। जिसका एक सिक्का म.प्र. के विदिशा जिले से प्राप्त हुआ है।

प्र. 4 पुराणों के अनुसार पद्मावती किस वंश की राजधानी थी?
(अ) नाग वंश
(ब) मथराज वंश
(स) कुषाण वंश
(द) वाकाटक वंश
उत्तर - (अ) नाग वंश
व्याख्या - पुराणों के विवरण से पता चलता है कि पद्मावती में नाग वंश का शासन था। पद्मावती की पहचान म.प्र. के ग्वालियर के समीप स्थित आधुनिक पद्म पवैया नामक स्थान से की जाति है।

प्र. 5 बांधवगढ़ किस वंश की राजधानी थी?
(अ) नाग वंश
(ब) मघराज वंश
(स) कुषाण वंश
(द) सातवाहन वंश
उत्तर - (ब) मघराज वंश
व्याख्या - म.प्र. का बघेलखंड मुख्यत: रीवा मण्डल में मघराज वंश का शासन था।

प्र. 6 म.प्र. के शिवपुरी जिले के नरवर को किसने बसाया था?
(अ) नल
(ब) भीमरथ
(स) काशिक
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर - (अ) नल

प्र. 7 म.प्र. के किस जिले में हिन्द-यूनानी शासक मिनाण्डर के सिक्के मिले हैं?
(अ) जबलपुर (ब) बालाघाट
(स) मण्डला (द) सीधी
उत्तर - (ब) बालाघाट

प्र. 8 मध्यप्रदेश के विदिशा तथा एरण से किस गुप्त शासक के नाम के सिक्के मिले हैं?
(अ) समुद्रगुप्त (ब) चन्द्रगुप्त
(स) रामगुप्त (द) भानुगुप्त
उत्तर - (स) रामगुप्त
व्याख्या - मध्यप्रदेश के विदिशा तथा एरण से गुप्त शासक रामगुप्त के ताँबें के सिक्के प्राप्त हुये हैं। जिन पर गुप्त लिपि में रामगुप्त का नाम मिलता है।

प्र. 9 गरूड़ किस वंश का राजकीय चिन्ह है?
(अ) मौर्य वंश
(ब) गुप्त वंश
(स) वाकाटक वंश
(द) नागवंश
उत्तर - (ब) गुप्त वंश

प्र. 10 किस गुप्त शासक के तीन अभिलेख मध्यप्रदेश के पूर्वी मालवा से प्राप्त हुए हैं?
(अ) समुद्रगुप्त
(ब) चन्द्रगुप्त द्वितीय
(स) रामगुप्त
(द) कुमारगुप्त
उत्तर - (ब) चन्द्रगुप्त द्वितीय

प्र. 11 मध्यप्रदेश के किस स्थान को मगध की दूसरी राजधानी बनाया गया था?
(अ) उज्जयिनी (ब) विदिशा
(स) पद्मावती (द) महेश्वर
उत्तर - (अ) उज्जयिनी
व्याख्या - चन्द्रगुप्त द्वितीय के शासन काल में म.प्र. के उज्जयिनी को मगध की दूसरी राजधानी बनाया गया था, जिसने शीघ्र ही वैभव तथा समृद्धि में पाटलीपुत्र का स्थान ले लिया।

प्र. 12 कुमार गुप्त के शासन काल के मध्यप्रदेश में प्राप्त अभिलेखों में से किसमें सूर्य मंदिर के निर्माण का जिक्र किया गया है?
(अ) मन्दसौर (ब) सांची
(स) तुमैन (द) उदयगिरि
उत्तर - (अ) मन्दसौर

प्र. 13 मध्यप्रदेश से प्राप्त अभिलेखों में किस अभिलेख में कुमार गुप्त को शरद कालीन सूर्य की भाँति बताया गया है?
(अ) सांची (ब) मंदसौर
(स) तुमैन (द) सुपिया
उत्तर - (स) तुमैन
व्याख्या - गुप्त संवत 116-435 ई. का लेख म.प्र. के गुना जिले के तुमैन से प्राप्त हुआ है। इस अभिलेख में गुप्त शासक कुमार गुप्त को शरद कालीन सूर्य की भांति बताया गया है।

प्र. 14 मध्यप्रदेश से प्राप्त किस अभिलेख में गुप्त वंश को घटोत्कच वंश कहा गया है?
(अ) उदयगिरि
(ब) सुपिया
(स) तुमैन
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर - (ब) सुपिया

प्र. 15 मध्यप्रदेश से प्राप्त एरण अभिलेख किस गुप्त शासक का है?
(अ) स्कन्द गुप्त (ब) पुरूगुप्त
(स) भानु गुप्त (द) बुद्ध गुप्त
उत्तर - (स) भानु गुप्त

प्र. 16 परमार वंश की स्थापना किस शासक ने की थी?
(अ) उपेन्द्र (ब) हर्ष
(स) भोज (द) मुंज
उत्तर - (अ) उपेन्द्र

प्र. 17 चन्देल शासक के समय मध्यप्रदेश के किस क्षेत्र को जेजाकभुक्ति कहा गया है?
(अ) बघेलखंड (ब) बुन्देलखंड
(स) मालवा (द) विंध्यप्रदेश
उत्तर - (ब) बुन्देलखंड

प्र. 18 राजा भोज को कविराज की उपाधि दी गई थी, क्योंकि उन्होंने निम्न ग्रन्थों की रचना की थी?
(अ) सिद्धांत संग्रह
(ब) सरस्वती कंठाभरण
(स) समरांगण सूत्रधार
(द) सभी
उत्तर - (द) सभी

प्र. 19 राजा भोज द्वारा निर्मित स्थलों में शामिल हैं?
(अ) सरस्वती मंदिर
(ब) भोजसर
(स) संस्कृत विद्यालय
(द) उक्त सभी
उत्तर - (द) उक्त सभी

प्र. 20 किसके बारे में यह कहा जाता है की उसकी मृत्यु से विद्या और विद्वान दोनों निराश्रित हो गये?
(अ) भोज
(ब) सिन्धुराज
(स) मुन्ज
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर - (अ) भोज
व्याख्या - परमार वंश के सबसे प्रतापी राजा, राजा भोज थे वे महान शासक उच्चकोटी के लेखक, विद्वान तथा निर्माण कलाकार थे, जिसकी मृत्यु के बाद यह लोकोक्ति बन गयी कि उसकी मृत्यु से विद्या और विद्वान दोनों निराश्रित हो गये।

प्र. 21 निम्न में से कौन सा ग्रन्थ परमार शासकों के इतिहास को बताता है?
(अ) मालविकाग्निमित्रम्
(ब) नवसाहसांक चरित
(स) सिद्धांत संग्रह
(द) तत्वप्रकाश
उत्तर - (ब) नवसाहसांक चरित

प्र. 22 धारा नगरी पर आक्रमण की जानकारी किस लेख से मिलती है?
(अ) मंगाई लेख
(ब) उदयपुर प्रशस्ति
(स) देपालपुर
(द) बेटमा
उत्तर - (अ) मंगाई लेख

प्र. 23 त्रिपुरी किस वंश की राजधानी थी?
(अ) परमार
(ब) चन्देल
(स) कलचुरी
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर - (स) कलचुरी

प्र. 24 म.प्र. के राजा व उनके वंश से संबंधित कौन-सा जोड़ा गलत है?
(अ) राजा मानसिंह - तोमर वंश
(ब) कोकल्ल - कलचुरी वंश
(स) यशोवर्मन - चन्देल वंश
(द) धंग - परमार वंश
उत्तर - (द) धंग - परमार वंश

प्र. 25 किस वंश के शासकों ने खजुराहो को अपनी राजधानी बनाया?
(अ) चन्देल (ब) परमार
(स) कलचुरी (द) तोमर
उत्तर - (अ) चन्देल

प्र. 26 खजुराहो के प्रसिद्ध मंदिरों का निर्माण किस चन्देल शासक के समय किया गया?
(अ) धंग (ब) यशोवर्मन
(स) गण्ड (द) हर्ष
उत्तर - (अ) धंग
व्याख्या - खजुराहो के अधिकांश मंदिरों का निर्माण चन्देल शासक धंग के शासन काल में हुआ। धंग ने जिननाथ , विश्वनाथ, वैद्यनाथ, आदि मंदिर बनवाये जबकि यशोवर्मन ने खजुराहों के प्रसिद्ध विष्णु मंदिर का निर्माण कराया।

प्र. 27 मध्यप्रदेश के मालवा क्षेत्र का प्रथम बार दिल्ली सल्तनत में प्रवेश किसने कराया?
(अ) महमूद गजनवी
(ब) मोहम्मद गौरी
(स) ऐबक
(द) अलाउद्दीन खिलजी
उत्तर - (द) अलाउद्दीन खिलजी
व्याख्या - सन् 1305 में अलाउद्दीन खिलजी द्वारा मालवा पर आक्रमण हेतु मुल्तान के सूबेदार अईन-उल-मुल्क को भेजा जिसने विजय हासिल की यहीं से पहली बार मालवा का दिल्ली सल्तनत में प्रवेश हुआ।

प्र. 28 अंग्रेजों ने मराठों के साथ युद्ध में सिंधिया को किस युद्ध में हराया?
(अ) पहले
(ब) दूसरे
(स) तीसरे
(द) चौथे
उत्तर - (स) तीसरे
व्याख्या - अंग्रेजों के साथ मराठों ने चार युद्धों में क्रमश: इस प्रकार हराया- पहले में पेशवा को, दूसरे में होल्कर को, तीसरे में सिंधिया को परास्त किया।

प्र. 29 होल्कर वंश ने किस क्षेत्र में अपना स्वतंत्र शासन स्थापित किया?
(अ) इन्दौर
(ब) ग्वालियर
(स) भोपाल
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर - (अ) इन्दौर

प्र. 30 स्वातंत्र्य समर के प्रथम शहीद कुंवर चैनसिंह कहां के राजकुमार थे?
(अ) सीहोर
(ब) नरसिंहगढ़
(स) राजगढ़
(द) बैरसिया
उत्तर - (ब) नरसिंहगढ़

प्र. 31 शहीद चैनसिंह की छत्री कहां बनाई गयी है?
(अ) सीहोर
(ब) बैरसिया
(स) नरसिंहपुर
(द) भोपाल
उत्तर - (अ) सीहोर

प्र. 32 चैनसिंह के साथ ही दो और सूरमा जो चैनसिंह के अंगरक्षक थे कौन थे?
(अ) राजपूत
(ब) मुस्लिम
(स) सिक्ख
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर - (ब) मुस्लिम
व्याख्या - कुंवर चैनसिंह की ढ़ाल बनकर लड़ने वाले दो अंगरक्षक सूरमा मुस्लिम थे, जिनके नाम हिम्मत खां, व बहादुर खां थे।

प्र. 33 म.प्र. में विद्रोह की आग कब भड़की?
(अ) 1824
(ब) 1842
(स) 1848
(द) 1857
उत्तर - (ब) 1842
व्याख्या - म.प्र. की धरती पर अंग्रजों के विरुद्ध ज्वाला 1842 को भड़की जिसे बुन्देला विद्रोह के रूप में जाना जाता है।

प्र. 34 मध्यप्रदेश में सर्वप्रथम विद्रोह कि आग कहां भड़की?
(अ) महाकौशल
(ब) ग्वालियर
(स) बुन्देलखंड
(द) मालवा
उत्तर - (अ) महाकौशल

प्र. 35 1857 का विद्रोह सर्वप्रथम मध्यप्रदेश में निम्न स्थान पर भड़का?
(अ) नीमच
(ब) ग्वालियर
(स) महाकौशल
(द) महू
उत्तर - (अ) नीमच
व्याख्या - 1857 में विद्रोह की चिन्गारी म.प्र. में सर्वप्रथम नीमच छावनी में भड़की, वहां के सैनिकों ने 3 जून 1857 को विद्रोह कर दिया। उसके बाद ग्वालियर, महाकौशल व शिवपुरी तथा महू में विद्रोह की आग भड़क गई।

प्र. 36 इन्दौर की सेना का 1857 के विद्रोह में नेतृत्व किसने किया?
(अ) अजीत सिंह
(ब) मर्दन सिंह
(स) सआदत खां
(द) बहादुर खां
उत्तर - (स) सआदत खां

प्र. 37 1857 के वीर सेनानी तात्या टोपे के साथ किसने विश्वासघात किया?
(अ) अजीत सिंह (ब) मर्दन सिंह
(स) मान सिंह (द) अमर सिंह
उत्तर - (स) मान सिंह

प्र. 38 तात्या टोपे को फांसी किस स्थान पर दी गई ?
(अ) शिवपुरी (ब) ग्वालियर
(स) झांसी (द) आगरा
उत्तर - (अ) शिवपुरी

प्र. 39 1857 के विद्रोह का भोपाल में नेतृत्व किसने किया?
(अ) खिज्रखां
(ब) फाजिल मोहम्मद खां
(स) सबुर खां
(द) सभी
उत्तर - (ब) फाजिल मोहम्मद खां

प्र. 40 नरसिंहपुर क्षेत्र का प्रमुख विद्रोही नेता कौन था?
(अ) मेहरबान सिंह
(ब) दिल्लन शाह
(स) दौलत सिंह
(द) हिम्मत सिंह
उत्तर - (अ) मेहरबान सिंह

प्र. 41 मालवा विद्रोह के समय इन्दौर का कर्नल कौन था?
(अ) डयूरेण्ड
(ब) डिकिन्सन
(स) ट्रेवर्स
(द) रोबर्स
उत्तर - (अ) डयूरेण्ड

प्र. 42 मालवा का वह प्रथम शासक जिसने कम्पनी का अन्त करने का बीड़ा उठाया था?
(अ) चिमनराव
(ब) बख्तावर सिंह
(स) यशवंतराव
(द) मोहनलाल
उत्तर - (ब) बख्तावर सिंह

प्र. 43 बख्तावर सिंह को फांसी किस स्थान पर दी गई?
(अ) लालगढ़ के किले में
(ब) अमझेरा
(स) ग्वालियर
(द) इन्दौर
उत्तर - (द) इन्दौर
व्याख्या - राजा बख्तावर सिंह को अपने ही सहयोगियों के विश्वासघात के कारण गिरफ्तार किया गया और 10 फरवरी 1858 को इन्दौर में फांसी दी गई।

प्र. 44 1930 के टुरिया जंगल सत्याग्रह का नेतृत्व किसने किया था?
(अ) गंजन सिंह
(ब) दुर्गाशंकर मेहता
(स) रमेश सिंह
(द) सुजान सिंह
उत्तर - (अ) गंजन सिंह
व्याख्या - 1930 में जब गांधी जी ने दांडी मार्च कर नमक सत्याग्रह किया था तब टुरिया जंगल सत्याग्रह चलाया।

- इमरतलाल खरते
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं)

अफगानिस्तान ने मुजीब नवीन और फजल पर लगा प्रतिबंध हटाया

काबुल, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मुजीब उर रहमान, नवीन उल हक और फजल हक फारूकी को बड़ी राहत देते हुए उन पर लगा प्रतिबंध हटा लिया है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इन तीनों खिलाड़ियों को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल कर लिया है, जिसके बाद ये तीनों खिलाड़ी आईपीएल सहित विभिन्न विदेशी लीगों में खेल सकते हैं। इसके साथ ही बोर्ड ने इन तीनों खिलाड़ियों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे देश की ओर से खेलने के लिए पूरी प्रतिबद्धता दिखायें। उल्लेखनीय है कि इन तीनों खिलाड़ियों ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद बोर्ड ने इन तीनों के विदेशी लीगों में खेलने पर प्रतिबंध लगा दिया था।

भारत ने अफगानिस्तान को ट्वेंटी-20 सीरीज में 3-0 से हराया

दूसरे सुपर ओवर में जीता भारत

- रोहित शर्मा ने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पांचवां शतक बनाया।
- ट्वेंटी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले खिलाड़ी हैं रोहित।
- सूर्यकुमार यादव और ग्लेन मैक्सवेल ने ट्वेंटी-20 में 4-4 शतक बनाये हैं।
- रोहित के नाम सबसे ज्यादा 151 ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने का रिकॉर्ड भी दर्ज है।

बेंगलुरु, भारतीय क्रिकेट टीम ने ट्वेंटी-20 क्रिकेट में रोमांचक जीत दर्ज की है। भारत ने सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच में अफगानिस्तान को सुपर ओवर में मात दी। भारत ने अफगानिस्तान के विरुद्ध खेली गई तीन मैचों की ट्वेंटी-20 सीरीज को 3-0 से क्लीन स्वीप किया है।

मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। टीम के चार विकेट महज 22 रन के अंदर गिर गए। इसके बाद कप्तान रोहित शर्मा और रिंकु सिंह ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने शुरुआत में संभलकर बल्लेबाजी की और बाद में अफगान गेंदबाजों की जमकर खबर ली। रोहित और रिंकू के बीच पांचवें विकेट के लिए 93 गेंदों में 190 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी हुई। रोहित ने 69 गेंदों में 121 रनों की पारी खेली जबकि रिंकू ने 39 गेंदों में 69 रन बनाये। भारतीय टीम ने 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 212 रन बनाये।

विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की टीम को सलामी बल्लेबाज रहमानुल्ला गुरबाज और इब्राहिम जादरान ने मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने 50-50 रन की पारी खेली। इसके बाद गुलबदीन नाइब (55) और मोहम्मद नबी (34) ने तूफानी पारी खेली। अफगानिस्तान को अंतिम ओवर में जीत के लिए 19 रनों की जरूरत थी, लेकिन टीम 18 रन ही बना सकी और मैच टाई हो गया। रोहित शर्मा को शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

सुपर ओवर का रोमांच

मैच टाई होने के बाद विजेता का फैसला सुपर ओवर से हुआ। सुपर ओवर में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 16 रन बनाये। रन चेस करने उतरी भारतीय टीम भी सुपर ओवर में 16 रन ही बना सकी। इसके बाद एक और सुपर ओवर खेला गया। दूसरे सुपर ओवर में भारत ने 11 रन बनाये। दूसरे सुपर ओवर में भारत के लिए स्पिनर रवि बिश्नोई ने ओवर फेंका और 3 गेंदों के अंदर दो विकेट लेकर भारत को यादगार जीत दिलाई।

सुमित नागल ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में रचा इतिहास

मेलबर्न, भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में इतिहास रच दिया है। सुमित पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे हैं। सुमित ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले दौर में विश्व के 27वें नंबर के खिलाड़ी एलेक्जेंडर बुबलिक को सीधे सेटों में 6-4, 6-2, 7-6 से हराया। सुमित को टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड एंट्री नहीं मिली, जिसके बाद उन्हें क्वालिफायर खेलना पड़ा। क्वालिफायर में सुमित ने लगातार तीन मैच जीतकर ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य दौर में जगह बनाई।

दीप्ति शर्मा बनीं आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत की महिला क्रिकेटर दीप्ति शर्मा को महिला वर्ग में आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार से सम्मानित किया है। दीप्ति को यह पुरस्कार दिसम्बर 2023 माह के लिए मिला है। दीप्ति ने दिसम्बर में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए टेस्ट मैचों में शानदार प्रदर्शन किया था। आईसीसी ने पुरुष वर्ग में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय टेस्ट टीम घोषित

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड के खिलाफ खेली जाने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले दो मैचों के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान किया है। 16 सदस्यीय टीम की कमान रोहित शर्मा को सौंपी गई है, वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टीम के उपकप्तान बनाए गए हैं। ईशान किशन और मोहम्मद शमी को टीम में जगह नहीं मिली है। शमी चोट के कारण टीम से बाहर हैं।

भारतीय टेस्ट टीम में युवा विकेटकीपर ध्रुव जुरेल को पहली बार जगह मिली है, वहीं आवेश खान भी टीम में जगह बनाने में सफल रहे हैं। चयनकर्ताओं ने प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दुल ठाकुर की जगह टीम में आवेश खान को तरजीह दी है। शार्दुल और प्रसिद्ध दक्षिण अफ्रीका दौरे पर भारतीय टीम का हिस्सा थे। इनके अलावा भारतीय टीम में कुलदीप यादव और अक्षर पटेल की वापसी भी हुई। ये दोनों खिलाड़ी रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा के साथ मिलकर भारत के स्पिन अटैक को मजबूत करेंगे। अश्विन की नजरें इस सीरीज में अपने 500 विकेट पूरे करने पर होंगी। अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट में 490 विकेट लिए हैं।

बीसीसीआई ने बताया कि भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। सीरीज का पहला मैच 25 जनवरी से हैदराबाद में, दूसरा मैच 2 फरवरी से विशाखापट्नम में, तीसरा मैच 15 फरवरी से राजकोट में, चौथा मैच 23 फरवरी से रांची में और पांचवां मैच 7 मार्च से धर्मशाला में खेला जाएगा।

भारतीय टीम
(पहले दो टेस्ट मैचों के लिए)

रोहित शर्मा, शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, केएस भरत, रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह और आवेश खान।

हरमन क्रूज बने हॉकी इंडिया के हाई परफॉर्मेंस निदेशक

मुंबई, हॉकी इंडिया ने नीदरलैंड्स के पूर्व हॉकी खिलाड़ी हरमन क्रूज को नया हाई परफॉर्मेंस निदेशक नियुक्त किया है। क्रूज सितंबर 2024 तक यह जिम्मेदारी संभालेंगे और हॉकी इंडिया के राष्ट्रीय जूनियर और सीनियर कार्यक्रमों को देखेंगे। क्रूज को कोचिंग का दो दशक से अधिक समय का अनुभव है। इससे पहले उन्हें भारतीय जूनियर पुरुष और जूनियर महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था।

शॉन मार्श ने क्रिकेट से पूरी तरह लिया संन्यास

सिडनी, ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज शॉन मार्श ने क्रिकेट से पूरी तरह संन्यास ले लिया है। शॉन मार्श ने अपना आखिरी मुकाबला बिग बैश लीग में मेलबर्न रेनगेड्स की ओर से खेलते हुए सिडनी थंडर्स के खिलाफ खेला। 40 वर्षीय मार्श ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 38 टेस्ट, 73 वन-डे और 15 ट्वेंटी-20 मैच खेले हैं। शॉन ने वर्ष 2017-18 में एशेज सीरीज में सात पारियों में 74 की औसत से 445 रन बनाकर टीम को सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। शॉन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को पहले ही अलविदा कह चुके हैं।

जेलेना ओस्तोपेंको ने जीता एडिलेड इंटरनेशनल टेनिस खिताब

एडिलेड, लात्विया की महिला टेनिस खिलाड़ी जेलेना ओस्तोपेंको ने एडिलेड इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट जीत लिया है। टूर्नामेंट में ओस्तोपेंको ने महिला एकल वर्ग के फाइनल में रूस की डारिया कसात्किना को सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से हराया।

ओस्तोपेंको ने सेमीफाइनल में एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा को हराकर फाइनल में जगह बनाई, वहीं कसात्किना को सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला ने वॉक ओवर दिया। फाइनल में ओस्तोपेंको और कसात्किना के बीच कांटे की टक्कर की उम्मीद थी, लेकिन ओस्तोपेंको के सामने कसात्किना ज्यादा देर तक टिक नहीं पाईं।

टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग का खिताब चेक गणराज्य के जिरी लेहेका ने जीता। जिरी ने फाइनल में ब्रिटेन के जैक ड्रैपर को कड़े मुकाबले में 4-6, 6-4, 6-3 से हराया। मैच में ड्रैपर ने पहले सेट में शानदार प्रदर्शन की बदौलत बढ़त बनाते हुए सेट 6-4 से अपने नाम किया।

दूसरे सेट में जिरी ने वापसी की और 6-4 से सेट जीता, इसके बाद तीसरे और निर्णायक सेट में भी जिरी ने शानदार खेल जारी रखा और ड्रैपर को 6-3 से हराकर मैच अपने नाम किया।

ट्वेंटी-20 में 150 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने साउदी

ऑकलैंड, न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी ने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में इतिहास रच दिया है। साउदी ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 150 से अधिक विकेट लेने वाले विश्व के पहले गेंदबाज बन गए हैं। साउदी ने यह उपलब्धि पाकिस्तान के खिलाफ खेली गई ट्वेंटी-20 सीरीज के पहले मैच के दौरान हासिल की। मैच के दौरान साउदी ने अब्बास अफरीदी को अपना 150वां विकेट बनाया। टिम साउदी ने 119 ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 153 विकेट लिए हैं। साउदी ने टेस्ट क्रिकेट में 374 और वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 221 विकेट लिए हैं। इस तरह साउदी क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में कम से कम 150 विकेट लेने वाले विश्व के पहले गेंदबाज बन गए हैं।

मलेशिया ओपन

सात्विक और चिराग ने जीता रजत पदक

बैंकॉक, भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने मलेशिया ओपन में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन वो खिताब जीतने से चूक गए और रजत पदक से संतोष करना पड़ा। टूर्नामेंट में पुरुष युगल वर्ग के फाइनल में भारतीय जोड़ी को चीन के लियांग वेइकेंग और वांग चेंग की जोड़ी के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

सात्विक और चिराग की जोड़ी ने फाइनल में शानदार खेल दिखाया। भारतीय जोड़ी ने पहले गेम में जबरदस्त प्रदर्शन किया और लियांग और वांग की जोड़ी को एकतरफा अंदाज में 21-9 से हराया। दूसरे गेम में चीनी जोड़ी ने पलटवार किया और रोमांचक मुकाबले को 21-18 से जीतकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

मैच के तीसरे और अंतिम गेम में भी मुकाबला रोमांचक रहा। तीसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने एक समय 7-2 की बढ़त हासिल कर ली थी, इसके बाद चीनी जोड़ी ने वापसी की और स्कोर 16-14 कर दिया। चीनी जोड़ी ने अपनी बढ़त बरकरार रखी और गेम 21-17 से अपने नाम कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

- मलेशिया ओपन टूर्नामेंट में पहली बार भारतीय जोड़ी ने पदक जीता है।
- इस टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ी का किसी भी वर्ग में यह पहला पदक है।
- यह जोड़ी एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीत चुकी है।

एंटोनसेन और यंग बनीं चैम्पियन

मलेशिया ओपन में पुरुष एकल वर्ग का खिताब डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन ने जीता। एंटोनसेन ने फाइनल में चीन के शी युकी को लगातार गेमों में 21-14, 21-13 से हराया। वहीं महिला एकल वर्ग का खिताब दक्षिण कोरिया की आन से यंग ने चीनी ताइपे की ताई जू यिंग को 10-21, 21-10, 21-18 से हराकर जीता।

स्पेनिश सुपर कप

रियल मैड्रिड ने जीता खिताब

रियाद, स्पेन के क्लब रियल मैड्रिड ने स्पेनिश सुपर कप का खिताब अपने नाम किया है। रियल ने सुपर कप के फाइनल में बार्सिलोना को 4-1 से हराया। रियल मैड्रिड ने 13वीं बार यह टूर्नामेंट जीता है।

फाइनल मुकाबले में रियल मैड्रिड के लिए ब्राजीलियन स्टार विनिसियस जूनियर ने 3 गोल दागे। विनिसियस ने पहले हाफ में जबरदस्त खेल दिखाते हुए 7वें मिनट में पहला गोल किया। विनिसियस इसके बाद भी नहीं रुके और 10वें मिनट में एक और गोल कर बार्सिलोना की टीम को दबाब में ला दिया। मैच में पिछड़ रही बार्सिलोना की टीम 39वें मिनट में एक गलती कर बैठी और रियल मैड्रिड को पेनाल्टी मिली। विनिसियस ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए एक ओर गोल दागा और रियल मैड्रिड को 3-0 की बढ़त दिलाई।

दूसरे हाफ में भी रियल मैड्रिड के खिलाड़ियों ने अपना दबदबा बनाये रखा। मैच के 64वें मिनट में रियल मैड्रिड के लिए रोड्रिगो सिल्वा ने गोल किया। रियल मैड्रिड ने यह मैच 4-1 से अपने नाम किया।

- बार्सिलोना ने सबसे ज्यादा 14 बार जीता है स्पेनिश सुपर कप।
- वर्ष 2023 में बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को हराकर जीता था स्पेनिश सुपर कप।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

30 लाख ब्रिटिश नागरिक चुन सकेंगे अब अपना नेता

साल 2024 दुनिया के लिए अहम साल साबित होने जा रहा है। इस साल भारत, अमेरिका समेत कई देशों (और यूरोपीय यूनियन) में राष्ट्रपति या संसदीय चुनाव होंगे। इस बीच, विदेशों में रहने वाले भारतीयों सहित 30 लाख से अधिक ब्रिटिश नागरिकों के लिए अच्छी खबर आई है। इन लोगों को चुनाव अधिनियम 2022 के लागू होने के बाद ब्रिटिश आम चुनावों और जनमत संग्रह में मतदान का अधिकार मिल गया है। यह 1928 में पूर्ण महिला मताधिकार की शुरुआत के बाद से ब्रिटिश चुनावी मताधिकार में सबसे बड़ी वृद्धि का प्रतिनिधित्व करता है। दरअसल, मतदान करने के अधिकारों पर लागू 15 साल की सीमा को समाप्त कर दिया गया है। दुनिया भर में ब्रिटिश नागरिक ऑनलाइन मतदान करने के लिए पंजीकरण कर सकते हैं, चाहें वे कितने समय से विदेश में हों।

रामास्वामी ने छोड़ी अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दावेदारी

भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी ने अमेरिका के राष्ट्रपति पद की दावेदारी छोड़ दी है। रामास्वामी ने डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन करने की बात कही है। रामास्वामी ने राष्ट्रपति पद की रेस से हटने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि मेरे लिए अब कोई रास्ता नहीं बचा है। 15 जनवरी को रिपब्लिकन पार्टी की उम्मीदवारी के लिए पहली कॉकस का आयोजन हुआ था। इसमें डोनाल्ड ट्रंप को जीत मिली है। विवेक रामास्वामी के इस साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव की दावेदारी से हटने के बाद अब इस रेस में डोनाल्ड ट्रंप के अलावा निक्की हेली और रोन देसांतिस ही बचे हैं। रामास्वामी इन तीनों से पीछे चल रहे थे और अब आयोवा कॉकस के नतीजों में पिछड़ने के बाद विवेक ने उम्मीदवारी वापस लेने का फैसला किया है।

हूती विद्रोहियों ने अमेरिकी जहाज पर फिर दागी मिसाइल

ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में एक अमेरिकी विध्वंसक जहाज की तरफ जहाज-रोधी क्रूज मिसाइल दागी, जिसे लड़ाकू विमान ने मार गिराया। हूती का यह हमला अमेरिका व ब्रिटेन की तरफ से गए हालिया प्रहार का पलटवार माना जा रहा है। हूती विद्रोहियों ने फिलहाल इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। हूती विद्रोही लाल सागर से गुजरने वाले जहाजों पर हमले करते रहे हैं। इस्राइल-हमास युद्ध के बीच हूती विद्रोहियों ने एशिया व पश्चिम एशिया के तेल व मालवाहक जहाजों को स्वेज नहर से यूरोप तक जोड़ने वाले महत्वपूर्ण गलियारे में निशाना बनाया है। इससे युद्ध के क्षेत्रीय संघर्ष में बदलने का खतरा पैदा हो गया है। अमेरिकी सेना के मध्य कमान की तरफ से जारी बयान के अनुसार, हूती विद्रोहियों ने लाल सागर के दक्षिणी इलाकों में सक्रिय आर्ले बर्क श्रेणी के विध्वंसक पोत यूएसएस लाबून को निशाना बनाया।

(स्रोत: संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

मेघालय के तुरा में नए एकीकृत प्रशासन परिसर का शिलान्यास

आत्मनिर्भरता से बढ़ा महिलाओं का आत्मविश्वास

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने मेघालय के तुरा में बलजेक हवाई अड्डे पर, स्व-सहायता समूहों के सदस्यों के साथ बातचीत की। उन्होंने तुरा में नए एकीकृत प्रशासन परिसर की आधारशिला भी रखी।

राष्ट्रपति ने कहा कि देश को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करने के लिए महिला सशक्तिकरण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि देश की महिलाएं अपनी पहचान बना रही हैं।

रक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, खेल, शिक्षा, उद्यमिता, कृषि या कोई अन्य कोई भी क्षेत्र हो, महिलाओं को केवल कुछ प्रेरक शब्दों, प्रोत्साहन और सराहना की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि महिला नेतृत्व-विकास का विचार तभी लागू किया जा सकता है जब उनको पसंद का चयन करने की स्वतंत्रता मिले। आर्थिक स्वतंत्रता से यह कुछ हद तक संभव हो पाया है। आर्थिक आत्मनिर्भरता से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ता है।

प्रधानमंत्री ने कोच्चि, केरल में अवसंरचना परियोजनाओं को राष्ट्र को किया समर्पित

हमारी क्षमता को पहचान रही है दुनिया - प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने केरल व कोच्चि में 4 हजार करोड़ रुपये से अधिक की तीन प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अमृत काल के दौरान भारत को 'विकसित भारत' बनाने की यात्रा में प्रत्येक राज्य की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने पहले के समय में भारत की समृद्धि में बंदरगाहों की भूमिका को याद किया और कहा कि अब बंदरगाहों के लिए एक समान भूमिका की परिकल्पना की जब भारत नए कदम उठा रहा है, वैश्विक व्यापार का एक प्रमुख केंद्र बन रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे में सरकार कोच्चि जैसे बंदरगाह शहरों की शक्ति को बेहतर बनाने में जुटी है। उन्होंने सागरमाला परियोजना के अंतर्गत बंदरगाह क्षमता में वृद्धि, बंदरगाह अवसंरचना में निवेश और बंदरगाहों की बेहतर कनेक्टिविटी की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जहाज निर्माण, जहाज मरम्मत और एलपीजी आयात टर्मिनल जैसी अन्य परियोजनाएं भी केरल और देश के दक्षिणी क्षेत्र में विकास को गति प्रदान करेंगी। उन्होंने कोच्चि शिपयार्ड के साथ 'मेड इन इंडिया' विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत के निर्माण का भी उल्लेख किया।

केरल व कोच्चि में 4 हजार करोड़ रुपये से अधिक की तीन प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कार्गो परिवहन को बड़ा प्रोत्साहन

प्रधानमंत्री ने पिछले 10 वर्षों में बंदरगाहों, पोत परिवहन और जलमार्ग में किए गए सुधारों पर प्रकाश डाला और कहा कि इससे भारत के बंदरगाहों में नए निवेश से रोज़गार के अवसर पैदा हुए हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय नाविकों से संबंधित नियमों में सुधार से देश में नाविकों की संख्या में 140 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के भीतर अंतर्देशीय जलमार्गों के उपयोग से यात्री और कार्गो परिवहन को बड़ा प्रोत्साहन मिला है।

विकसित देशों को पीछे छोड़ा

प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत ने पिछले 10 वर्षों में दहाई अंकों की वार्षिक वृद्धि हासिल की है। पहले जहाजों को बंदरगाहों पर काफी लंबा इंतजार करना पड़ता था। आज स्थिति बदल गई है और जहाज टर्नअराउंड समय के मामले में भारत ने कई विकसित देशों को पीछे छोड़ दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नया एलपीजी आयात टर्मिनल कोच्चि, कोयम्बटूर, इरोड, सेलम, कालीकट, मदुरै और त्रिची की एलपीजी आवश्यकताओं को पूरा करेगा।

भारत के निर्माण को और मजबूत बनाएगा

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे के संबंध में किए गए समझौतों पर प्रकाश डालते हुए कहा, ''दुनिया वैश्विक व्यापार में भारत की क्षमता और स्थिति को पहचान रही है।'' उन्होंने रेखांकित किया कि मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा भारत की तटीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देकर विकसित भारत के निर्माण को और मजबूत बनाएगा। हाल ही में शुरू हुए समुद्री अमृत काल विजन का भी उल्लेख किया, जो विकसित भारत के लिए समुद्री कौशल की मजबूती के लिए एक रोडमैप प्रस्तुत करता है। उन्होंने देश में मेगा बंदरगाहों, जहाज निर्माण और मरम्मत अवसंरचना निर्माण के लिए सरकार के प्रयासों को दोहराया। उन्होंने कहा कि नया ड्राई डॉक भारत का राष्ट्रीय गौरव है। इससे बड़े जहाजों को उतारने के साथ ही जहाज निर्माण और मरम्मत का काम भी संभव हो सकेगा, परिणामस्वरूप विदेशों पर निर्भरता कम होगी और विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी।

जहाजों पर हमला चिंतनीय, ऊर्जा और आर्थिक हितों पर पड़ता है सीधा असर - विदेश मंत्री

भारत के आसपास व्यावसायिक जहाजों पर हमले को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए गंभीर चिंता का विषय बताते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि यह भयानक स्थिति किसी भी देश के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि इस तरह के खतरों का भारत की ऊर्जा और आर्थिक हितों पर सीधा असर पड़ता है। ईरान की दो दिन की यात्रा पर तेहरान पहुंचे डॉ. जयशंकर अपने समकक्ष होसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन के साथ द्विपक्षीय बैठक में विभिन्न मुद्दों पर बात की। उन्होंने कहा कि हाल ही में हिंद महासागर के इस महत्वपूर्ण हिस्से में समुद्री व्यावसायिक नौवहन की सुरक्षा के लिए खतरा भी बढ़ा है। लाल सागर में जहाजों पर हमलों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि इस संकट को शीघ्रता से दूर किया जाना महत्वपूर्ण है।

चाबहार, उत्तर-दक्षिण संपर्क पर चर्चा

विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर की ईरानी विदेश मंत्री के साथ रणनीतिक रूप से अहम चाबहार बंदरगाह और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे और कई द्विपक्षीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर भी चर्चा हुई। डॉ. जयशंकर ने सोशल मीडिया पर लिखा, हमारी द्विपक्षीय चर्चा चाबहार बंदरगाह और आईएनएसटीसी संपर्क परियोजना में भारत की भागीदारी के लिए दीर्घकालिक ढांचे पर केंद्रित थी।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम समझ सकते हैं कि अंतर्राष्ट्रीय जल में सुरक्षा काफी अहम है। ऊर्जा संपन्न ईरान के दक्षिणी तट पर सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित, चाबहार बंदरगाह संपर्क और व्यापार संबंधों को बढ़ावा देने के लिए भारत और ईरान द्वारा विकसित किया जा रहा है।

जलवायु परिवर्तन के कारण दिसंबर में हुई कम बर्फबारी

जलवायु परिवर्तन समझने के लिए बर्फबारी अहम संकेतों में से एक है। हाल की कई सर्दियों की तरह दिसंबर में बर्फबारी की कमी हमारे ग्लोबल वार्मिंग के भविष्य को दिखा रही है। दुनिया के कई हिस्से बर्फ गिरने की भारी कमी का सामना कर रहे हैं। दूसरी ओर विशेषकर अमेरिका में 2023 की शुरुआत में रिकॉर्ड बर्फीला तूफान आया, जिससे सूखे जलाशय फिर से जीवित होकर भर गए। उत्तरी एरिजोना में 11 फीट बर्फ गिरी।

इसी तरह जमीनी अवलोकनों, उपग्रहों और जलवायु मॉडलों के वैज्ञानिक आंकड़े इस बात पर सहमत नहीं हैं कि क्या ग्लोबल वार्मिंग भारी ऊंचाई वाले पहाड़ों में जमा होने वाले बर्फ को नष्ट कर रही है, जिससे पानी की कमी का प्रबंधन के प्रयास जटिल हो रहे हैं, जिसके कारण कई लोगों को नुकसान होगा। अब एक नया डार्टमाउथ अध्ययन इन अवलोकनों में अनिश्चितता को दूर करता है और इस को साबित करता है कि जलवायु परिवर्तन के कारण पिछले 40 वर्षों में उत्तरी गोलार्ध के अधिकांश हिस्सों में मौसमी बर्फबारी वास्तव में काफी कम हो गई है।

अमेरिका में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के केंद्रीय सचिव श्री करंदीकर ने कहा

2047 तक विकसित भारत बनने के लिए विज्ञान-शोध पर और निवेश जरूरी

विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने लिए रिसर्च और निवेश को बढ़ावा देना जरूरी है। केंद्र सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग में शामिल शीर्ष अधिकारी श्री अभय करंदीकर ने कहा है कि श्रमिकों के कौशल को निखारने की जरूरत है, इससे कार्यबल की गुणवत्ता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि रिसर्च और डेवलपमेंट में भी निवेश बढ़ाना समय की मांग है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव श्री अभय करंदीकर ने यह टिप्पणी अमेरिका में की। वॉशिंगटन में पैन आईआईटी 2024 के मौके पर श्री करंदीकर ने प्रशिक्षण हासिल कर चुके कामगारों की कमी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ट्रेनिंग बढ़ाने की जरूरत है।

निवेश का आह्वान

श्री करंदीकर ने निजी क्षेत्र सहित विज्ञान और प्रौद्योगिकी से जुड़ी इकाइयों में निवेश का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहित करने के लिए भी और निवेश बेहद जरूरी है। अभी जितने पैसे लगाए जा रहे हैं, इसमें उल्लेखनीय वृद्धि की जरूरत है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का जिक्र करते हुए श्री करंदीकर ने कहा कि वैश्विक औसत से तुलना करने पर भारत में शोध पर काफी कम पैसे खर्च किए जाते हैं। अगर देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के अपने लक्ष्य को हासिल करना है तो तस्वीर बदलनी होगी।

मध्यप्रदेश शासन

ITE Education Services Singapore

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

एडवांस्ड प्रिसिजन इंजीनियरिंग (एक वर्षीय कोर्स)

(ITEES सिंगापुर के तकनीकी सहयोग से)

संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC)

"पहले आओ, पहले पाओ" के आधार पर तत्काल प्रवेश

संस्थान/पाठ्यक्रम की प्रमुख विशेषताएं :

- अत्याधुनिक स्टेट ऑफ दी आर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर : हाई-टेक CNC, CMM, EDM वायर कट मशीन्स
- कोर्स डिजाइन, पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण, उपकरण, शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) ITEES सिंगापुर के अनुसार
- क्षमता-आधारित गहन कौशल प्रशिक्षण (एक मशीन-एक प्रशिक्षणार्थी)
- रोज़गार के लिये तैयार टेक्नीशियन एवं इंजीनियर बनाने के लिये विश्व स्तरीय सुविधायें
- "लाइफ" स्किल ट्रेनिंग एवं ऑन द जॉब ट्रेनिंग
- पात्र प्रशिक्षणार्थियों को 'MMJKY' अथवा पोस्ट मैट्रिक के अंतर्गत छात्रवृत्ति की सुविधा

पात्रता :

- आईटीआई उत्तीर्ण (टर्नर/फिटर/मशीनिष्ट/मशीनिष्ट ग्राइंडर/मैकेनिक मशीन टूल मेंटेनेंस)

अथवा

- डिप्लोमा या B.Tech/B.E. उत्तीर्ण (मैकेनिकल/इंडस्ट्रियल/प्रोडक्शन)

CLC राउंड में प्रवेश :

- **इच्छुक आवेदक gsp.mponline.gov.in पर रजिस्ट्रेशन करायें तथा 18 जनवरी से 12 फरवरी, 2024 के मध्य मूल दस्तावेज और 2 सेट फोटोकॉपी के साथ अनिवार्यतः उपस्थित हों।**
- **किसी भी तिथि/स्टेज पर रिक्त सीटें समाप्त होने पर प्रवेश की कार्यवाही समाप्त हो जायेगी।**

95% प्रशिक्षणार्थियों का राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्लेसमेंट

विस्तृत जानकारी के लिए विजिट करें :
gsp.mponline.gov.in/
www.globalskillspark.mp.gov.in

admission.gsp@mp.gov.in

9893346258, 9713992665, 9981919733

9981919733 Hi टाइप करें : प्रवेश विवरणिका प्राप्त करें

GLOBAL SKILLS PARK
BHOPAL-MADHYA PRADESH

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क

जीएसपी, सिटी कैंपस, आई.टी.आई. कैंपस, गोविन्दपुरा
रायसेन रोड, भोपाल- 462023 (मध्यप्रदेश)

अधिक जानने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें

तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोज़गार विभाग, मध्यप्रदेश शासन

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024

D-11172/24/R-49380/2024

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक - संदीप यादव, मुद्रक - संदीप यादव द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।